

पहिला राजा

अदोनियाह राजा बनइ चाहत ह

1 राजा दाऊद बहोत जियादा बूढ़ा रहा। उ अपन क गरम नहीं रख सकेत। ओकर सेवक ओका कमरी स ओढ़ावत रहेन मुला उ फुन भी ठंडा रहत रहा। 2एह बरे ओकर नौकर ओहसे कहेन, “हम आप क देख-भाल बरे एक ठु जुवती क हेरब। उ आप क निचके ओलरी अउ आप क गरम राखी।” 3एह बरे राजा क नउकरन इस्राएल पहुँटा में चारिहुँ कइँती एक ठु जुवती क हेरब सुरु किहन। उ पचे राजा क गरम रखइ बरे एक ठु सुन्नर लड़की क हेरत रहेन। ओनका अबीसग नाउँ क एक लड़की मिली। उ सुनेमि नगर क रही। उ पचे जुवती क राजा क लगे लइ आएन। 4लड़की बहोत सुन्नर रही। उ राजा क देख-रेख अउ सेवा किहस। किन्तु राजा दाऊद ओकरे संग सारीरक सम्बन्ध नहीं किहस।

5-6अदोनियाह राजा दाऊद अउर ओकर पत्नी हग्गीत क पूत रहा। अदोनियाह आपन भाई अबसालोम क बाद पइदा भवा। उ बहोत सुन्नर मनई रहा। राजा दाऊद ओकर सुधार कबहुँ नहीं किहस। उ कबहुँ नहीं पुछेस: “तू काहे अइसा बेउहार करत ह?” अदोनियाह बहोत घमम्डी होइ गवा, उ फइसला किहस, मई अगला राजा होउब एह बरे उ अपने बरे एक ठु रथ, घोड़न अउ अगवा दउड़इवाले पाचस मनइयन क लिआएस।

7अदोनियाह सरुयाह क पूत योआब अउ याजक एब्यातार स बातन किहस। उ पचे ओकरे राजा बनई बरे मदद देइ क फइसला किहस। यह बरे उ पचे ओकर मदद किहेन। 8मुला कछु लोग उ स्वीकार नहीं किहेन जउन कछु अदोनियाह करत रहा। उ पचे राजा दाऊद क संग वफादार रहेस। उ अदोनियाह क संग नहीं मिलेस। इ सबइ लोग याजक सादोक, यहोयादा क पूत बनायाह, नातान, नबी, सिमी, रेई अउर राजा दाऊद क बिसेस रच्छक रहेन। 9तब अदोनियाह कछू जनावरन क मेलबलि बरे मारेस। उ कछू भेड़िन, कछू गइयन अउ कछू मोटवार बछवन क मारेस। अदोनियाह एनरोगेल क लगे जोहेलैत क चट्टान पइ इ सबइ बलियन चढ़ाएस। अदोनियाह आपन सबहिं भाइयन, (राजा क दूसर पूतन) अउ यहूदा क समूचे राज्ज कर्मचारियन क न्यौतेस। 10मुला अदोनियाह नातान नबी, या बनायाह या अपने बाप क खास रच्छकन या अपने भाई सुलैमान क न्यौतेस नहीं।

नातान अउर बतसेबा क सुलैमान क बारे में बात

11जब नातान एकरे बारे में सुनेस, उ सुलैमान क महतारी बतसेबा क लगे गवा। नातान ओहसे पूछेस, “का तू सुन्या

ह कि हग्गीत क पूत अदोनियाह का करत अहइ? उ अपने क राजा घोसित कइ दिहेस अउ हमार सुआमी राजा दाऊद एकरे बारे में कछू नहीं जानत। 12तोहार जिन्नगी अउ तोहार पूत सुलैमान क जिन्नगी खतरे में पइ सकत ह। किन्तु मई तोहका बताउब कि अपने क बचावइ बरे तोहका का करइ चाही। 13राजा दाऊद क लगे जा अउर ओहसे कहा, ‘मोर राजा, आप मोका बचन दिहे रहेन कि आप क पाछे मोर पूत सुलैमान अगला राजा होइ। फुन, अदोनियाह राजा काहे बन गवा ह?’ 14तब, जब तू ओहसे बात कर ही रही होउबी, मई अन्दर आउब। तोहार जाइ क पाछे, तब मई जउन कछू घटित भवा ह ओकरे बारे में राजा क बताउब। एहसे इ प्रदर्शित होइ कि तू अदोनियाह क बारे में जउन कछू कह्या ह, उ फुरइ अहइ।”

15एह बरे बतसेबा राजा क सोवइ क कमरा में भीतरे ओहसे मिलइ गइ। राजा बहोत जियादा बुढ़वा रहा। सुनेमिन स आई लड़की अबीसग हुवाँ ओकर देख-रेख करत रही। 16बतसेबा राजा क समन्वा प्रणाम करइ निहुरी। राजा पूछेस, “तू का चाहति अहा?”

17बतसेबा जवाब दिहस, “मोर राजा, आप अपने परमेस्सर, यहोवा क नाउँ लइके मोहसे प्रतिग्या किहे रह्या। आप कहे रह्या, ‘तोहार पूत सुलैमान मोरे पाछे राजा होइ। मोरे सिंहासने पइ सुलैमान हुकूमत करी।’ 18मुला अब अदोनियाह राजा होइ गवा ह अउर आप एका जानतेन भी नहीं। 19अदोनियाह मेलबलि बरे कहउ जनावरन क मार डाएस ह। उ बहोत स बर्धन, मोटवार बछवन अउ भेड़िन क मारेस ह अउर उ आप क सबहिं पूतन क न्यौतेस ह। उ याजक एब्यातार अउ आप क फउज क सेनापति योआब क भी न्यौतेस ह। किन्तु उ आप क पूत सुलैमान क न्यौतेस नहीं, जउन आप क सेवा करत ह। 20मोर सुआमी अउर राजा, इस्राएल क सबहिं लोगन क निगाहन आप पइ लगी अहइ। उ पचे आप क इ निर्णय क प्रतीच्छा करत अहइ कि आप क पाछे कउन राजा होइ। 21जब आप मरिही तउ आप अपने पुरखन क संग दफनावा जइहीं। तउ लोग मोर अउर मोर पूत सुलैमान क संग अपराधी जइसा बेउहार करिही।”

22जब बतसेबा राजा स बातन करत रही, नातान नबी ओहसे भेंटइ आवा। 23सेवक लोग राजा स कहेन, “नातान नबी आवा अहइ।” एह बरे नातान प्रवेस किहस अउ राजा क लगे गवा। नातान राजा क समन्वा धरती तलक निहुरा। 24तब नातान कहेस, “मोर राजा, का आप इ घोसना कइ दिहा ह कि आप क पाछे अदोनियाह नवा राजा होइ? का आप इ निर्णय कइ लिहा ह कि आप क पाछे अदोनियाह

लोगन पड़ हुकूमत करी। 25 आजु उ घाटी में खास मेलबलियन भेंट किहस ह। उ कइउ बर्धन, मोटवार बछवन अउर भेड़िन क मारेस ह उ आप क दूसर सबहिं पूतन, फउज क सेनापतियन अउ याजक एब्यातार क न्यौतेस ह। अब उ पचे ओकरे संग खात अहई अउर पिअत अहई अउर उ पचे कहत अहई, 'राजा अदोनिय्याह दीर्घायु होइ।' 26 मुला उ मोका या याजक सादोक, यहोयादा क पूत बनायाह या आप क पूत सुलैमान क न्यौतेस नाहीं। 27 मोर सुआमी अउर राजा, का आप आपन सेवकन हम पचन्क, बिना कहइ इ किहसे? आप हम लोगन स पहिले ही काहे नाहीं कह्या कि उ तोहार पाछे होइवाला राजा चुना गवा ह?"

28 तब राजा दाऊद कहेस, "बतसेबा स भितरे आवइ क कहा।" एह बरे बतसेबा भितरे आइ अउर राजा क समन्वा खड़ी भई।

29 तब राजा एक प्रतिग्या किहसे: "यहोवा परमेस्सर मोका हर एक खतरा स बचाएस ह अउर यहोवा क जिन्नगी क किरिया खाइके मई तोहसे प्रतिग्या करत हउँ। 30 मई आजु उ प्रतिग्या क पूरा करब जेकर बचन मई पहिले तोहका दिहे रहेउँ। मई इ प्रतिग्या यहोवा इस्त्राएल क परमेस्सर स किहे रहेउँ कि तोहार पूत सुलैमान मोरे पाछे राजा होइ अउर मोरे पाछे सिंहासने पड़ मोरे जगह उहइ लेइ। यह बरे आजु मई आपन प्रतिग्या क पूरा करब।"

31 तब बातसेबा राजा का समन्वा धरती तलक निहुरी के प्रणाम किहसे अउ कहेस, "मोर सुआमी राजा दाऊद हमेसा हमेसा जिअत रहे!"

सुलैमान नवा राजा क रूप में चुना जात ह

32 तब राजा दाऊद स कहेस, "याजक सादोक नातान नबी अउ यहोयादा क पूत बनायाह स हिआँ अन्दर आवइ क कहा।" एह बरे तीनहुँ मनइयन राजा क समन्वा आएन। 33 तब राजा ओनका कहेस, "मोरे अधिकारियन क अपने संग ल्या अउर मोरे पूत सुलैमान क मोरे निजी खच्चर पड़ बइठावा। ओका गीहोन सोता पड़ लइ जा। 34 उ जगह पड़ याजक सादोक अउ नातान नबी, इस्त्राएल क राजा क रूप में ओकर अभिसेक करई। तू लोग तुरही बजावा अउ इ घोसणा करा, 'इ सलेमान नवा राजा बा।' 35 तब एकरे पाछे ओकरे संग हिआँ लउट आवा। सुलैमान मोरे सिंहासने पड़ बइठी अउर हमरे जगह पड़ नवा राजा होइ। मई सुलैमान क इस्त्राएल अउ यहूदा क सासक होइ बरे चुनेउँ ह।"

36 यहोयादा क पूत बनायाह राजा क जवाब दिहस, "आमीन! यहोवा परमेस्सर खुद इ कहेस ह, मोर सुआमी अउ राजा! 37 मोर सुआमी राजा, यहोवा हमेसा आप क संग रहेस ह। यहोवा सुलैमान क भी संग रहइ अउर ओकर राज्ज तेहार राज्ज स भी बड़का अउर मजबूत होइ, मोर सुआमी अउ राजा!"

38 एह बरे सादोक, नातान, बनायाह अउ राजा क अधिकारियन राजा दाऊद क आग्या क पालन किहस। उ पचे सुलैमान क राजा दाऊद क खच्चरे पड़ चढ़ाएन अउर ओकरे संग गीहोन क सोते पड़ लइ गएन। 39 याजक

सादोक पवितर तम्बू स तेल लिहस। सादोक, इ देखावइ क बरे कि सुलैमान राजा अहइ, ओकरे मूँडे पड़ तेल डाएस। उ पचे तुरही बजाएन अउर सबहिं लोग उदघोस किहेन, "राजा सुलैमान दीर्घायु होइ।"

40 सबहिं लोग नगर में सुलैमान क पाछे आएन। उ पचे बांसुरी बजावत रहेन अउ खुसी क नारा लगावत रहेन। उ पचे एँतना सोर करत रहेन कि धरती काँप उठी।

41 इ समइ अदोनिय्याह अउ ओकर संग क सबहिं अतिथि आपन भोजन खतम करत रहेन। उ पचे तुरही क अवाज सुनेन। योआब पूछेस, "इ सोर कइसा अहइ? नगर में का होत अहइ?"

42 जब योआब बोलत ही रहा, याजक एब्यातार क पूत योनातन हुँवा पहाँचा। अदोनिय्याह कहेस, "हिआँ आवा। तू एक योग्य मनई अहा। मोका सुभ समाचार सुनावा।"

43 मूला योनातन जवाब दिहसे, "नाही! इ तोहरे बरे सुभ सूचना नाहीं अहइ। हमरे राजा दाऊद सुलैमान क नवा राजा बनाएस ह। 44 अउर राजा दाऊद याजक सादोक, नातान नबी, यहोयादा क पूत बनायाह अउर राजा क सबहिं अधिकारियन क ओकरे संग पठाएस ह। उ पचे सुलैमान क राजा क खच्चर पड़ बइठाएन। 45 तब याजक सादोक अउ नातान नबी गीहोन सोते पड़ सुलैमान क अभिसेक किहेन अउर तब उ पचे नगर में गएन। लोग ओनकर अनुसरण किहेन अउर अब नगर में लोग बहोत खुस अहई। उ सोर जउन् तू सनत अहा, उहइ क अहइ। 46 सुलैमान अब राजा क सिंहासने पड़ बइठा अहइ।

47 हिआँ तलक कि राजा क सबहिं सेवक राजा दाऊद क धन्यवाद देइ बरे आएन, अउ कहेन, 'राजा दाऊद, आप एक ठु महान राजा अहई अउर अब हम पराथना करित हीं कि आप क परमेस्सर, सुलैमान क आप स भी जियाद प्रसिद्ध बनाई। आप क परमेस्सर सुलैमान क आप स भी जियादा महान राजा बनाई अउर ओकर राज्ज आप क राज्जय स भी जियादा महान होई।'

"हिआँ तलक कि राजा दाऊद भी हुवाँ रहेन, अउर उ अपने बिछउना स ही निहुरेन। 48 राजा दाऊद केहस, 'इस्त्राएल क परमेस्सर यहोवा क स्तुति करा। यहोवा मोरे पूतन में स एक क मोरे सिंहासने पड़ बइठाएस ह अउर एका मोका लखइ दिहसे ह।'"

49 तब अदोनिय्याह क सबहिं अतिथि डेराइ गएन अउर हाली स चले गएन। 50 अदोनिय्याह भी सुलैमान स डेराइ गवा रहा। एह बरे उ वेदी तलक गवा अउ वेदी क सींगन क धइ लिहस। 51 तब कउनो सुलैमान स कहेस, "अदोनिय्याह तोहसे बहोत डेरान अहइ। अदोनिय्याह वेदी क लगे अहइ। उ वेदी क सींगन क धइ लिहसे ह अउ ओका तजइ स इन्कार करत ह। अदोनिय्याह कहत ह, 'राजा सुलैमान स इ प्रतिग्या करइ क कहा कि उ मोका मारी नाहीं।'"

52 एह बरे सुलैमान जवाब दिहसे, "जदि अदोनिय्याह इ प्रमाणित करत ह कि उ एक नीक मनई अहइ तउ मई प्रतिग्या करत हउँ कि ओकरे मूँडे क एक ठु बार बाँका नाहीं होइ। किन्तु जदि उ कछू बुरा करी तउ मार दीन्ह जाइ।" 53 तब राजा सुलैमान कछू मनइयन क अदोनिय्याह क

लिआवइ बरे पठएस। उ पचे ओका वेदी स नीचे लिआएस। अदोनिय्याह क राजा सुलैमान क समन्ना आवा अउर निहुरिके प्रणाम किहेस। तब सुलैमान कहेस, “घरे जा।”

राजा दाऊद क मउत

2 दाऊद क मरइ क समइ लगभग आइ पहेंवा। एह बरे दाऊद सुलैमान स बातन किहस अउर ओहसे कहेस, 2“मई मरइ प हउँ जइसा सबहिं मनई मरत ह। लेकिन तू मज़बूती क संग बढत अहा अउर एक मनई बनत अहा।” 3ओन सबहिं आदेसन क होसियारी क संग पालन करा जउन यहोवा हमार परमेस्सर दिहस ह। ओकरे सबहिं नेमन, आदेसन, फइसलन अउ करारन क पालन करा जउन मूसा क बेवस्था क किताबे में लिखा अहइ। जदि तू एन सबहिं क पालन करब्या तउ तू जउन कछू करब्या अउर जहाँ कहुँ जाब्या, सफल होब्या। 4अउर जदि तू यहोवा क आग्या क पालन करत रहब्या तउ यहोवा मोरे बरे कीन्ह गइ प्रतिग्यन क पालन करी। मोरे बरे यहोवा जउन प्रतिग्या किहेस, उ इ अहइ, ‘तोहरे पूतन क मोरी आग्या क पालन करइ चाहो अउर ओनका वइसे रहइ चाही जइसा रहइ बरे मई कहउँ। तोहरे पूतन क पूरे हिरदय अउ आतिमा स मोहमाँ बिस्सास रखइ चाही। जदि तोहरे पूत इ करिहीं तउ तोहरे परिवार क एक तु मनई सदा इस्राएल क लोगन क सासक होइ।”

5दाऊद इ भी कहेस, “तू इ भी याद राखा जउन सरुयाह क पूत योआब मोरे संग किहेस ह। उ इस्राएल क फउजे क दुइ सेनापतियन क मार डाएस। उ नेर क पूत अब्नेर अउ येतेर क पूत अमासा क मारेस। तोहका जरूर याद होइ कि उ ओनका सान्ति क समइ मारेस रहा। एन मनइयन क खून क दाग ओकरी तरवार क मूठ अउ ओकरे पहिरे भए फउजियन क जून पइ लगा भवा रहा। मोका ओनका सजा देइ चाही। 6किन्तु अब राजा तू अहा। एह बरे तोहका ओका इ तरह सजा देइ चाही जेका तू सब स जियादा बुद्धिमत्तापूर्ण समुझा। किन्तु तोहका इ निहचइ कइ लेइ चाही कि उ मार डावा जाइ। ओका बुढ़ापे क सान्ति स भरी मौत न पावइ द्या।

7“गिलाद क बर्जिल्लै क बच्चन पइ दयालु रहा। ओनका आपन मीत होइ द्या अउ अपनी मेज पइ भोजन करइ द्या। उ पचे मोर तब मदद किहेन, जब मई तोहरे भाई अबसालोम स भाग खड़ा भवा रहेउँ।

8“अउर याद राखा गेरा क पूत सिमी तोहरे संग हिआ अहइ। उ बहुरीम क बिन्यामीन परिवार समूह क अहइ। याद राखा कि उ मोका दुःखदायक सराप स सरापेस ह* जउने दिन मई महनैम क भाग गवा रहेउँ। तब उ मोहसे मिलइ यरदन नदी पइ आवा रहा। किन्तु मई यहोवा क समन्वा प्रतिग्या किहे रहेउँ, ‘सिमी मई तोहका नाहीं मारब।’ 9किन्तु सिमी क सजा दिए बगैर न रहइ द्या। तू बुद्धिमान मनई अहा, तू समुझ जाब्या कि ओकरे संग का करइ चाही। मुला ओका बुढ़ापे क सान्ति स भरी मौत न पावइ द्या।”

10तब दाऊद मर गवा। उ दाऊद नगर में दफनावा गवा। 11दाऊद इस्राएल पइ चालीस बरिस तलक हुकूमत किहस। उ हेब्रोन में सात बरिस अउ यरूसलेम में तैतीस बरिस तलक हुकूमत किहस।

सुलैमान आपन राज क देख-रेख

12अब सुलैमान दाऊद क सिंहासन पइ हुकूमत करइ लाग अउर उ आपन राज पइ पूरा अधिकार कइ लिहेन।

13इ समइ हग्गीत क पूत अदोनिय्याह सुलैमान क महतारी बतसेबा क लगे गवा। बलसेबा ओहसे, पूछेस, “का तू सान्ति क भाव स आवा अहा?”

अदोनिय्याह जवाब दिहस, “हाँ इ सान्ति स भरा मिलन अहइ। 14मोका आप स कछू कहब अहइ।” बतसेबा कहेस, “तउ कहा।”

15अदोनिय्याह कहेस, “तोहका याद अहइ कि एक समइ राज मोर रहा। इस्राएल क सबहिं लोग मोका आपन अगला राजा समुझत रहेन। किन्तु स्थिति बदल गइ। अब मोर भाई राजा अहइ। यहोवा ओका राजा होइ बरे चनेस। 16एह बरे मई तोहसे एक तु चीज माँगत हउँ। मेहरबानी कइके इन्कार न करई।”

बतसेबा पूछेस, “तू का चाहत अहा?”

17अदोनिय्याह जवाब दिहेस, “मई जानत हउँ कि राजा सुलैमान उ सब कछू करिहीं जउन तू कहबिउ। एह बरे कृपा कइके ओनसे कह्या कि मोका सुनेम क अबीसग क संग बियाह करइ द्या।”

18तब बतसेबा कहेस, “ठीक अहइ, मई तोहरे बरे राजा स बात करब।”

19एह बरे बतसेबा राजा सुलैमान क लगे ओहसे बात करइ गइ। राजा सुलैमान ओका लखेस अउर उ ओहसे मिलइ बरे खड़ा भवा। तब उ ओकरे समन्वा प्रणाम करइ निहुरा अउ सिंहासने पइ बइठ गवा। उ सेवकन स, अपनी महतारी बरे दूसर सिंहासन लिआवइ क कहेस। तब उ ओकरी दाहिन कइँती बइठ गइ।

20बतसेबा ओहसे कहेस, “मई तोहसे एक नान्ह चीज माँगत हउँ। कृपा कइके इन्कार न करया।”

राजा उत्तर दिहेस, “महतारी तू जउन चाहा, माँग सकति अहा। मई तोहका मना नाहीं करबेउँ।”

21एह बरे बतसेबा कहेस, “सूनेमिन मेहरारू अबीसग क अपने भाई अदोनिय्याह क संग बियाह करइ द्या।”

22राजा सुलैमान अपनी महतारी स कहेस, “तू अबीसग क ओका देइ बरे मोहसे काहे कहति अहा? तू मोहसे इ काहे नाहीं कहतिउ कि मई ओका राजा भी बनाइ देउँ काहेकि उ मोर बड़का भाइ अहइ? याजक एब्यातार अउ योआब ओकर समर्थन करिहीं।”

23तब सुलैमान यहोवा स एक तु प्रतिग्या किहेस। उ कहेस, “मई प्रतिग्या करत हउँ कि मोहसे इ माँग करइ क बरे मई अदोनिय्याह स भुगतान कराउब। उ पचे इ माँग बरे आपन जिन्नगी देइ देब। 24यहोवा मोका इस्राएल क राजा होइ दिहस ह। उ उ सिंहासन मोका दिहेस ह जउन मोर बाप दाऊद क अहइ। यहोवा अपनी प्रतिग्या पूरी किहेस ह अउ

राज्ज मोका अउ मोरे परिवार क दिहस ह। मई सास्वत परमेस्सर क समन्वा, प्रतिग्या करत हउँ कि अदोनिय्याह आज मरी!”

25 राजा सुलैमान बनायाह क आदेस दिहस। बनायाह बाहेर गवा अउर उ अदोनिय्याह क मार डाएस।

26 तब राजा सुलैमान याजक एब्यातार स कहेस, “मोका तोहका मार डावइ चाही, किन्तु मई तोहका अपने घरे अनातोत मँ लउट जाइ देत हउँ। मई तोहका अबहुँ मारब नाहीं काहेकि मोर बाप दाऊद क संग चलत समइ तू पवित्तर सन्दूख क लइ चलइ मँ मदद किहे रह्या जब तू मोरे बाप दाऊद क संग रह्या। मई जानत हउँ कि तू मोर बाप क मदद किहे रहा अउर मोर बाप क सबहिँ कठिन समइ मँ साथ दिहे रहा।” 27 सुलैमान एब्यातार स कहेस कि तू याजक क रुप मँ यहोवा क सेवा करत नाहीं रह सकत्या। इ सब बइसे ही भवा, जइसा यहोवा होइ बरे कहे रहा। परमेस्सर याजक एली अउ ओकरे परिवार क बारे मँ सीलो मँ इ कहे रहा अउर एब्यातार एली क परिवार स रहा।

28 योआब इ बारे मँ सुनेस अउर उ डेराइ गवा। उ अदोनिय्याह क समर्थन किहे रहा, किन्तु अबसालोम क नाहीं। योआब यहोवा क तम्बू कइँती दउड़ा अउर वेदी क सींगो क धइ लिहस। 29 कउनो राजा सुलैमान स कहेस कि योआब यहोवा क तम्बू मँ वेदी क लगे अहइ। एह बरे सुलैमान बनायाह क जाइ अउ ओका मार डावइ क आदेस दिहस।

30 बनायाह यहोवा क तम्बू मँ गावा अउ योआब स कहेस, “राजा कहत हीं, ‘बाहेर आवा।’”

मुला योआब जवाब दिहेस, “नाहीं, मई हिअई मरब।”

एह बरे बनायाह राजा क लगे वापस गवा अउ ओहसे उहइ कहेस जउन योआब कहे रहा। 31 तब राजा बनायाह क आदेस दिहस, “वइसा ही करा जइसा उ कहत ह। ओका हुवई मार डावा। तब ओका दफनाइ द्या। तब हमार परिवार अउर हम योआब क दोख स अजाद होब। इ अपराध एह बरे भवा कि योआब निरपराध लोगन क मारे रहा। 32 योआब दुइ मनइयन क मार डाएस, जउन ओहसे बहोत नीक रहेन। इ पचे नेर क पूत अब्नेर अउ येतेर क पूत अमासा रहेन। अब्नेर इस्त्राएल क फउज क प्राधान सेनापति रहा अउर अमासा यहूदा क फउज क सेनापति रहा। उ समइ, मोर बाप दाऊद इ नाहीं जानत रहेन कि योआब ओनका मार डाए रहा। एह बरे यहोवा योआब क ओन मनइयन बरे सजा देइ जेनका उ मार डाए रहा। 33 उ ओनकर मउत बरे अपराधी होइ अउर ओकर परिवार भी सदा बरे दोखी होइ। किन्तु परमेस्सर कइँती स दाऊद क, ओकरे सन्तानन, ओकरे राज परिवार अउ सिंहासन क सदा-सदा बरे सान्ति मिली।”

34 एह बरे यहोयादा क पूत बनायाह योआब क मार डाएस। योआब मरुभूमि मँ अपने घरे क लगे दफनावा गवा। 35 सुलैमान तब योहादा क पूत बनायाह क योआब क जगह पइ सेनापति बनाएस। सुलैमान एब्यातार क ठउरे पइ सादोक क महायाजक बनाएस। 36 एकरे पाछे राजा सिमी क

बोलाएस। राजा ओहसे कहेस, “हिआँ यरूसलेम मँ तू अपने बरे एक तु घर बनावा, उहइ घरे मँ रहा अउर नगर क जिन तजा। 37 जदि तू नगर क तजब्या अउ किद्रोन क नाले क पार जाब्या तउ तू मार डावा जाब्या अउर इ तोहार दोख होइ।”

38 एह बरे सिमी जवाब दिहेस, “मोर राजा, आप जउन कहेन ह, ठीक बाटइ। मई आप क हुकुम क मानबा।” एह बरे सिमी यरूसलेम मँ बहोत समइ तलक रहा। 39 किन्तु तीन बरिस पाछे सिमी क दुइ सेवक पराइ गएन। उ पचे गत क राजा क लगे पहुँचेन। ओकर नाउँ आकीस रहा जउन माका क पूत रहा। सिमी सुनेस कि ओकर सेवक गत मँ अहइ। 40 एह बरे सिमी आपन काठी अपने खच्चर पइ रखेस अउर गत मँ राजा आकीस क लगे गवा। उ अपने सेवकन क प्राप्त करइ गवा। उ ओनका ढूँढ लिहस अउर अपने घरे वापस लिआवा।

41 मुला कउनो सुलैमान स कहेस, कि सिमी यरूसलेम सगत गवा रहा अउर लउटि आवा ह। 42 एह बरे सुलैमान ओका बोलवाएस। सुलैमान सिमी स कहेस, “मई तोहका चिताउनी देत हउँ कि मई यहोवा क नाउँ पइ इ प्रतिग्या किहे रहेउँ कि जदि तू यरूसलेम तजब्या, तउ मारा जाब्या। मई चितउनी दिहे रहेउँ कि जदि तू दूसर कहुँ जाब्या तउ तोहरे मारे जाइ क दोख तोहार होइ। अउर तू ओका अंगीकार किहे रहा जउन कछू मई कहेस रहा। तू कहेस रहा कि तू मोर आग्या अउर आदेसन क पालन करब्या। 43 तू अपनी प्रतिग्या काहे तोइया? तू मोरे आदेस क पालन काहे नाहीं किहा? 44 तू जानत ह कि तू मोरे बाप दाऊद क खिलाफ बहोत स गलत काम किहा, अब यहोवा ओन गलत कामन बरे तोहका सजा देइ। 45 किन्तु यहोवा मोका आसीर्वाद देइ। उ दाऊद क सिंहासन क सदा ही सुरच्छा करी।”

46 तब राजा बनायाह क सिमी क मार डावइ क आदेस दिहेस अउर इ एका पूरा किहस। अब सुलैमान अपने राज पइ पूरा नियंत्रण कइ चुका रहा।

सुलैमान बुद्धि माँगत ह

3 सुलैमान मिस्र क राजा फिरौन क बिटिया के संग बियाइ कइके ओकरे संग सन्धि किहेस। सुलैमान ओका दाऊद नगर क लइ आवा। इ समइ अबहुँ भी सुलैमान आपन महल अउर यहोवा क मन्दिर बनावत रहा। सुलैमान यरूसलेम चहारदीवारी भी बनावत रहा। 2 मन्दिर अबहुँ तलक पूरा नाहीं भावा रहा। एह बरे लोग अबहुँ भि उच्च जगहन पइ जनावरन क बलि भेंट करत रहेन। 3 सुलैमान देखाएस कि उ यहोवा स पिरेम करत ह। ओकरे आपन बाप दाऊद जउन कछू करइ क कहे रहा, उ ओन सब क पालन किहेस किन्तु सुलैमान कछू अइसा भी किहस जेका करइ बरे दाऊद नाहीं कहे रहा। सुलैमान अबहुँ तलक उच्च जगहन क उपयोग बलि भेंट अउ सुगन्धि बारइ क बरे करत रहा।

4 राजा सुलैमान बलि भेंट करइ गिबोन गवा। उ हुँवा एह बरे गवा काहेकि उ सब स जियादा महत्वपूर्ण ऊँच जगह

रही। सुलैमान एक हजार बलियन उ वेदी पइ भेंट किहस। 5जब सुलैमान गिबोन में रहा उहइ रात क ओकरे लगे सपन में यहोवा आवा। परमेस्सर कहेस, “जउन चाहत अहा तू माँगा, मई ओका तोका देबउँ।”

6सुलैमान जवाब दिहिस, “तू अपने सेवक मोर बाप दाऊद पइ बहोत दयालु रह्या। उ तोहार अनुसरण किहिस। उ नीक रहा अउ सच्चाई स रहा अउर तू ओकरे बरे तब सब स बड़की कृपा किहा जब तू ओकरे पूत क ओकरे सिंहासने पइ हुकुमूत करइ दिहा। 7यहोवा मोर परमेस्सर, तू मोका अपने बाप क जगह पइ राजा होइ दिहा ह। किन्तु मई एक नान्ह बालक क नाई हउँ। मोरे लगे, मोका जउन करइ चाही ओका करइ बरे बुद्धि नाहीं अहइ। 8तोहार सेवक, मई हिआँ तोहरे चुने लोगन में एक महान लोगन में अहउँ, उ पचे एँते जियादा अहइँ कि गना नाहीं जाइ सकेतेन। 9एह बरे मई तोहसे माँगत हउँ कि तू मोका बुद्धि द्या जेहसे मई सच्चाई स लोगन पइ हुकुमत अउ ओनकर निआउ कइ सकउँ। एहसे मई सही अउ गलत क फरक क जान सकउँ। इ स्वेष्ठ बुद्धि क बिना एँ महान रास्ट्रन पइ सासन करब असंभव अहइ।”

10यहोवा खुस भवा कि सुलैमान ओहसे इ माँगेस। 11एह बरे परमेस्सर ओहसे कहेस, “तू अपने बरे दीर्घायु नाहीं माँग्या। तू अपने बरे सम्पत्ति नाहीं माँग्या। तू अपने दुस्मनन क मउत नाहीं माँग्या। मुला तू बुद्धि अउर सही निर्णय करइ बरे ग्यान माँग्या। 12एह बरे मई तोहका उहइ देब जउन तू माँग्या। मई तोहका बुद्धिमान अउ बिवेकी बनाउब। मई तोहरी बुद्धि क एँतना महान बनाउब कि बीते जमाने में कबहुँ तोहरे जइसा कउनो मनई नाहीं भवा ह अउर भविस्स में जइसा कबहुँ कउनो नाहीं होइ। 13अउर तोहका पुरस्कृत करइ बरे मई तोहका उ सबइ चिजियन भी देबउँ जेनका तू नाहीं माँग्या। तोहरे पूरी जिन्नगी में सम्पत्ति अउ प्रतिस्था बनी रही। संसार में तोहरे जइसा महान राजा दूसर कउनो नाहीं होइ। 14मई तोहसे चाहत हउँ कि तू मोर अनुसरण करा अउर मोरे नेमन अउर आदेसन क पालन करा। इ उहइ प्रकार करा जउने प्रकार तोहार बाप दाऊद किहस। जदि तू अइसा करब्या तउ मई तोहका दीर्घायु भी करब।”

15सुलैमान जाग गवा। उ जान गवा कि परमेस्सर ओकरे संग सपन में बातन किहस ह। तब सुलैमान यरूसलेम गवा अउर यहोवा क करार क सन्दूखे क समन्वा खड़ा भवा। सुलैमान यहोवा क होमबलि अउर मेलबलि चढ़ाएस। एकरे पाछे उ ओन सबहिँ प्रमुखन अउ अधिकारियन क दावत दिहस जउन हुकुमत करइ में ओकर मदद करत रहेन।

16एक दिन दुइ मेहररुअन जउन रंडियन रहिन, सुलैमान क लगे आइन। 17मेहररुअन में स एक कहेस, “महाराज, इ मेहररु अउर मई एक ही घरे में रहत हीं। हम दुइनउँ गर्भवती भएन अउर अपने बच्चन क जन्म देइ ही वाले रहेन। मई अपने बच्चे का जन्म दिहेउँ जब इ हुवाँ मोरे साथ रही। 18तीन दिन बाद इ मेहररु भी अपने बच्चा क जन्म दिहस। हम लोगन क संग कउनो दूसर मनई घरे में नाहीं रहा। सिरिफ हम दुइनउँ ही रहेन। 19एक रात इ मेहररु क बच्चा मर गवा काहेकि उ बच्चा पइ सोई गइ रही। 20एह

बरे रात क जब मई सोई रही, इ मोरे पूत क मोरे बिछउन स लइ लिहस। तब इ मेरे बच्चे क मोरे बिछउन पइ डाइ दिहस। 21अगले भिंसारे मई जागी अउर अपने बच्चे क दूध पिआवइ वाली रही। किन्तु मई लखेउँ कि बच्च मरा भवा ह। तब मई ओका जियादा निचके स लखेउँ। मई लेखेउँ कि इ मोर बच्च नाहीं अहइ।”

22मुला दुसर मेहररु कहेस, “नाहीं! जिअत बच्चा मोर अहइ। मरा बच्चा तोहार अहइ।”

किन्तु पहिली मेहररु कहेस, “नाहीं! तू गलत अहा। मरा बच्चा तोहार अहइ अउर जिअत बच्चा मोर अहइ।” इ तर दुइनउँ मेहररुअन राजा क समन्वा बहस किहन।

23तब राजा सुलैमान कहेस, “तू दुइनउँ कहति अहा कि जिअत बच्चा हमार आपन अहइ अउर तू पचन में स हर एक कहत अहइ कि मरा बच्चा दूसरी क अहइ।”

24तब राजा सुलैमान अपने सेवक क तरवार लिआवइ पठएस। 25अउर राजा सुलैमान कहेस, “हम इहइ करब। जिअत बच्चे क दुइ टुकन कइ द्या। दुइनउँ मेहररु क आधा आधा बच्चा दइ द्या।”

26दूसर मेहररु कहेस, “इ ठीक अहइ। बच्चा क दुइ टुकन में काट डवा। तब हम दुइनउँ में स ओका कउनो नाहीं पाई।” किन्तु पहिली मेहररु, जउन सच्ची महतारी रही, अपने बच्चे क बरे पिरेम स भरी रही। उ राजा स कहेस, “मेहरबानी कइके बच्चा क जिन मारा। एका ओका ही दइ देई।”

27तब राजा सुलैमान कहेस, “बच्च क जिन मारा। एका, पहिली मेहररु क दइ द्या। उहइ सच्ची महतारी अहइ।”

28इस्त्राएल क लोग राजा सुलैमान क निर्णय क सुनेन। उ पचे ओकर बहोत आदर अउ सम्मान किहेन काहेकि उ पचे जान गएन कि ओकर ठीक निआउ करइ क बुद्धि ओकरे लगे परमेस्सर स आई।

सुलैमान क राज्ज

4 राजा सुलैमान इस्त्राएल क सबहिँ लोगन पइ सासन करत रहा। 2इ सबइ प्रमुख अधिकारियन क नाउँ अहइँ जउन सासन करइ में ओकर मदद करत रहेन:

सादोक क पूत अजर्याह याजक रहा।

3सीसा क पूत एलीहोरेप अउ अहिय्याह उ विवरण क लिखइ क कार्य करत रहेन जउन निआबालय में होत रहा।

अहीलूद क पूत यहोसापात, यहोसापात लोगन क इतिहास क विवरण लिखत रहा।

4यहोयादा क पूत बनायाह सेनापति रहा,

सादोक अउ एब्यातार याजक रहेन।

5नातान क पूत अजर्याह जनपद- प्रसासकन क अधीच्छक रहा।

नातान क पूत जाबूद याजक अउर राजा सुलैमान क एक सलाहकार रहा।

6अहीसार राजा क घर क हर एक चीज क उत्तरदायी रहा।

अब्दा क पूत अदोनीराम दासन क अधीच्छक रहा।

7इस्त्राएल बारह छेत्रन में बँटा रहा। जेनका जनपद कहत रहेन। सुलैमान हर जनपद पइ सासन करइ क बरे राजपालन क चुनत रहा। एन राजपालन क आदेस रहा कि उ पचे अपने जनपद में भोजन क चीज एकटठा करई अउर ओका राजा अउ ओकरे परिवारन क देई। हर साल एक महीने क भोजन सामग्री राजा क देइ क जिम्मेदारी बारह राजपालन में हर एक क रहा। 8बारह राजपालन क इ नाउँ सबइ अहई:

बेन्हूर, एप्रैम क पर्वतीय प्रदेस क राजपाल रहा।

9बेन्डेकर, माकस, सालबीम, बेतसेमेस अउ एलोनबेथानान क राजपाल रहा।

10बेन्हेसेद, अरूबोत, सौको अउर हेपेर क राजपाल रहा।

11बेनबीनादाब, नपोत दोर क राजपाल रहा। ओकर बियाह सुलैमान क बिटिया तापत स भवा रहा।

12अहीलूद क पूत बाना, तानाक, मगिददो स लइके अउर सारतान स लगे पूरे बेतसान क राजपाल रहा। इ यिज्रेल क खाले, बेतसान स लइके आबेलमहोला तलक योकमाम क पार रहा।

13बेनगेबेर, रामोत गिलाद क राजपाल रहा। उ गिलाद में मनस्से क पूत यार्ईर क सारे सहरन अउ गाँवन क भी राजपाल रहा। उ बासान में अर्गोब क जनपद क भी राजपाल रहा। इ पहँटा में ऊँची चहारदेवारवाले साठ नगर रहेन। एँन नगरन क फाटकन में काँसे क छड़न लगी रहिन।

14इददो क पूत अहीनादाब, महनैम क राजपाल रहा।

15अहीमास, नप्ताली क राजपाल रहा। ओकर बियाह सुलैमान क बिटिया बासमत स भवा रहा।

16हूसै क पूत बाना, आसेर अउ आलोत क राजपाल रहा।

17पारुह क पूत यहोसापात, इस्साकार क राजपाल रहा।

18एला क पूत सिमी, बिन्यामीन क राजपाल रहा।

19ऊरी क पूत गोबेर गिलाद क राजपाल रहा। गिलाद उ पहँटा रहा जहाँ एमोरी लोगन क राजा सीहोन अउर बासान क राजा ओग रहत रहेन। किन्तु सिरिफ गोबेर ही उ जनपद क राजपाल रहा।

20यहूदा अउ इस्त्राएल में बहोत बड़ी गिनती में लोग रहत रहेन। लोगन क गनती समुदर क किनारे क बालू क कणन जेतनी रही। लोग सुख स भरी जिन्नगी बितावत रहेन: उ पचे खात पिअत अउ आनन्दित रहत रहेन।

21सुलैमान परात नदी स लइके पलिस्ती लोगन क पहँटा तलक सबहिं राजन पइ हुकूमत करत रहा। ओकर राज मिस्त्र क सीमा तलक फइला रहा। इ सबइ देस सुलैमान के भेंट पठवत रहेन अउर ओकरे पूरी जिन्नगी तलक ओकर आग्या क पालन करत रहेन।

22इ भोजन सामग्री अहइ जेकर जरूरत हर रोज सुलैमान क खुद अउ ओकरी मेज पइ सबहिं भोजन करइवालन क बरे होत रही:

डेढ़ सौ बुसल महीन आटा,

तीन सौ बुसल आटा,

23अच्छा अन्न खाइ भवा दस ठु बर्धा,

मैदानन में पाले गए बीस ठु बर्धा अउर सौ भेड़िन,

जंगली जनावरन जइसा हिरन, चिकारे, मगू अउ सिकारी पछियन भी!

24सुलैमान परात नदी क पच्छिम क सबहिं देसन पइ हुकूमत करत रहा। इ प्रदेस तिप्सह स अज्जा तलक रहा अउर सुलैमान क राज क चारिहुँ कइँती सात्ति रही। 25सुलैमान क जिन्नगी क समइ इस्त्राएल अउ यहूदा क सबहिं लोग लगातार दान स लइके बेर्सेबा तलक सात्ति अउ सुरच्छा में रहत रहेन। लोग सात्ति क साथ अपने अंजीर क बृच्छन अउ अंगूरे क बेलन क तले बइठत रहेन।

26सुलैमान क लगे ओकरे रथन क बरे चार हजार घोड़न क रखइ क जगह अउ ओकरे पास बारह हजार घोड़सवार रहेन। 27हर महीने बारह जनपद क राजपालन में स एक ठु सुलैमान क उ सबइ चिजियन देत रहा जेकर ओकर जरूरत पड़त रही। इ राजा क मेज पइ खाइ वाले हर एक मनई बरे काफी होत रही। 28जनपद राजपालन राजा क रथन क घोड़न अउ सवारी क घोड़न बरे बहोत अधिक चारा अउ सूखा घास भी देत रहेन। उ पचे इ अन्न क एक उचित जगह पइ लिआवत रहा।

सुलैमान क बुद्धि

29परमेस्सर सुलैमान क उत्तिम बुद्धि दिहेस। सुलैमान अनेक बातन समुझ सकत रहा। ओकर बुद्धि कल्पना क परे तेज रही। 30सुलैमान क बुद्धि पूरब क सबहिं मनइयन क बुद्धि स जियादा तेज रही। ओकर बुद्धि मिस्त्र में रहइवाले सबहिं मनइयन क बुद्धि से जियादा तेज रही। 31उ पृथ्वी क कउनो भी मनइयन स जियादा बुद्धिमान रहा। उ एज्रेही एतान स भी जियादा बुद्धिमान रहा। उ हेमान, कलकोल अउ दर्दा स जियादा बुद्धिमान रहा। इ सबइ माहोल क पूत रहेन। राजा सुलैमान इस्त्राएल अउ यहूदा क चारिहुँ कइँती क सबहिं देसन में प्रसिद्ध होइ गवा। 32अपने जिन्नगी क समइ में राजा सुलैमान तीन हजार बुद्धि क बातन अउर पन्द्रह सौ गीतन लिखेस।

33सुलैमान प्रकृति क बारे में बहोत कछू जानत रहा। सुलैमान लबानोन क बिसाल देवदारू बृच्छन स लइके देवारन में उगलवाली जूफा क अलग प्रकार क पेड़-पौधन में स हर एक क बारे में सिच्छा दिहेस। राजा सुलैमान जनावरन, पँछियन अउ रेंगइवाले जान्तुअन अउ मछरियन क चर्चा किहेस ह। 34सुलैमान क बुद्धिमत्तापूर्ण बातन क सुनइ बरे सबहिं रास्ट्रन स लोग आवत रहेन। सबहिं रास्ट्रन क राजा अपने बुद्धिमान मनइयन क राजा सुलैमान क बातन क सुनइ बरे पठवत रहेन।

सुलैमान मन्दिर बनावत ह

5 हीराम सोर क राजा रहा। हीराम सदा ही दाऊद क मीत रहा। एह बरे जब हीराम क मालूम भवा कि

सुलैमान दाऊद क पाछे नवा राजा भवा ह तउ उ सुलैमान क लगे आपन सेवक पठाएस। 2सुलैमान हीराम राजा क इ सबइ संदेस पठाएस: 3“तोहका याद अहइ कि मोर बाप राजा दाऊद क अपने चारिहुँ कइँती अनेक जुद्ध लड़इ पड़े रहेन। एह बरे उ यहोवा अपने परमेस्सर क मन्दिर बनाववाइ मँ समर्थ नाहीं होइ सका। राजा दाऊद तब तलक प्रतीच्छा करत रहा जब तलक यहोवा ओकर सबहिँ दुस्मनन क ओहसे पराजित नाहीं होइ दिहस। 4किन्तु अब यहोवा मोर परमेस्सर मोर देस क चारिहुँ कइँती मोका सान्ति दिहस ह। अब मोर कउनो दुस्मन नाहीं अहइ। मोर प्रजा अब कउनो खतरे मँ नाहीं अहइ।

5“यहोवा मोर बाप दाऊद क संग एक ठु प्रतिग्या किहे रहा। यहोवा कहे रहा, ‘मईँ तोहरे पूत क तोहरे पाछे राजा बनाउब अउर तोहार पूत मोर सम्मान करइ बरे एक ठु मन्दिर बनाई।’ अब मईँ, यहोवा आपन परमेस्सर क सम्मान करइ बरे उ मन्दिर बनावइ क योजना बनाएँउ ह। 6अउर एह बरे मईँ तोहसे मदद माँगत हउँ। अपने मनइयन क लबानोन पठवा। हुवाँ उ पचे मोरे बरे देवदारु क बृच्छन क कटिहीं। मोर सेवक तोहरे सेवकन क संग काम करिहीं। मईँ उ कउनो भी मजदूरी भुगतान करब जउन तू अपने सेवकन बरे तय करब्या। किन्तु मोका तोहार मदद क जरूरत अहइ। मोर बढई सीदोन क बढइयन क तरह नीक नाहीं अहइ।”

7जब हीराम, जउन कछू सुलैमान माँगेस, उ सुनेस तउ उ बहोत खुस भवा। राजा हीराम कहेस, “आजु मईँ यहोवा क धन्यवाद देत हउँ कि उ दाऊद क इ विसाल रास्ट्र पइ सासन करइ बरे एक ठु बुद्धिमान पूत दिहस ह।” 8तब हीराम सुलैमान क एक संदेसा पठाएस। संदेसा इ रहा, “तू जउन माँग किहा ह, उ मईँ सुनेउँ ह। मईँ तोहका सारे देवदारु क बच्छ अउर चीर क बृच्छ देब, जेनका तू चाहत अहा। 9मोर सेवक लबानोन स ओनका समुदर तलक लइहीं। तब मईँ ओनका एक संग बाँध देब अउर ओनका समुदर मँ उ जगह कइँती बहाइ देब जहाँ तू चाहत अहा। हुवाँ मईँ लट्ठन क अलग कइ देब अउर बृच्छन क तू लइ सकब्या। एकर बदले मँ तू मोर साही घरे क लोगन बरे भोजन प्रदान कराउब्या।”

10एह बरे हीराम, सुलैमान क सबइ देवदार अउर सनौवर क बृच्छ दिहेन जेका उ चाहत रहेन। 11अउर सुलैमान हर साल लगभग एक लाख बीस हजार बुसल गोहूँ अउ लगभग एक लाख बीस हजार गैलन निखालिस जइतून क तेल हीराम क ओकरे परिवार क भोजन बरे दिहस।

12यहोवा आपनी प्रतिग्या क अनुसार सुलैमान क बुद्धि दिहस अउ सुलैमान अउ हीराम क बीच सान्ति रही। इ दुइनँ राजा लोग आपुस मँ सन्धि किहन।

13राजा सुलैमान इ काम मँ मदद बरे इस्राएल क तीस हजार मनइयन क मजबूर किहन। 14राजा सुलैमान अदोनीराम नाउँ क एक ठु मनई क ओनकी ऊपर अधिकारी बनाएस। सुलैमान ओन मनइयन क तीन ठु टुकड़ियन मँ बाँटिस। हर एक टुकड़ी मँ दस हजार मनई रहेन। हर समूह एक महीना लबानोन मँ काम करत रहा अउर तब दुइ महीना बरे अपने घरे लउटत रहा। 15सुलैमान अस्सी हजार मनइयन क भी

पहाड़ी प्रदेश मँ काम करइ बरे मजबूर किहस। एन मनइयन क काम चट्टानन क काटब रहा अउर हुवाँ सत्तर हजार मनई पाथर क ढोवइवाले रहेन। 16अउर तीन हजार तीन सौ मनई रहेन जउन काम करइवाले मनइयन क ऊपर अधिकारी रहेन। 17राजा सुलैमान, मन्दिर क नेंव बरे बिसाल अउ कीमती चट्टानन क कटाइ क आदेस दिहस। इ सबइ पाथर सावधानी स काटे गएन। 18तब सुलैमान क मकान बनावइया अउ कारीगरन अउ हीराम क मकान बनावइया अउ कारीगरन अउ गबाली क मनइयन पाथरन क काटेन अउ ओन पइ नक्कासी क काम किहेन। उ पचे मन्दिर क बनावइ बरे पाथरन अउ लट्ठन क तइयार किहेन।

सुलैमान मन्दिर बनावत ह

6 तब सुलैमान मन्दिर बनाउब सुरु किहस। इ इस्राएल क लोगन क जरिये मिस्र तजइ क चार सौ अस्सीवाँ बरिस पाछे रहा। इ राजा सुलैमान क इस्राएल पइ हुकूमत क चउथे बरिस मँ रहा, इ जीव क महीना, बरिस क दूसर महीना रहा। 2मन्दिर साठ हाथ लम्बा, बीस हाथ चौड़ा अउर तीस हाथ ऊँचा रहा। 3मन्दिर मण्डप तीस हाथ लम्बा अउ दस हाथ चौड़ा रहा। इ मण्डप मन्दिर क ही मुख्य हीसा क समन्वा बराबर लम्बा रहा। एकर लम्बाई मन्दिर क चौड़ाई क बराबर रही। 4मन्दिर मँ सँकरी खिड़कियन रहिन। इ सबइ खिड़कियन बाहेर कइँती सँकरी अउ भीतेर कइँती चौड़ी रहिन। 5तब सुलैमान मन्दिर क मुख्य हीसा क चारिहुँ कइँती कमरन क एक कतार बनाएस। उ पचे एक दूसर क छते क ऊपर बने रहेन। 6कमरन मन्दिर क देवार स सटा रहेन किन्तु ओनकर सहतीरन ओनकी देवार मँ नाहीं घुसी रहिन। सिखर पइ, मन्दिर क देवार पातर होइ गइ। एह बरे ओन कमरन क एक कइँती क देवार ओकरे खाले क देवार स पातर रही। खाले क मंजिल क कमरन पाँच हाथ चौड़ा रहेन। बीच क मंजिल क कमरन छः हाथ चौड़ा रहेन। ऊपर क कमरन सात हाथ चौड़ा रहेन। 7काम करइवाला मनईयन देवारन क बनावइ बरे बड़के पाथरन क उपयोग किहन। काम करइवाला मनईयन उहइ जगह पइ पाथरन क काटेन जहाँ उ पचे ओनका जमीने स निकारेन। एह बरे मन्दिर मँ हथौड़ियन, कुल्हाड़ियन अउ दूसर कउनो भी लोहा क औजार क आवाज़ मन्दिर क बगल मँ एकरे निर्माण क समई नाहीं सुनाई दिहे रहेन।

8खाले क कमरन क प्रवेस दुआर मन्दिर क दक्खिन कइँती रहा। भीतर सीढ़ियन रहिन जउन मन्दिर क दूसर मंजिल क कमरन अउ तब तीसरे मंजिल क कमरन तलक जात रहिन।

9इ तरह सुलैमान मन्दिर बनाउब पूरा किहस। मन्दिर क हर एक भाग देवदारु क तख्तन स मढ़ा गवा रहा। 10सुलैमान मन्दिर क चारिहुँ कइँती कमरन क बनाउब भी पूरा किहस। हर एक मंजिल पाँच हाथ ऊँचा रही। ओन कमरन क देवदार क सहतीरन मन्दिर क छुअत रहिन।

11यहोवा सुलैमान स कहेस, 12‘इ मन्दिर क बारे मँ जका तू निर्माण करत ह यदि तू मोर सबहिँ नेमन अउ आदेसन क पालन करब्या तउ मईँ उ सबइ करब जेकरे बरे

मई तोहरे बाप दाऊद स प्रतिग्या किहे रहेउँ। 13अउर मई इस्त्राएल क गदेलन क संग रहब, अउर मई इस्त्राएल क लोगन क कबहूँ छोड़ब नहीँ।”

मन्दिर क विस्तृत विवरण

14इ तरह सुलैमान मन्दिर क निर्माण पूरा किहस।

15मन्दिर क भीतर क देवारन देवदारु क पल्लन स मढ़ी गइ रहिन। देवदारु क पल्लन फर्स स छत तलक रहेन। पाथर क फर्स चीड़ क पल्लन स ढका रहा। 16उ पचे मन्दिर क पिछले हींसा मँ एक ठु कमरा बीस हाथ अन्दर गहिरा बनाएन। उ पचे इ कमरा क देवारन क देवदारु क पल्लन स मढ़ेन। देवदारु क पल्लन फर्स स छते तलक रहेन। इ कमरा सब स जियादा पवित्र जगह कहा जात रहा। 17महा पवित्र स्थान क समन्वा वाला भाग मन्दिर क सबन त जियादा पवित्र भाग रहा। इ कमरा चालीस हाथ लम्बा रहा। 18उ पचे इ कमरे क देवारन क देवदारु क पल्लन स मढ़ेन, देवारे क कउनो भी पाथर नहीँ लखा जाइ सकत रहा। उ पचे फूलन अउ कद्दू क चित्र देवदारु क पल्लन मँ नक्कासी किहन।

19सुलैमान मन्दिर क पाछे भीतर गहिर कमरन क तइयार किहस। इ कमरा यहोवा क करार क सन्दूखे क बरे रहा। 20इ कमरा बीस हाथ लम्बा बीस हाथ चौड़ा अउ बीस हाथ ऊँचा रहा। 21सुलैमान इ कमरे क निखालिस सोना स मढ़ेस। उ इ कमरा क समन्वा एक ठु धूप वेदी बनाएस। उ वेदी क सोने स मढ़ेस अउर एकरे चारिहूँ कइँती सोने क जंजीरन लपेटेस। 22सारा मन्दिर सोना स मढ़ा रहा अउर सब स जियादा पवित्र जगह क समन्वा वेदी सोना स मढ़ी गइ रही।

23सिल्पकार पखना सहित दुई ठु करूब सरगदूतन क मूरती बनाएन। सिल्पकार जइतून क काठे स मूर्तियन बनाएन। दुइनउँ सरगदूतन सब स जियादा पवित्र जगह मँ धरे गएन। हर एक सरगदूत दस हाथ ऊँच रहा। 24-26उ सबइ दुइनउँ सरगदूत एक ही माप क रहेन अउर एक ही सैली मँ बने रहेन। हर एक सरगदूत क दुइ पखनन रहेन। हर एक पखना पाँच हाथ लम्बा रहा। एक पखना क सिरे स दूसर पखना क सिरे तलक दस हाथ रहा अउर हर एक सरगदूत दस हाथ ऊँच रहा। 27इ सबइ करूब सरगदूत सब स जियादा पवित्र ठउर मँ धरे गए रहेन। उ सबइ एक दूसर क बगल मँ खड़े रहेन। ओनकर पखना कमरा बीच मँ एक दूसर क छुअत रहेन। दूसर दुइ पखनन हर एक बगल क देवार क छुअत रहेन। 28दुइनउँ करूब सरगदूत सोना स मढ़े गए रहेन।

29मुख्य कच्छ अउ भीतरी कच्छ चारिहूँ कइँती क देवारन पइ करूब सरगदूतन, ताड़ क बृच्छन अउ फूल क चित्र उकेरे गए रहेन। 30दुइनउँ कमरन क फर्स सोना स मढ़ी गइ रही।

31कारीगरन जइतून क काठे क दुइ दरवाजा बनाएन। उ पचे ओन दुइ दरवाजन क सब स जियादा पवित्र जगह क प्रवेस दुआर मँ लगाएन। दरवाजन क चारिहूँ कइँती क चौखट पाँच पहलदार बनी रही। 32उ पचे दुइनउँ दरवाजन

क जैतून क काठे क बनाएन। कारीगरन दरवाजन पइ करूब सरगदूत, ताड़ क बृच्छन अउ फूलन क चित्रन क उकेरेन। तब उ पचे दरवाजन क सोना स मढ़ेन।

33उ पचे मुख्य कच्छ मँ प्रवेस बरे भी दरवाजन बनाएन। उ पचे एक वर्गाकार दरवाजे क चौखट बनावइ बरे जैतून क काठे क उपयोग किहन। 34तब उ पचे दरवाजा बनावइ बरे चीर क लकड़ी क उपयोग किहन। 35हुवाँ दुइ दरवाजा रहेन। हर एक दरवाजे क दुइ भाग रहेन, एह बरे दुइनउँ दरवाजन मुड़िके बंद होत रहेन। उ पचे दरवाजन पइ करूब सरगदूत ताड़ क बृच्छन अउ फूलन क चित्रन क उकेरेन। तब उ पचे ओनका सोना स मढ़ेन।

36तब उ पचे भीतरी आँगन बनाएन। उ पचे इ आँगन क चारिहूँ ओर देवारन बनाएन। हर एक देवार कटे पाथरन क तीन कतारन अउ देवार क काठन क एक कतार स बनाइ गइ।

37उ पचे बरिस क दूसरे महीने जब माह मँ मन्दिर क निर्माण सुरु किहन। इस्त्राएल क लोगन पइ सुलैमान क हुकूमत क चउथे बरिस मँ, इ भवा। 38मन्दिर क निर्माण बरिस क अठएँ महीने बूल माह मँ पूरा भवा। लोगन पइ सुलैमान क हुकूमत क गियारहवें बरिस इ भवा रहा। मन्दिर क निर्माण मँ सात बरिस लगेन। मन्दिर ठीक उहइ प्रकार बना रहा जइसा ओका बनावइ क योजना रही।

सुलैमान क महल

7 राजा सुलैमान अपने बरे एक महल भी बनवाएस। सुलैमान क महल क निर्माण क पूरा करइ मँ तेरह बरिस लगेन। 2उ उ इमारत क भी बनाएस जेका, “लबानोन क बन” कहा जात ह। इ सौ हाथ लम्बा, पचास हाथ चौड़ा, अउर तीस हाथ ऊँच रहा। एहमँ देवदारु क खम्भन क चार कतारन रहिन। हर एक कतारे क सिरे पइ देवदारु क सीर्स रहा। 3खम्भन क कतारन क आर पार जात भइ देवदारु क सहतीरन रहिन। उ पचे देवदारु क पल्लन क छते क बरे एन सहतीरन पइ धरे रहेन। खम्भन क हर एक विभाग क बरे पन्द्रह सहतीरन रहिन। सब निलाइके पैतालीस सहतीरन रहिन। 4बगल क हर एक देवारे मँ खिड़कियन क तीन कतारन रहिन। खिड़कियन परस्पर आमने-सामने रहिन। 5हर एक क आखिर मँ तीन दरवाजन रहेन। सबहिँ दरवाजन क दुआर अउ चौखटन वर्गाकार रहेन।

6सुलैमान “खम्भन क प्रवेस दुआर मण्डप” भी बनाएस। इ पचास हाथ लम्बा अउ तीस हाथ चौड़ा रहा। प्रवेस दुआर मण्डप क अगला भाग क संग-संग खम्भन पइ टिकी एक ठु छत रही।

7सुलैमान एक ठु सिंहासन कच्छ बनाएस जहाँ उ लोगन क निआउ करत रहा। उ एका “निआव कच्छ” कहत रहा। कच्छ फर्स स लइके छते तलक देवदारु स मढ़ा रहा।

8जउन भवन मँ सुलैमान रहत रहा, उ निआव महाकच्छ क पाछे दूसर आँगन मँ रहा। इ महल वइसे ही बना रहा जइसा निआव महाकच्छ बना रहा। उ अपनी मेहरारु स जउन मिस्र क राजा क बिटिया रही, क बरे बइसा ही महल बनाएस।

9इ सबहिं इमारतन महंगा पाथर क ठुकन स बनी रहिन। इ सबइ पाथर समुचित आकार में आरे स काटे ग रहेन। उ सबइ सामने अउ पाछे कईती स कटे रहेन। इ सबइ महंगा पाथर नेंव स लइके देवार क ऊपरी तहे तलक लगे रहेन। अंगे क चारिहुँ कईती क देवार भी महंगा पाथर टूकन स बनी रहिन। 10नेव बिसाल महंगा पाथरन स बनी रही। कछू पाथर दस हाथ लम्बे रहेन अउर दूसर बारह फुट लम्बे रहेन। 11ओन पाथरन क सीर्स पइ दूसर महंगा पाथर अउ देवदारु क सहतीरन रहिन। 12महल क आँगन, मन्दिर क आँगन अउ मन्दिर क प्रवेश दुआर मण्डप क चारिहुँ कईती देवारन रहिन। उ सबइ देवारन पाथर क तीन कतारन अउ देवदारु काठे क एक कतार स बनी रहिन।

13राजा सुलैमान हीराम नाउँ क मनई क लगे सोर में सँदेसा पठएस। सुलैमान हीराम क यरूसलेम लिआवा। 14हीराम क महतारी नप्ताली परिवार समूह स इस्त्राएली रही। ओकर मरा बाप सोर क रहा जउन काँसा क काम में कुसल रहा। हीराम काँसे स चिजियन बनावत रहा। उ बहोत कुसल अउ अनुभवी कारीगर रहा। एह बरे राजा सुलैमान ओका आवइ बरे कहेस अउर हीराम ओका स्वीकार किहस। एह बरे राजा सुलैमान हीराम क काँसे स निर्मित सबहिं चिजियन क बनाएस।

15हीराम काँसा क दुइ खम्भा बनाएस। हर एक खम्भा अठारह हाथ लम्बा अउ बारह हाथ गोलाईवाला रहा। खम्भा खोखले रहेन अउर धातु तीन इन्च मोटी रही। 16हीराम दुइ काँसा क सीर्स भी बनाएस जउन पाँच हाथ ऊँचे रहेन। हीराम एन सीर्सन क खम्भन क सिरन पइ रखेस। 17तब उ दुइनउँ खम्भन क ऊपर क सीर्सन क ढाँपइ बरे जंजीरन क दुइ जाल बनाएस। 18तब उ अलंकरन क दुइ कतारन बनाएस जउन अनार क तरह देखात रहेन। उ पचे एन काँसन क अनारन क हर एक खम्भा क जालन में, खम्भन क सिरन क सीर्सन क ढाँपइ बरे रखेस। 19पाँच हाथ ऊँच खम्भन क सिरन क सीर्स फूल क आकार क बना रहेन। 20सीर्स खम्भन क सिरन पइ रहेन। उ सबइ कटोरन क आकार क जाल क ऊपर रहेन। उ ठउरे पइ सीर्सन क चारिहुँ कईती कतारन में दुई सौ अनार रहेन। 21हीराम एन दुइनउँ काँसा क खम्भन क मन्दिर क प्रवेश दुआर पइ खड़ा किहस। दुआर क दक्खिन कईती एक खम्भा अउ दुआर क उत्तर कईती दूसर खम्भा खड़ा कीन्ह गवा। दक्खिन क खम्भा क नाउँ याकीन रखा गवा। उत्तर क खम्भा क नाउँ बोआज़ रखा गवा। 22उ पचे फूल क आकार क सीर्सन क खम्भन क ऊपर रखेन। इ तरह दुइनउँ खम्भन पइ काम पूरा भवा।

23तब हीराम काँसा क एक गोल हौज बनाएस। उ पचे इ हउज क “सागर” कहेन। हौज लगभग तीस हाथ गोलाई में रहा। इ आर-पार दस हाथ अउर पाँच हाथ गहिर रहा। 24हौज क बाहरी सिरे पइ एक ठु बारी रही। इ बारी क खाले काँसा क कददुअन क दुइ कतारन हौज क घेरे भए रहिन। काँसे क कददू हौज क हीसा क रूप में एक ठु इकाई में बने रहेन। 25हौज बारह काँसे क बर्धन क पीठन पइ टिका रहा। इ सबइ बारहुँ बर्धा तालाब स दूर बाहेर क

लखत रहेन। तीन ठु उत्तर कईती, तीन दक्खिन क अउ तीन पच्छिम कईती लखत रहेन।

26हौज क देवारन तीन इन्च मोट रहिन। तालाब क चारिहुँ कईती क किनारी एक पयाले क किनारी या फूल क पुंखड़ियन क तरह रहिन। तालाब क छमता लगभग गियारह हजार पाँस सौ गैलन रही।

27तब हीराम दस काँसे क गाड़ियन बनाएस। हर एक चार हाथ लम्बी, चार हाथ चौड़ी अउ पाँच हाथ ऊँच रही। 28गाड़ियन वर्गाकार पल्लन क चउखटन में मड़िके बनाई गइ रहिन। 29पल्लन अउ चउखटन पइ काँसे क सिंह, बर्धा अउ करूब सरगदूत रहेन। सिंह अउ बर्धन क ऊपर अउ खाले फूलन क डिज़ाईन हथौड़ा स पीट-पीट के काँसे में बनाव ग रहेन। 30हर एक गाड़ी में चार काँसे क पहियन काँसे क धुरी क संग रहेन। कोनन पइ काँसे क टेकन बिसाल कटोरा बरे बने रहेन। टेकन पइ हथौड़न स पीट-पीट के फूलन क डिज़ाईन काँसे में बनाव ग रहेन। 31कटोरा बरे ऊपरी सिरे पइ एक ढाँचा बना रहा। इ कटोरन स ऊपर स एक हाथ ऊँच रहा। कटोरा क खुल भवा गोल हीसा डेढ़ हाथ व्यास वाला रहा। काँसे क ढाँचे पइ जउन डिज़ाईन खोदा गए रहेन इ चौकोर रहेन, गोल नाही। 32ढाँचा क खाले चार पहियन रहेन पहिये डेढ़ हाथ व्यासवाले रहेन। पहिये क बीच धुरे गाड़ी क संग एक इकाई क रूप में बने रहेन। 33पहियन रथे क पहियन क नाई रहेन। पहियन क हर एक चीज-धुरे, परिधि, तीलियन अउ नाभी काँसे क बनी रही।

34हर एक गाड़ी क चारिहुँ कोनन पइ चार आधार रहेन। उ सबइ गाड़ी क संग एक इकाई क रूप में बने रहेन। 35हर एक गाड़ी क ऊपरी सिरे क चारिहुँ कईती एक काँसा क आधा हाथ गहिरा पट्टी रही। टेकन अउर पटरियन एक इकाई में बन के गाड़ी क साथ जुड़े रहेन। 36इ गाड़ी बगल अउ ढाँचे पइ करूब सरगदूतन, सिंहन अउ ताड़ क बृच्छन क चित्र काँसा में गाड़ी क बगल अउर ढाँचे पइ खोदे गए रहेन। इ सबइ चित्र गाड़ियन पइ जहाँ भी जगह रही, उकेरे गए रहेन अउर गाड़ी क चारिहुँ कईती क ढाँचे पइ फूल उकेरे गए रहेन। 37हीराम दस गाड़ियन बनाएस अउर उ सबइ सबहिं एक जइसी रहिन। हर एक गाड़ी काँसा क बनी रही। काँसा क गलावा गवा रहा अउर साँचा में ढाला गवा रहा। एह बरे सबहिं गाड़ियन एक ही आकार अउर एक ही रूप क रहिन।

38हीराम दस कटोरन भी बनाएस। एक कटोरा दस गाड़ियन में स हर एक बरे रहा। हर एक कटोरा चार हाथ व्यास वाला रहा अउर हर एक कटोरे में दुइ सौ तीस गैलन आइ सकत रहा। 39हीराम पाँच गाड़ियन क मन्दिर क दक्खिन अउ दूसर पाँच गाड़ियन क मन्दिर क उत्तर में धरेस। उ बिसाल तालाब क मन्दिर क दक्खिन पूर्व कोने में धरेस। 40हीराम बर्तन, नान्ह बेलचन अउ नान्ह कटोरन भी बनाएस। हीराम ओन सारी चिजियन क बनाउब पूरा किहस जेनका राजा सुलैमान ओहसे बनाववाइ चाहत रहा। हीराम यहोवा क मन्दिर बरे जउन कछू बनाएस ओकर सूची इ अहइ:

41 दुइ खम्भा, खम्भन क सिरन बरे कटोरा क आकार क दुइ सीर्स, सीर्सन क चारिहुँ कइँती लगाए जाइवाले दुइ जाल।

42 दुइ जातन बरे चार सौ अनार खम्भन क सिरन पइ सीर्सन क दुइनउँ कटोरन क ढकइ बरे हर एक जात क वास्ते अनारन क दुइ कतारन रहिन।

43 हुँवा दस गाड़ियन रहिन, हर गाड़ी पइ एक कटोरा रहा, 44 एक बिसाल तालाब जउन बारह बर्धन पइ टिका रहा, 45 बर्तन, नान्ह बेलचन, नान्ह कटोरन, अउर यहोवा क मन्दिर बरे सबहिं तस्तरियन।

हीराम उ सबहिं चिजियन बनाइन जेनका राजा सुलैमान चाहत रहा। उ सबइ सबहिं झलकाए भए काँसा स बनी रहिन। 46-47 सुलैमान उ काँसे क कबहुँ नाहीं तौलेस जेकर उपयोग एन चिजियन क बनावइ बरे भवा रहा। उ एँतना जियादा रहा कि एकर तउलब संभव नाहीं रहा। एह बरे सारे काँसे क तौल क कुल योग कबहुँ मालूम नाहीं भवा। राजा एँन चिजियन क सुक्कोत अउ सारतान क बीच यरदन नदी क निचके बनावइ क आदेस दिहस। उ पचे एँन चिजियन क, काँसा क गलाइके अउर जमीन मँ बने साँचन मँ ढालिके, बनाएस।

48 सुलैमान इ भी आदेस दिहस कि मन्दिर बरे सोने क बहोत स चिजियन बनाई जाई। सुलैमान मन्दिर बरे सोना स जउन चिजियन बनाएस, उ सबइ इ अहई।

सुनहरी वेदी;

सुनहरी मेज ओन रोटी बरे जउन कि पवितर स्थान मँ धरी जात रहा।

49 सुद्ध सोना क दीपधार सब स जियादा पवितर ठउर क समन्वा इ सबइ मँ स पाँच दीपधार दक्खिन कइँती अउर पाँच उत्तर कइँती धरी जात रहेन।

सुनहरा फूल, दीपक अउ चिमटन; 50 सुद्ध सोना क कटोरन, पलीता काटई बरे कौंचियन, छोटा कटोरन, कढ़ाईयन, कोइला ढोवइ बरे सुद्ध सोना क तस्तरियन; भीतरी कमरा क दरवाजन बरे जउन सबन त जियादा पवितर स्थान अहइ, अउर मन्दिर क मुख्य कमरा क दूसर दरवाजन बरे सोने क कब्जन।

51 इ तरह सुलैमान, यहोवा क मन्दिर बरे जउन काम उ करइ चाहत रहा, पूरा किहस। तब सुलैमान उ सबइ सबहिं चिजियन लिहस जेनका ओकर पिता दाऊद इ उद्देश्य क बरे सुरच्छित रखे रहिन। उ एन चिजियन क मन्दिर मँ लिआवा। उ चाँदी अउ सोना यहोवा क मन्दिर क खजानन मँ धरेस।

मन्दिर मँ करार क सन्दूख

8 तब राजा सुलैमान इस्राएल क सबहिं बुर्जुगन, परिवार समूहन क प्रमुखन अउ इस्राएल क परिवारन क प्रमुखन क एक संग यरूसलेम मँ बोलाएस। सुलैमान ओनका सामिल करइ चाहत रहा कि उ पचे करार क सन्दूख क दाऊद नगर स मन्दिर मँ लिआवई। 2 एह बरे इस्राएल क सबहिं लोग इकट्ठा होइके राजा सुलैमान क

लगे आएन। इ एतानीम महीना मँ कुटीर क त्यौहार क मौका रहा, इ बरिस क सतवाँ महीना रहा।

3 इस्राएल क सबहिं बुर्जुगन उ ठउरे पइ आएन। तब याजक लोग पवितर सन्दूख उठाएन। 4 उ पचे पवितर तम्बू अउ तम्बू मँ क सबहिं चिजियन सहित यहोवा क पवितर सन्दूख क लइ आएन। लेवी वंसियन याजक लोगन क मदद एन चिजियन क लइ जाइ मँ किहेन। 5 राजा सुलैमान अउर इस्राएल क सबहिं लोग करार क सन्दूख क समन्वा इकट्ठे भएन। उ पचे अनेक बलि भेंट किहिन। उ पचे एँतना जियादा भेड़िन अउ गोरुअन मारेन कि ओन सबहिं क कउनो मनई गनइ या दर्ज करइ मँ सामर्थ नाहीं रहा। 6 तब याजक लोग यहोवा क करार क सन्दूखे क ओकरे उचित ठउरे पइ धरेन। इ मन्दिर क भीतर सब स जियादा पवितर ठउरे मँ रहा। करार क सन्दूख करुब सरगदूतन क पखनन क खाले धरा गवा। 7 करुब सरगदूतन क पखना करार क सन्दूख क अउर ओका लइ चलइ मँ सहायक बल्लियन क ढाँपे रहेन। 8 इ सबइ सहायक बल्लियन बहोत बड़ी रहिन। जदि कउनो मनई पवितर ठउर मँ सब स जियादा पवितर ठउर क समन्वा खड़ा होइ, तउ उ बल्लियन क सिरन क लख सकत ह। किन्तु बाहेर क कउनो भी ओनका नाहीं लख सकत। उ सबइ बल्लियन आजु भी हुँवा अहई। 9 हिओँ पवितर सन्दूख क भीतर सिरिफ दुइ सिलन रहिन। उ सबइ दुइ सिलन उहइ रहिन जेनका मूसा होरेब नाउँ क ठउरे पइ पवितर सन्दूख मँ धरे रहेन। होरेब उ ठउर रहा जहाँ यहोवा इस्राएल क लोगन क संग ओनके मिश्र स बाहेर आवइ क पाछे करार किहस।

10 याजक सन्दूखे क सब स जियादा पवितर ठउर मँ धरेस। जब याजक पवितर ठउर स बाहेर आएन तउ बादल यहोवा क मन्दिर मँ भर गवा। 11 याजक आपन सेवा करत नाहीं रहि सकेन काहेकि बादर क कारण मन्दिर यहोवा क प्रताप स भर गवा रहा। 12 तब सुलैमान कहेस:

“यहोवा अकासे मँ सूरज चमकाएस, मुला उ करिआ बादर मँ रहब पसन्द किहस।

13 मई तोहरे बरे एक सानदार मन्दिर बनाएउँ, एक निवास जेहमँ तू सदा ही रहब्या।”

14 इस्राएल क सबहिं लोग हुँवा खड़े रहेन। एह बरे सुलैमान ओनकी ओर मुड़ा अउर परमेस्सर ओनका आसीबाँद देइ क कहेस।

15 तब राजा सुलैमान यहोवा स एक लम्बी पराथना किहस। उ जउन पराथना किहस उ इ अहइ:

“इस्राएल क यहोवा परमेस्सर क प्रसंसा करा। यहोवा मोर पिता दाऊद स जउन कछु प्रतिग्या किहस ओनका उ खुद पूरा किहस ह। यहवा मोरे बाप स कहेस,

16 मई अपने लोगन, इस्राएल क मिश्र स बाहेर लिआएउँ। लेकिन मई अबहिं तलक इस्राएल परिवार समूह स कउनो नगर क नाहीं चुनेउँ ह, कि मोका सम्मान देइ बरे मन्दिर-निर्माण करइ। अउर मई इस्राएलियन क नेता कउनो मनई क नाहीं चुनेस ह। किन्तु अब मई यरूसलेम क चुनेउँ ह जहाँ मई सम्मानित होत रहब अउर मई दाऊद क इस्राएली लोगन पइ हुकूमत करइ बरे चुनेउँ ह।”

17“मोर बाप दाऊद जियादा चाहत रहेन कि उ पचे यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर क सम्मान बरे मन्दिर बनावडै। 18किन्तु यहोवा मोर बाप दाऊद स कहेस, ‘मई जानत हउँ कि तू मोरे सम्मान बरे मन्दिर बनावड क प्रबल इच्छा रखत अहा अउर इ नीक अहइ कि तू मोर मन्दिर बनावड चाहत अहा। 19किन्तु तू उ मनई नाही अहा जेका मई मन्दिर बनावड बरे चुनेउँ ह। तोहार पूत मोर मन्दिर बनाई।’

20“इ तरह यहोवा जउन प्रतिग्या किहे रहा ओका पूरी कइ दिहेउँ ह। अब मई अपने बाप दाऊद क ठउरे पइ राजा अहउँ। अब मई यहोवा क प्रतिग्या क अनुसार इस्राएल क लोगन पइ सासन करत हउँ अउर मई यहोवा इस्राएल क परमेस्सर बरे मन्दिर बनावड ह। 21मई मन्दिर में एक ठउर पवित्तर सन्दूखे बरे बनावड ह। उ पवित्तर सन्दूखे में उ करार अहइ जउन वाचा यहोवा हमरे पुरखन क संग किहे रहा। यहोवा उ वाचा तब किहेस जब उ हमरे पुरखन क मिस्त्र स बाहेर लइ आवा रहा।”

22तब सुलैमान यहोवा क वेदी क समन्वा खड़ा भवा। सबहि लोग ओकरे समन्वा खड़े भएन। राजा सुलैमान अपने हाथन क अकासे कइती फइलाएस। 23उ कहेस,

“हे यहोवा इस्राएल क परमेस्सर तोहरे समान धरती पइ या अकास में कउनो दूसर परमेस्सर नाही अहइ। तू अपने लोगन क संग करार किहा अउर ओहमों कायम रहया। तू ओन लोगन क बरे दयालु अउर स्नेहपूर्ण रहा जउन तोहार अनुसरण आपन पूरा हिरदइ स करत हीं। 24तू अपने सेवक मोरे बाप दाऊद स, एक प्रतिग्या किहे रहया अउर तू उ पूरी किहा ह। तू उ प्रतिग्या खुद अपने मुँह स किहे रहया अउर तू अपनी महान सक्ती स उ प्रतिग्या क आज फुरइ घटित होइ दिहा ह। 25अब, यहोवा इस्राएल क परमेस्सर, ओन दूसर प्रतिग्यन क पूरा करा जउन तू अपने सेवक, मोर बाप दाऊद स किहे रहया। तू कहे रहया, ‘दाऊद जइसा तू किहा वइसे ही तोहार सन्तानन क मोर हुकुम क पालन होसियारी स करइ चाही। जदि उ पचे अइसा करिहीं तउ तोहरे परिवार क कउनो न कउनो मनई सदा इस्राएल क लोगन पइ सासन करी।’ 26अउर हे यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर, मई फुन तोहसे माँगत हउँ कि तू कृपा कइके मोरे बाप क संग कीन्ह गइ प्रतिग्या क पूरी करत रहा।

27“मुला परमेस्सर, का तू फुरइ इ पृथ्वी पइ हम लोगन क संग रहब्या? तोहका सारा आकास अउ सरग क उच्चतम ठउर भी धारण नाही कइ सकत्या? निहचइ ही इ मन्दिर भी, जेका मई बनावड ह, तोहका धारण नाही कइ सकत। 28मुला तू मोर पराथना अउ मोरे निवेदन पइ धियान द्या। मई तोहार सेवक हउँ अउर तू मोर यहोवा परमेस्सर अहा। इ पराथना क तू स्वीकार करा जेका आज मई तोहसे करत हउँ।

29बीते समइ में तू कहया रहा, ‘मोर हुवाँ सम्मान कीन्ह जाइ।’ एह बरे इ मन्दिर क देख-रेख दिन-रात करा। कृप्या कइके तू मोर, आपन सेवक क पराथना क सुन्या, जेका मई तोहसे इ मन्दिर में कहत हउँ। 30यहोवा, मई अउर तोहरे इस्राएल क लोग इ मन्दिर की ओर पराथना करिहीं। कृपा कइके एन पराथनन पइ धियान द्या। हम जानित ह कि

तू सरग में रहत ह। कृप्या कइके हुँवा स आपन सेवक क पराथना सुन्या अउर हम क छिमा कर्या।

31“जदि कउनो मनई कउनो दूसर मनई क खिलाफ कउनो अपराध करी तउ उ हिओँ तोहरी वेदी क लगे लिआवा जाइ। जदि उ मनई दोखी नाही अहइ तउ उ एक किरिया लेइ। उ किरिया लेइ कि उ निर्दोख अहइ। 32उ समइ तू सरग में सुना अउर उ मनई क संग निआव करा। जदि उ मनई अपराधी अहइ तउ कृपा कइके हम क दिखावा कि उ अपराधी अहइ। जदि उ मनई निरपराध अहइ तउ हमक दिखावा कि उ अपराधी नाही अहइ।

33“कबहुँ-कबहुँ तोहरे इस्राएल क लोग तोहरे खिलाफ पाप करिहीं अउर ओनकर दुस्मन ओनका हराइ देइहीं। तब लोग तोहरे लगे लउटिहीं अउर उ सबइ लोग इ मन्दिर में तोहार नाउँ क स्तुति करिहीं अउ तोहसे पराथना अउर निवेदन करइहीं। 34तउ मेहरबानी कइके सरग स ओनकर पराथना सुना। तब अपने इस्राएली लोगन क पापन क छिमा करा अउर ओनकर भुईया ओनका फुन स प्राप्त करइ द्या। तू इ भुईया ओनके पुरखन क दइ दिहे रहया।

35“कबहुँ-कबहुँ उ पचे तोहरे खिलाफ पाप करिहिं, अउर तू ओनकर भुईया पर बर्खा होब बन्द कइ देब्या। तब उ पचे इ ठउरे की ओर मुँह कइके पराथना करिहीं। अउर तोहरे नाउँ क स्मृति करिहीं। तू ओनका कस्ट सहइ देब्या अउर उ पचे अपने पापन वापिस घूमि जाइही। 36एह बरे मेहरबानी स सरग में ओनकर पराथना सुना। तब हम पचक्क हमरे पापन बरे छिमा करा। लोगन क सच्ची जिन्नगी जिअई क सिच्छा द्या। हे यहोवा तब कृपा कइके तू उ भुईया पई बर्खा करा जेका तू ओनका दिहा ह।

37“भुईया बहोत जियादा झुराइ सकत ह अउर ओह पइ कउनो अन्न उग नाही सकी। संभव अहइ लोगन में महामारी फइलइ। संभव अहइ सारा पइदा भवा अन्न कीइन मकोइन क जरिये बर्बाद कइ दीन्ह जाइ या तोहार लोग अपने कछू नगरन में अपने दुस्मनन क हमला क सिकार बनई या तोहार अनेक लोग बीमार पड़ि जाईं। 38जब एनमों स कछू भी घटित होइ, अउर एक भी मनइ अपने पापन बरे पछतावा करइ, अउर अपने हाथन क इ मन्दिर कइती पराथना में फइलावइ तउ 39मेहरबानी कइके ओकर पराथना सुना। ओकर पराथना क सुना, जब तू अपने निवास स्थान सरग में अहा। तब लोगन क छिमा करा अउर ओनकर मदद करा। सिरिफ तू इ जानत अहा कि मनई क हिरदय में का बाटइ? एह बरे हर एक क संग ओकर काम अउर उदेस क अनुसार निआव करा। 40इ एह बरे करा ताकि तोहार लोग तोहसे डेरई अउर तोहार सम्मान उ समइ तलक करई जब तलक उ पचे इ भुईया पइ रहई जेहका तू हमरे पुरखन क दिहे रहया।

41-42“दूसर जगहन क लोग तोहार महानता अउ तोहरी सक्ती क बारे में सुनिहीं। उ पचे बहोत दूर स इ मन्दिर में पराथना करइ अइहीं। 43मेहरबानी कइके आपन निवास स्थान, सरग स ओनकर पराथना सुना। मेहरबानी कइके तू उ सब कछू करा जेका दूसर जगहन क लोग तोहसे माँगत ही। तब उ सबइ लोग भी इस्राएली लोगन क तरह ही

तोहसे डेरइहीं अउर तोहार सम्मान करिहीं। तब सबहिं जगहन क लोगन इ जानिहीं कि मई इ मन्दिर क तोहका सम्मान देइ बरे बनाएँ ह।

44“कबहुँ-कबहुँ तू अपने लोगन क अपने दुस्मनन क खिलाफ जाइ अउर ओनसे जुद्ध करइ क आदेस देब्या। तब तोहार लोग तोहार चुने भए इ नगर अउर मोर बनाए भए मन्दिर की ओर अभिमुख होइहीं। जेका मई तोहरे सम्मान में बनाएँ ह अउर उ पचे तोहार पराथना करिहीं। 45उ समइ तू अपने निवास स्थान सरग स ओनकर पराथना क सुना अउर ओनकर मदद करा।

46“तोहार लोग तोहरे खिलाफ पाप करिहीं। मई एका एह बरे जानत हउँ काहेकि हर एक मनई पाप करत ह अउर तू अपने लोगन पइ कोहाब्या। तू ओनके दुस्मनन क ओनका हरावइ देब्या। ओनकर दुस्मन ओनका बंदी बनइहीं। अउर ओनका कउनो बहोत दूर क देस में लइ जइहीं। 47उ दूर क देस में तोहार लोग समुझिहीं कि का होइ गवा ह। उ पचे अपने पापन बरे पछतावा करिहीं अउर तोहसे पराथना करिहीं। उ पचे आप क समन्वा पराथना करिहीं अउर कहिहीं, ‘हम पाप अउ अपराध किहा ह।’ 48उ पचे उ दूर क देस में रहिहीं। किन्तु जदि उ पचे इ देस जेका तू ओनके पुरखन क दिहा अउर तोहार चुने नगर अउर इ मन्दिर जेका मई तोहरे सम्मान में बनाएँ ह। अउर अगर उ तोहरे पास पूरा हिरदय स लउटत ह, 49तउ तू मेहरबानी कइके ओकर पराथना अउर माँग क अपने निवास स्थान सरग स सुना अउर ओकरे उदेस क सहारा द्या। 50अपने लोगन क सबहिं पापन बरे छिमा कइ द्या अउर तू ओनका तोहार विरोध होइ बरे छिमा करा अउर कइके ओनके दुस्मनन क ओनके बरे दयालु बनावा। 51याद राखा कि उ पचे तोहरे लोग अहइँ, याद राखा कि तू ओनका मिस्त्र स बाहेर लिआया। इ वइसा ही रहा जइसा तू बरत भट्ठी स ओनका धइके हींच लिहे हवा।

52“यहोवा परमेस्सर, कृपा कइके मोर पराथना अउर अपने इस्त्राएली लोगन क पराथना सुना। ओनकर पराथना, जब कबहुँ उ पचे तोहार मदद करइ, सुना। 53तू ओनका पृथ्वी क सारे मनइयन में स अपन खास लोग होइ बरे चुन्या ह। यहोवा तू ओका हमरे बरे करइ क प्रतिग्या किहा ह। तू हमरे पुरखन क मिस्त्र स बाहेर लिआवत समइ इ प्रतिग्या अपने सेवक मूसा क माध्यम स किहे रह्या।”

54सुलैमान परमेस्सर स इ पराथना किहेस। उ वेदी क समन्वा अपने घुटनन क बल रहा। सुलैमान सरग कइँती भुजन उठाइके पराथना किहेस। तब सुलैमान पराथना पूरी किहेस अउर उ उठ खड़ा भवा। 55तब उ ऊँच आवाज में इस्त्राएल क सबहिं लोगन क आसीर्वाद देइ बरे परमेस्सर स याचना किहेस। सुलैमान कहेस:

56“यहोवा क स्तुति करा। उ प्रतिग्या किहेस, कि उ अपने इस्त्राएल क लोगन क आराम देइ अउर उ हम क आराम दिहेस। यहोवा अपने सेवक मूसा क उपयोग किहेस अउर इस्त्राएल क लोगन क बरे बहोत स नीक प्रतिग्या किहेस अउर यहोवा ओन हर एक प्रतिग्यन क पूरा किहेस ह। 57मई पराथना करत हउँ कि यहोवा, हमार परमेस्सर हम

लोगन क संग उहइ तरह होइ जइसे उ हमरे पुरखन क संग रहा। मई पराथना करत हउँ कि यहोवा हम क कबहुँ न तजी। 58मई पराथना करत हउँ कि हम ओकरी कइँती अभिमुख होब अउर ओकर अनुसरण करब। तब हम लोग ओकरे सबहिं नेमन, निर्णयन अउ आदेसन क पालन करब जेनका उ हमरे पुरखन क दिहेस। 59मई आसा करत हउँ कि यहोवा हमार परमेस्सर सदा ही इ पराथना क अउर जउने चिजियन क मई याचना किहेउँ ह, याद राखी। मई पराथना करत हउँ कि यहोवा अपने सेवक राजा अउर अपने लोग इस्त्राएल क बरे इ सबइ सब कछू करी। मई पराथना करत हउँ कि उ हर रोज इ करी। 60जदि यहोवा एन कामन क करी तउ संसार क सबहिं मनई इ जनिहीं कि मात्र यहोवा ही फुरइ परमेस्सर अहइ। 61ऐ लोगो, तू पचन्क यहोवा हमरे परमेस्सर क वफदार अउर ओकरे बरे सच्चा होइ चाही। तू पचन्क ओकरे सबहिं नेमन अउ आदेसन क हमेसा अनुसरण अउ पालन करइ चाही। जइसा कि अबहुँ करत ह।”

62तब राजा सुलैमान अउ ओकरे संग क इस्त्राएल क लोग यहोवा क बलि भेंट किहन। 63सुलैमान बाईस हजार गोरुअन अउ एक लाख बीस हजार भेड़िन क मारेस। इ सबइ मेलबलि बरे रहिन। इहइ मारग रही जेहसे राजा अउ इस्त्राएल क लोग यहोवा क मन्दिर क समर्पण किहन।

64उहइ दिन राजा सुलैमान मन्दिर क समन्वा क आँगन समर्पित किहेस। उ पचे होमबलि, अन्नबलि अउ मेलबलि क चर्बी क भेंट चढ़ाएस। उ इ एह बरे किहेस कि एन सारी भेंटन क धारण करइ बरे यहोवा क समन्वा क काँसा क वेदी बहोत जियादा नान्ह रही।

65इ तरह मन्दिर में राजा सुलैमान अउ इस्त्राएल क सारे लोग छुट्टी क पर्व मनाएन। सारा इस्त्राएल, उत्तर में हमात दर्रे स लइके दक्खिन में मिस्त्र क सीमा तलक हुवाँ मौजूद रहा। हुवाँ असंख्या लोग मौजूद रहेन। उ पचे सात दिना तलक यहोवा क संग मिलिके उत्सव मनाएन। तब उ पचे अगले सात दिनन तलक हुवाँ ठहरेन। उ पचे सब मिलिके चौदह दिनन तलक उत्सव मनाएन। 66अगले दिन सुलैमान लोगन स घरे जाइ क कहेस। सबहिं लोग राजा क धन्यवाद दिहन, बिदा लिहन अउर उ पचे घरे चले गएन। उ पचे खुस रहेन काहेकि यहोवा अपने सेवक दाऊ क बरे अउर इस्त्राएल क लोगन क बरे बहोत सारी नीक चिजियन किहे रहेन।

परमेस्सर सुलैमान क लगे फुन आवत ह

9 इ तरह सुलैमान यहोवा क मन्दिर अउर अपने महल क बनाउब पूरा किहेस। सुलैमान ओन सबहिं क बनाएस जेनकर निर्माण उ करइ चाहत रहा। 2तब यहोवा सुलैमान क समन्वा फुन वइसे ही परगट भवा जइसे उ एकरे पहिले गिबोन में भवा रहा। 3यहोवा ओहसे कहेस: “मई तोहार पराथना सुनेउँ। मई तोहरे निवेदन भी सुनेउँ, जउन तू मोहसे करवावइ चाहत रह्या। तू इ मन्दिर क बनाया अउर मई एँका एक पवित्र ठउर बनाएँउ ह। एह बरे हिआँ मोर सदा ही सम्मान होइ। मई एह पइ अपनी निगाह

रखब अउर एकरे बारे में सदा ही सोचत रहब। 4तोहका मोर सेवा वइसे ही करइ चाही जइसी तोहरे बाप दाऊद किहेस। उ एका मन क खराई अउ ईमानदारी स किहेस अउर तोहका मोरे नेमन अउर ओन आदेसन क पालन करइ चाही जेनका मई तोहका दिहेउँ ह।

5“जदि तू इ सब कछू करत रहब्या तउ मई इ निहचित लखब कि इस्त्राएल क राजा सदा ही तोहरे परिवार में स ही कउनो होइ। इहइ प्रतिग्या अहइ जेका मई तोहरे बाप दाऊद स कहे रहेउँ। मई ओहसे कहे रहेउँ कि इस्त्राएल पइ सदा ही ओकरे सन्तानन में स एक क सासन होइ।

6-7“मुला जदि तू या तोहार सन्तानन मोर अनुसरण करब तजत हीं, मोर दिए गए नेमन अउ आदेसन क पालन नाहीं करत हीं अउर दूसर देवता क सेवा करत अहीं तउ मई इस्त्राएल क उ देस तजइ क मजबूर करब जेका मई ओनका दिहेउँ ह। इस्त्राएल दूसर लोगन क बरे उदाहरण होइ अउर इस्त्राएल दूसर लोगन क मजाक क बिसय होइ। मई मन्दिर क पवित्र किहेउँ ह। इ उ जगह अहइ जहाँ लोग मोर सम्मान करत हीं। किन्तु जदि तू मोर आग्या क पालन नाहीं करत्या तउ एका मई बर्बाद कइ देब। 8इ मन्दिर बर्बाद कइ दीन्ह जाइ। हर एक मनई जउन एका लखी अचम्भ अउ हैरान होइ। उ पचे पूछिहीं, ‘यहोवा इ देस क बरे अउर इ मन्दिर क बरे ऐतना भंयकर बात काहे किहेस?’ 9दूसर लोग जवाब देइहीं, ‘इ एह बरे भवा कि उ पचे यहोवा अपने परमेस्सर क तजि दिहस। उ ओनके पुरखन क मिस्त्र स बाहेर लिआए रहा। मुला उ पचे दूसर देवतन क अनुसरण करइ क निहचइ किहेन। उ पचे ओन देवतन क सेवा अउ पूजा करब सरु किहन। इहइ कारण अहइ कि यहोवा ओनके बरे ऐतना खौफनाक कार्य किहस।’”

10यहोवा क मन्दिर अउ अपना महल बनावइ में सुलैमान क बीस बरिस लगन। 11बीस बरिस क पाछे, राजा सुलैमान सोर क राजा हीराम क गलील में बीस नगर दिहस। सुलैमान राजा हीराम क उ सबइ नगर दिहस काहेकि हीराम मन्दिर अउ महल बनावइ में सुलैमान क मदद किहेस। हीराम सुलैमान क ओतने सारे देवदारु अउर चीर बृच्छ तथा सोना दिहस जेतना उ चाहेस। 12एह बरे हीराम सोर स एन नगरन क लखइ बरे जात्रा किहस, जेनका सुलैमान ओका दिहस। जब हीराम ओन नगरन क लखेस तउ उ खुस नाहीं भवा। 13राजा हीराम कहेस, “जउन नगरन तू मोका दिहा ह उ सबइ का अहइ?” राजा हीराम उ पहेँटा क नाउँ काबूल प्रदेस धरेस अउर उ छेत्र आजु भी कबूल कहा जात ह। 14हीराम सुलैमान क लगे लग भग नौ हजार पौंड सोना मन्दिर क बनावइ में उपयोग करइ बरे पठए रहा।

15राजा सुलैमान दासन क अपने मन्दिर अउ महल बनावइ क बरे काम करइ क नाते मजबूर किहस। तब राजा सुलैमान एन दासन क उपयोग बहोत स चिजियन क बनावइ में किहस। उ मिल्लो बनावस। उ यरूसलेम नगर क चारिहूँ कइँती देवार भी बनावस। तब उ हासोर, मगिद्दो अउर गेजेर नगरन क फुन बनावस।

16बीते समइ में मिस्त्र क राजा गेजेर नगर क बिरूद्ध लड़ा रहा अउर ओका जराइ दीन्ह ग रहा। उ ओन कनानी

लोगन क मार डाएस जउन हुवाँ रहत रहेन। सुलैमान फिरौन क बिटिया स बियाह किहेस। एह बरे फिरौन उ नगर क सुलैमान क बरे बियाह क भेंट क रुप में दिहस। 17सुलैमान उ नगर क फुन बनावस। सुलैमान खाले बथोरेन नगर क भी बनावस। 18राजा सुलैमान जुदेन रेगिस्तान में बालात अउ तामार नगरन क भी बनावस। 19राजा सुलैमान उ सबइ नगर भी बनावस जहाँ उ अन्न अउर दूसर चिजियन क भण्डार करत रहत रहेन। उ अपने रथन अउ घोड़न क बरे जगह बनावस। सुलैमान दूसर बहोत स चिजियन बनावस जेनका उ यरूसलेम, लबानोन अउ अपने सासित दूसर सबहिं जगहन में चाहत रहा।

20देस में अइसे लोग भी रहेन जउन इस्त्राएली नाहीं रहेन। उ सबइ लोग एमोरी, हिती, परिज्जी, हिब्बी अउर यबूमी रहेन। 21किन्तु इस्त्राएली ओन लोगन क बर्बाद नाहीं कइ सके रहेन। किन्तु सुलैमान ओनका दास क रुप में अपने बरे काम करइ क मजबूर किहस। उ पचे अबहिं तलक दास अहइ। 22सुलैमान कउनो इस्त्राएली क अपना दास होइ बरे मजबूर नाहीं किहस। इस्त्राएल क लोग फउजी, राज कर्मचारी, अधिकारी, नायक अउर रथचालक रहेन।

23सुलैमान क परिजोजनन क साढ़े पाँच सौ पर्यवेच्छक रहेन। उ पचे मजदूरन क अधिकारी रहेन। 24फिरौन क बिटिया दाऊद क नगर स हुवाँ गइ जहाँ सुलैमान ओकेर बरे बिसाल महल बनावस। तब सुलैमान मिळों बनावस।

25हर बरिस तीन दाई सुलैमान होमबलि अउ मेलबलि वेदी पइ चढ़ावत रहा। इ उहइ वेदी रही जेका सुलैमान यहोवा बरे बनावे रहा। राजा सुलैमान यहोवा क समन्वा सुगन्धि भी बारत रहा। एह बरे मन्दिर क बरे जरूरी चिजियन दिया करत रहा। 26राजा सुलैमान एस्योन गेबेर में जहाज भी बनावस। इ नगर एदोम पहेँटा में लाल सागर क किनारे एलोत क लगे रहा। 27राजा हीराम क लगे नाविक रहेन जउन समुदर क बारे में बढ़िया गियान रखत रहेन। राजा हीराम ओन मनइयन क सुलैमान क नाविक बेड़ा में सुलैमान क मनइयन क संग सेवा करइ बरे पठएस। 28सुलैमान क जहाज ओपोर क गाएन। उ सबइ जहाज एकतीस हजार पाँच सौ पौण्ड सोना आपोर स सुलैमान क बरे लइके लउटेन।

सीबा क रानी सुलैमान स मिलइ आवत ह

10 सीबा क रानी सुलैमान क बारे में सुनेस। एह बरे उ कठिन सवालन स ओकर परीच्छा लेइ आइ। 2उ सेवकन क बिसाल गिनती क संग यरूसलेम क जात्रा किहस। अनेक ऊँट मसालन, रतन अउ बहोत सा सोना ढोवत रहेन। उ सुलैमान स मिली अउर उ ओन सब सवालन क पूछेस जेनका उ सोच सकत रही। 3सुलैमान सबहिं सवालन क जवाब दिहेस। ओकर कउनो भी सवाल ओका जवाब देइ बरे बहोत जियादा कठिन नाहीं रहा। 4सीबा क रानी समुझ लिहस कि सुलैमान बहोत बुद्धिमान अहइ। उ उ सुन्नर महल क भी लखेस जेका उ बनावे रहा। 5रानी राजा क मेज पइ भोजन भी लखेस। उ ओकरे अधिकारियन

क एक संग मिलत लखेस। उ महल क सेवकन अउर पिलाइवालन जउन अच्छे ओढ़नन क पहिर रखे रहा ओनका भी लखेस। उ ओकर दावतन अउर उ भेंटन क लखेस जउन उ यहोवा क मन्दिर में चढ़ाएस रहा। ओन सबहिं चिजियन असल में ओका चकित कइ दिहन। 'मानो ओकर मुँह क बोली बन्द होइ गवा!'

6एह बरे रानी राजा स कहेस, "मई अपने देस में आप क बुद्धिमानी अउ बहोत सी बातन क बारे में सुनेउँ जउन आप किहन। उ सबइ सबहिं बातन फुरइ अहई। 7मई एन बातन में तब तलक नाही पतियात जब तलक मई हिओँ नाही आइ अउर एन चिजियन क अपनी आँखियन स नाही लखेउँ। अब मई लखत हउँ कि मोका एकर आधा भी नाही कहा गवा रहा। जेतना मोका लोग कहे रहा तोहार बुद्धिमता अउ सम्पति ओहसे बहोत जियादा अहइ। 8आप क मेहररुअन अउ आप क अधिकारी बहोत भाग्साली अहई। उ पचे रोजाना आप क सेवा कइ सकत हीं अउर आपका बुद्धिमता स भरी बातन सुन सकत हीं। 9आप क यहोवा परमेस्सर स्तुति जोगगा अहइ। उ तोहका इस्त्राएल क राजा बनावइ में खुस भइ रहा। यहोवा परमेस्सर इस्त्राएल स हमेसा पिरेम करत ह। एह बरे उ आप क राजा बनावस। आप नेमन क अनुसरण करत हीं अउर लोगन क संग निआव स भरा बेउहार करत हीं।"

10तब सीबा क रानी राजा क लगभग नौ हजार पौण्ड सोना दिहेन। उ ओका अनेक मसालन अउ रतन भी दिहस। जेतना मसाला पहिले कबहुँ कउनो इस्त्राएल क लिआइके दिहे रहा। सीबा क रानी ओहसे जियादा मसालन सुलैमान क दिहस।

11हीराम क जहान ओपोर स सोना लइ आएन। उ सबइ जहाज बहोत जियादा लकड़ी अउ रतन भी लिआएन। 12सुलैमान लकड़ी क उपयोग मन्दिर अउ महल क सम्भारइ बरे किहस। उ लकड़ी क उपयोग गायकन क बरे वीणन अउ बाँसुरियन बनावइ में भी किहेस। दूसर कउनो भी मनई उ तरह क लकड़ी इस्त्राएल में कबहुँ नाही लिआवा, अउर कउनो भी मनई तब स उ प्रकार क लकड़ी नाही लखेस।

13तब राजा सुलैमान सीबा क रानी क उ सबइ भेंटन दिहस जउन कउनो कउनो दूसर देस क सासक क सदा ही देत ह। तब उ ओका सब कछू दिहस जउन कछू भी उ माँगस। एकरे पाछे रानी सेवकन सहित अपने देस क वापस लउट गइ।

14राजा सुलैमान हर बरिस लगभग उन्नासी हजार नौ सौ बीस पौण्ड सोना प्राप्त करत रहा। 15बइपार क जहाजन स सोना लिआए जाइ क अलावा उ वाषिक, बइपारियन अउ अरब क राजा लोग अउ देस क प्रसासकन क भी सोना प्राप्त किहन।

16राजा सुलैमान दुइ सौ बड़की ढारन पीटा भवा सोना स बनावस। हर एक ढार में लगभग पन्द्रह पौण्ड सोना लगा रहा। 17उ पीटा भवा सोना स तीन सौ नान्ह ढारन भी बनावस। हर एक ढार में लगभग चार पौण्ड सोना लगा रहेन। राजा ओनका उ भवन में धरेस जेका "लबानोन क वन" कहा जात रहा।

18राजा सुलैमान एक ठु बिसाल हाथी दाँत क सिंहासन भी बनावस। उ ओका निखालिस सोना स मढ़ेस। 19सिंहासने पइ पहोंचइ बरे ओहमाँ छः पैड़ियन रहिन। सिंहासन क पिछला भाग सिरे पइ गोल रहा। कुर्सी क दुइनउँ कइँती हत्थन अउर कुर्सी क बगल लगे रहेन, अउ कर्सी क दुइनउँ हत्थन क खाले सिंहन क मूर्ती बनी रहिन। 20छः पैड़ियन में स हर एक पइ दुइ सिंह रहेन। हर एक क सिरे पइ एक सेर रहा। कउनो भी दूसर राज्ज में इ तरह क कछू भी नाही रहा। 21सुलैमान क सबहिं पियालन अउ मग सोना क बने रहेन। सबहिं बरतन "लबानोन क वन" नाउँ क भवन में रखा रहेन उ सबइ भी निखालिस सोना क बने रहेन। हुवाँ महल में कछू भी चाँदी क नाही बना रहा। सुलैमान क समइ में सोना ऐतना जियादा रहा कि लोग चाँदी क महत्वपूर्ण नाही समुझत रहेन।

22राजा क लगे बहोत स बइपार क जहाज भी रहेन जेनका उ दूसर देसन स चिजियन क बइपार करइ बरे बाहरे पठवत रहा। इ सबइ जहाज हीराम क जहाज क संग जात्रा करत रहेन। हर तीसरे बरिस जहाज सोना, चाँदी, हाथी दाँत अउ गोरु लिआवत रहेन।

23सुलैमान भुईँया पइ महानतम राजा रहा। उ सबहिं राजा लोगन स जियादा धनवान अउ बुद्धिमान रहा। 24सर्वत्र लोग राजा सुलैमान क लखइ चाहत रहेन। उ पचे परमेस्सर क जरिये दीन्ह गइ ओकर बुद्धिमानी क बात सुनइ चाहत रहेन। 25हर बरिस लोग राजा क दर्सन करइ आवत रहेन अउ हर मनई भेंट लिआवत रहा। उ पचे सोना, चाँदी, ओढ़नन, अस्त्र-सस्त्र, मसालन, घोड़न अउ खच्चरन लिआवत रहेन।

26एह बरे सुलैमान क लगे अनेक रथ अउर घोड़न रहेन। ओकरे पास चौदह सौ रथ अउर बारह हजार घोड़न रहेन। सुलैमान एन रथन क बरे बिसेस नगरन बनावस। राजा सुलैमान इ नगरन में कछू रथन राखेन अउर कछू क अपने लगे यरूसलेम में भी रखेस। 27राजा इस्त्राएल क बहोत सम्पन्न बनावइ दिहस। यरूसलेम नगर में चाँदी ऐतनी साधारण रही जेतनी चट्टानन, देवदारु क लकड़ी अउ पहाड़न पइ उगाइवाले असंख्य अंजीर क बृच्छ साधारण रहेन। 28सुलैमान घोड़न क मिस्त्र अउ कुए स मँगाएस। ओकरे बइपारी ओनका कुए में खरीदेस रहेन अउर ओनका इस्त्राएल लिआवत रहेन। 29मिस्त्र क एक ठु रथ क कीमत लगभग पन्द्रह सौ पौण्ड चाँदी रही अउर एक ठु घोड़े क कीमत पौने चार पौण्ड चाँदी रही। सुलैमान घोड़न अउर रथ हित्ती अउ अरामी राजा लोगन क हाथ बेचत रहा।

सुलैमान अउ ओकर बहोत स मेहररुअन

11 राजा सुलैमान बहोत सारे गैर इस्त्राएली मेहररुअन स पिरेम किहे रहा। एनमाँ फिरौन क बिटिया, हित्ति, मोआबी, अम्मोनी, एदोमी अउर सीदोनी मेहररुअन रहिन। 2बीते समइ में यहोवा इस्त्राएल क लोगन स कहे रहा, "तोहका दूसर रास्ट्रन क मेहररुअन स बियाह नाही करइ चाही। जदि तू अइसा करब्या तउ उ सबइ लोग तोहार हिरदय क आपन देवतन क अनुसरण करइ बरे फिराइ लेइ।" किन्तु सुलैमान ओन मेहररुअन क पिरेम पासा में

पड़ा। 3सुलैमान क सात सौ पत्नियन रहिन। (इ सबइ राजकुमारी रहिन।) ओकरे पास तीन सौ दासियन भी रहिन, जउन ओकर रखैल रहिन। ओकरी पत्नियन ओकरे हिरदय क परमेस्सर स दूर हटाइ दिहेन। 4जब सुलैमान बुढ़वा भवा तउ ओकर पत्नियन ओहसे दूसर देवतन क अनुसरण करइ बरे मज़बूर किहेन। सुलैमान पूरी हिरदय स यहोवा क अनुसरण नाहीं किहेस जउने तरह ओकर बाप दाऊद किहे रहा। 5सुलैमान सीदोन क देवी, असतोरेत क पूजा किहस। उ अम्मोनियन क भयानक देवमूरति, मिलकोम क भी पूजा किहेन। 6इ तरह सुलैमान यहोवा क बरे अपराध किहस। सुलैमान यहोवा क अनुसरण पूरी तरह उहइ प्रकार नाहीं किहस जउने प्रकार ओकर बाप दाऊद किहे रहा।

7सुलैमान कमोस क पूजा बरे ऊँच ठउर बनाएस। कमोस मोआबी लोगन क भयानक देवमूरति रही। सुलैमान कामोस क ऊँच ठउर क यरूसलेम क अगली पहाड़ी पड़ बनवाएस। सुलैमान उहइ पहाड़ी पड़ मोलेक क ऊँच ठउर भी बनाएस। मोलेक अम्मोनी लोगन क भयानक देवमूरति रही। 8तब सुलैमान दूसर देसन क अपनी सबहिं मेहररुअन क बरे उहइ किहस। ओकर मेहररुअन सुगन्धि बारत रहिन अउर अपने देवतन क बलि भेंट करत रहिन।

9सुलैमान यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर क अनुसरण करइ स दूर हट गवा। ओकरे पाछे यहोवा सुलैमान क लगे दुइ दाई प्रगट भवा रहा। एह बरे यहोवा सुलैमान पड़ कोहाइ गवा। 10यहोवा सुलैमान स कहेस कि तोहका दूसर देवतन क अनुसरण नाहीं करइ चाही। किन्तु सुलैमान यहोवा क आदेस क पालन नाहीं किहस। 11एह बरे यहोवा सुलैमान स कहेस, “तू मोरे सँग कीन्ह गइ आपन करार क तोड़ब पसन्द किहा ह। तू मोरे आदेसन क पालन नाहीं किहा ह। एह बरे मई प्रतिग्या करत हउँ कि मई तोहसे तोहार राज्ज लइ लेब। मई प्रतिग्या करत हउँ कि मई तोहसे तोहार राज्ज धोर लेब। मई एका तोहरे सेवकन में स एक क देब। 12मुला मई तोहरे बाप दाऊद स पिरेम करत रहेउँ। एह बरे जब तलक तू जिअत अहा तब तलक मई तोहार राज्ज नाहीं लेब। मई तब तलक प्रतीच्छा करब जब तलक तोहार पूत राजा नाहीं बन जात। तब मई ओहसे एका लेब। 13तउ भी मई तोहरे पूत स सारा राज्ज नाहीं लेब। मई ओका एक परिवार समूह पड़ हुकूमत करइ देब। इ मई दाऊद बरे करब। उ एक ठु नीक सेवक रहा। अउर इ मई अपने चुने भए नगर यरूसलेम बरे भी करब।”

सुलैमान क दुस्मन

14उ समइ यहोवा एदोमी हद क सुलैमान क दुस्मन बनाएस। हद एदोम क राजा परिवार क रहा। 15इ इ तरह घटित भवा। कुछ समइ पहिले दाऊद एदोम क हराएस। योआब दाऊद क सेना क सेनापति रहा। योआब एदोम में मरे मनइयन क दफनावइ गवा। तब योआब हुवाँ जिअत सबहिं मनइयन क मार डाएस। 16योआब अउ सारे इस्राएली एदोम में छः महीने तलक ठहरेन। उ समइ क बीच उ पचे एदोम क सबहिं मनइयन क मार डाएन। 17मुला उ समइ

हदोद अबहिं एक ठु किसोर ही रहा। एह बरे हद मिस्त्र क पराइ निकरा। ओकरे बाप क कछू सेवक ओकरे संग गाएन। 18उ पचे मिद्यान क तजेन अउर उ पचे परान क गाएन। हुवाँ दूसर लोग भी ओकरे संग सामिल भएन। अउर पूरा समूह मिस्त्र गाएन। उ पचे मिस्त्र क राजा फिरौन क लगे गाएन अउर ओहसे मदद माँगैन। फिरौन हद क एक ठु घर अउर कछू भुइँया दिहस। फिरौन ओका मदद भी दिहस अउर ओका खाइ क बरे भोजन भी दिहस।

19फिरौन हद क बहोत पसन्द किहस यह बरे उ ओका एक ठु पत्नी भी दिहस। मेहरारु फिरौन क पत्नी तहपनेस क बहिन रहिन। 20एह बरे तहपनेस क बहन हद स बीही गइ। ओकर एक ठु पूत गनूबत नाउँ क भवा। रानी तहपनेस गनूबत क अपने बच्चन क संग फिरौन क महल में बड़ा होइ दिहस।

21मिस्त्र में हद सुनेस कि दाऊद मर गवा। उ इ भी सुनेस कि सेनापित योआब मर गवा। एह बरे हद फिरौन स कहेस, “मोका अपने देस में अपने घर वापस लउट जाइ द्या।”

22किन्तु फिरौन जवाब दिहस, “मइ तोहका सारी चीच, जेनकर हिआँ जरुरत अहइ, दीन्ह ह। तू अपने देस में वापस काहे जाइ चाहत अहा?”

हद जवाब दिहस, “मेहरबानी कइके मोका घरे लउटइ द्या।”

23यहोवा दूसरे मनई क भी सुलैमान क खिलाफ दुस्मन बनाएस। इ मनई एल्यादा क पूत रजोन रहा। रजोन अपने सुआमी क हिआँ स पराइ गवा रहा। ओकर सुआमी सोबा क राजा हददेजेर रहा।

24दाऊद जब सोबा क सेना क हराइ दिहस तब ओकरे पाछे रजोन कछू मनइयन क बटोरैस अउर एक ठु नान्ह सेना क प्रमुख बन गवा। रजोन दमिस्क गवा अउर हुवईँ ठहरा। रजोन दमिस्क क राजा होइ गवा। 25रजोन अराम पड़ हुकूमत करत रहा। रजोन इस्राएल स घिना करत रहा, एह बरे सुलैमान जब तलक जिअत रहा उ पूरे समइ इस्राएल क दुस्मन बना रहा। रजोन अउ हद इस्राएल बरे बड़की परेसानियन पइदा किहिन।

26नबात क पूत यारोबाम सुलैमान क सेवकन में स एक रहा। यारोबाम एप्रैम परिवार समूह स रहा। उ सरेदा नगर क रहा। यारोबाम क महतारी क नाउँ सरुयाह रहा। ओकर बाप मर चुका रहा। उ राजा क खिलाफ होइ गवा।

27यारोबाम राजा क खिलाफ कइसे भवा। एकर कहानी इ अहइ। सुलैमान मिल्लो बनावत रहा अउर आपन बाप दाऊद क नगर क देवार क मजबूत करत रहा। 28यारोबाम एक ठु बलवान मनई रहा। सुलैमान लखेस कि इ जवान एक ठु नीक स्त्रमिक अहइ। एह बरे सुलैमान ओका यूसुफ परिवार समूह क स्त्रमिकन क अधिकारी बनाइ दिहस। 29एक दिन यारोबाम यरूसलेम क बाहेर जात्रा करत रहा। सीलो क अहिय्याह नबी ओहसे सड़किया पड़ मिला। अहिय्याह एक ठु नवा अंगरखा पहिरे रहा। इ दुइनउँ मनई देस में अकेले रहिन। 30अहिय्याह आपन नवा अंगरखा लिहस अउर एका बाहर टूकन में फार डाएस।

31तब अहिय्याह यारोबाम स कहेस, “इ अंगरखा क दस टूकन तू अपने बरे लइ ल्या। यहोवा इस्त्राएल क परमेस्सर कहत ह, ‘मई सुलैमान स राज क छीन लेब अउर मई परिवार समूहन में स दस क तोहका देब। 32अउर मई दाऊद क परिवार क सिरिफ एक परिवार समूह पइ हुकूमत करइ देब। मई ओनका सिरिफ इ समूह क लेइ देब। मई इ अपने दाऊद अउ यरूसलेम बरे अइसा करइ देब। यरूसलेम उ नगर अहइ जेका मई सारे इस्त्राएल के परिवार समूह स चुनेउँ ह। 33मई सुलैमान स राज लइ लेब काहेकि उ मोर अनुसरण करब तजि दिहस। उ सीदानी देवमूर्ति अस्तोरेत, मोआबी देवता क मोस अउ अम्मोनी देवता मिल्कोम क पूजा करत ह। सुलैमान उ नाहीं करत ह जउन मोरे नजर में नीक अहइ। उ मोरे नेमन अउ आदेसन क पालन नाहीं करत। उ उ मारग में नाहीं रहत जेह पइ ओकर बाप दाऊद रहत रहा।

34एह बरे मई राज क सुलैमान क परिवार स लइ लेब। किन्तु मई सुलैमान क ओकरे बाकी जिन्नगी भइ ओनकर सासक रहइ देब। इ मई अपने सेवक दाऊद बरे करब। मई दाऊद क एह बरे चुने रहेउँ कि उ मोर सबहिं आदेसन व नेमन क पालन करत रहा। 35मुला मई ओकरे पूत स राज लइ लेब। अउर मई तोहका दस परिवार समूहन पइ हुकूमत करइ क अनुमति देब। 36मई सुलैमान क पूत क एक परिवार समूह पइ हुकूमत करत भए रहइ देब। मई एका एह बरे करब कि मोर सेवक दाऊद क हुकूमत यरूसलेम में मोर समन्वा सदा ही रही। यरूसलेम उ नगर अहइ जेका मई आपन निजी नगर चुनेउँ ह।

37मुला मई तोहका ओन सबहिं पइ हुकूमत करइ देब जेका तू चाहत अहा। तू पूरे इस्त्राएल पइ हुकूमत करब्या। 38अगर तू उ करब्या जेका मई आदेस दिहेउँ ह अउर तू सच्चाई क संग रहब्या अउर अउर तू मोरे सारे नेमन अउ आदेसन क पालन करब्या जइसा मोर सेवक दाऊद किहे रहा, तउ मई तोहरे संग रहब। मई तोहरे परिवार क राजा लोगन क परिवार वइसे ही बनाइ देब जइसे मई दाऊद क बनाएउँ। मई तोहका इस्त्राएल देब।

39मई दाऊद क सन्तानन क ओकर सजा देब जउन सुलैमान किहस। किन्तु मई हमेसा क बरे ओनका सजा नाहीं देब।”

सुलैमान क मउत

40सुलैमान यारोबाम क मार डवइ क जतन किहस। मुला यारोबाम मिस्त्र पराइ गवा। उ मिस्त्र क राजा सीसक क लगे गवा। यारोबाम हुँवा सुलैमान क मरि तलक रहा।

41सुलैमान अपने सासन-काल में बहोत बड़के अउर बुद्धिमानी स पूर्ण काम किहस। जेनकर विवरण “सुलैमान क इतिहास-ग्रन्थ” में लिखा अहइ। 42सुलैमान यरूसलेम में पूरे इस्त्राएल पइ चालीस बरिस तलक हुकूमत किहस। 43तब सुलैमान मरा अउ अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। उ अपने बाप क दाऊद नगर में दफनावा गवा, अउर ओकर पूत रहुबियाम ओकरे जगह पइ राजा बना।

गृह जुद्ध

12 1-2नबात क पूत यारोबाम तबउ मिस्त्र में रहा, जहाँ उ सुलैमान स भागके पहुँचा रहा। जब उ सुलैमान क मउत क खबर सुनेस तउ उ एप्रैम क पहाड़ियन में अपने जेरदा नगर में वापस लउट आवा।

राजा सुलैमान मरा अउर अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। ओकर पाछे ओकर पूत रहुबियाम नवा राजा बना। इस्त्राएल क सबहिं लोग सकेम गएन। उ पचे रहुबियाम का राजा बनावइ गएन। रहुबियाम भी राजा बनइ बरे सकेम गवा। लोग रहुबियाम स कहेन, 4“तोहार बाप हम लोगन क बहोत कठोर मेहनत करइ बरे मजबूर किहस। अब तू एका हम लोगन बरे कछू सरल करा। उ कठिन काम क बन्द करा जेका करइ बरे तोहार बाप हम क मजबूर किहसे ह। तब हम तोहार सेवा करब।”

5रहुबियाम जवाब दिहस, “तीन दिन में मोरे लगे वापस लउटके आवा अउर मई जवाब देब।” एह बरे लोग चले गएन।

6कछू अग्रज लोग रहेन जउन सुलैमान क जिअत रहत ओकरे निर्णय करइ में मदद करत रहेन। एह बरे राजा रहुबियाम एन मनइयन स पूछेस कि ओका का करइ चाही। उ कहेस, “आप लोग क सोचत हीं, मोका एन लोगन क जवाब देइ चाही?”

7अग्रज लोग जवाब दिहन, “जदि आजु तू ओनके सेवक क तरह रहब्या अउर ओनका सेवा करब्या अउर जदि तू दयापूर्वक ओनसे बातन करब्या तब उ पचे तोहार सदा सेवा करिही।”

8मुला रहुबियाम ओनकर इ सलाह नाहीं मानेस। उ ओन नउजवानन स सलाह लिहस जउन ओकर मीत रहेन। 9रहुबियाम कहेस, “लोग इ कहत हीं, ‘हम क ओहसे सरल काम दया जउन तोहार बाप दिहे रहा।’ तू का सोचत ह, मोका लोगन क कइसे जवाब देइ चाही? मई ओनसे का कहउँ?”

10राजा क जवान सलाहकारन ओन स कहेस, “उ सबइ लोग तोहरे लगे आएन अउर उ पचे कहेन, ‘तोहार बाप हम क कठिन मेहनत करइ बरे मजबूर किहस। अब हम लोगन क काम सरल करई।’ एह बरे तोहका ओनसे कहइ चाही, ‘मोर नान्ह उँगरी मोरे बाप क पूरे तने स जियादा सक्तीसाली अहइ। 11मोर बाप तोहका कठिन मेहनत करइ क मजबूर किहस। किन्तु मई ओहसे भी बहोत कठिन काम कराउब। मोर बाप तोहसे काम लेइ बरे कोड़न क उपयोग किहे रहा। मई तोहका बिच्छू* स पीटब।”

12रहुबियाम लोगन स कहे रहा, “तीन दिन में मोरे लगे वापस आवा।” एह बरे तीन दिन पाछे इस्त्राएल क सबहिं लोग रहुबियाम क लगे लउटेन। 13उ समइ राजा रहुबियाम ओनसे कठोर सब्द कहेस। उ अग्रजन क सलाह न मानेस। 14उ उहइ किहस जउन ओकर जवान सलाहकारन कइ क सलाह दिहस। उ कहेस, “मोर बाप तोहका कठिन मेहनत करइ क मजबूर किहस। एह बरे मई तोहका अउर जियादा काम देब। मोर बाप तोहका कोड़ा स पीटेस। किन्तु मई

बिच्छू अइसा किरवा जेकर सिरा लोहा क होत ह।

तोहका बिच्छू स पीटबा।” 15एह बरे राजा उ नाहीं किहस जेका लोग चाहत रहेन। यहोवा अइसा होइ दिहस। यहोवा इ आपन उ प्रतिग्या क पूरा करइ बरे किहस जउन उ नाबात क पूत यारोबाम क संग किहे रहा। यहोवा अहिय्याह नबी क उपयोग इ प्रतिग्या करइ बरे किहे रहा। अहिय्याह सीलो क रहा।

16इस्त्राएल क सबहिं लोग समुझ लिहन कि नवा राजा ओनकर बात अनसुनी कइ दिहस ह। एह बरे लोग राजा स कहेन, “का हम दाऊद क परिवार क अंग अही? नाहीं। का हम क यिसै क कउनो भुईया मिला अहइ? नाहीं। एह बरे इस्त्राएलियन हम अपने घर चलई। दाऊद क पूत क अपने लोगन पइ हुकूमत करइ द्या।” एह बरे इस्त्राएल क लोग अपने घरे वापस गएन। 17मुला रहूबियाम फुन भी ओन इस्त्राएलियन पइ हुकूमत करइ जारी रखत रहा, जउन यहूदा क नगर में रहत रहेन।

18अदोराम नाउँ क एक ठु मनई सब स्रमिकन क अधिकारी रहा। राजा रहूबियाम अदोराम क लोगन स बातचीत करइ बरे पठएस। किन्तु इस्त्राएल क लोग ओह पइ तब तलक पाथर बरसाएन जब तलक उ नाहीं मर गवा। तब राजा रहूबियाम अपने रथे तलक दउड़ा अउर यरूसलेम क पराइ निकरा। 19इ तरह इस्त्राएल दाऊद क परिवार स विद्रोह कइ दिहस अउर उ पचे अबहुँ भी आजु तलक दाऊद क परिवार क खिलाफ अहई।

20इस्त्राएल क सबहिं लोग सुनेन कि यारोबाम वापस लउट आवा ह। एह बरे उ पचे एक सभा में न्यौतेन अउर ओका पूरे इस्त्राएल क राजा बनाइ दिहन। सिरिफ यहूदा क परिवार समूह ही एक मात्र परिवार समूह रहा जउन दाऊद क परिवार क अनुसरण करत रहा।

21रहूबियाम यरूसलेम क वापस गवा। उ यहूदा क परिवार समूह अउ बिन्यामीन क परिवार समूह क बटोरस। इ एक लाख अस्सी हजार मनइयन क फउज रही। रहूबियाम इस्त्राएल क लोगन क खिलाफ जुद्ध लड़इ चाहत रहा। उ अपने राज्ज क वापस लेइ चाहत रहा।

22किन्तु यहोवा परमेस्सर क एक मनई स बातन किहस। ओकर नाउँ समायाह रहा। यहोवाह कहेस, 23“यहूदा क राजा, सुलेमान क पूत, रहूबियाम अउ यहूदा अउ बिन्यामीन क सबहिं लोगन अउर बाकी सबहिं लोगन स बात करा। 24ओनसे कहा, ‘यहोवा कहत ह कि तू पचन्क अपने भाइयन इस्त्राएल क लोगन क खिलाफ जुद्ध में नाहीं जाइ चाही। तू पचन्क घरे लउटि जाइ चाही। मई एन सबहिं घटनन क घटित होइ दिहेउँ ह।’” एह बरे रहूबियाम क सेना के मनइयन यहोवा क आदेस मानेन। उ पचे, सबहिं अपने घरे लउटि गएन।

25सकेम, एप्रैम क पहाड़ी प्रदेश में एक नगर रहा। यारोबाम सकेम क एक सुदृढ़ नगर बनाएस अउर ओहमाँ रहइ लाग। एकरे पाछे उ पनूएल नगर क गवा अउर ओका भी सुदृढ़ किहस।

26यारोबाम अपने मने में सोचेस, “राज फिर स दाऊद क परिवार क लगे वापस जाइ सकत ह। 27जदि लोग यरूसलेम में यहोवा क मन्दिर में बलि चढ़ाइ बरे जात जारी

रखेन तउ होइ सकत ह कि उ पचे इ चाही हीं दाऊद क परिवार ओन लोगन पइ सासन करा। होइ सकत ह कि लोग फुन यहूदा क राजा रहूबियाम क अनुसरण करब सुरु कइ देइहीं। तब उ पचे मोका मार डइहीं।” 28एह बरे राजा अपने सलाहकारन स पूछेस कि ओका का करइ चाही? उ पचे ओका आपन सलाह दिहन। एह बरे यारोबाम दुइ ठु सुनहरे बछवन बनाएस। राजा यारोबाम लोगन स कहेस, “तोहका उपासना करइ बरे यरूसलेम जाइ बंद कइ देइ चाही। इस्त्राएलियन, इ सबइ देवता अहई जउन तू पचन्क मिस्र स बाहेर लइ आएन।” 29राजा यारोबाम एक ठु सुनहरा बछवा क बतेल में रखेस। उ दूसर सुनहरे बछवा क दान में रखेस। 30किन्तु इ बहोत संगीन पाप होइ गवा। इस्त्राएल क लोग बतेल अउ दान नगरन क जात्रा बछवन क पूजा करइ बरे किहन।

31यारोबाम ऊँच जगहन, पइ पूजा घर भी बनाएस। उ इस्त्राएल क अलग अलग परिवार समूहन स याजक भी चुनेस। (उ सिरिफ लेवी परिवार समूह स याजक नाहीं चुनेस।) 32अउर राजा यारोबाम एक ठु नवा पर्व सुरु किहस। इ पर्व यहूदा क “फसहपर्व” क तरह रहा। किन्तु इ पर्व अठएँ महीने क पन्द्रहवे दिन रहा। पहिले महीने क पन्द्रहवे दिन नाहीं। उ समइ राजा बतेल नगर क वेदी पइ बलि भेंट करत रहा अउर उ बलि ओन बछवन क भेंट करत रहा जेनका उ बनवाए रहा। उ बतेल में याजकन क भी ऊँची जगह पइ सेवा करइ बरे जेका उ बनवाए रहा चुनेस। 33एह बरे राजा यारोबाम इस्त्राएलियन क खातिर पर्व बरे अपना ही समइ चुनेस। इ अठएँ महीने क पन्द्रहवाँ दिन रहा। ओन दिनन उ उ वेदी पइ बलि भेंट करत रहा अउर सुगन्धि भारत रहा जेका उ बतेल नगर में बनाए रहा।

परमेस्सर बतेल क खिलाफ घोसणा करत ह

13 यहोवा यहूदा क निवासी, परमेस्सर क एक मनई क बतेल नगर में जाइ का आदेस दिहस। राजा यारोबाम उ समइ सुगन्धि भेंट करत भवा वेदी क लगे खड़ा रहा जउने समइ परमेस्सर क मनई हुवाँ पहेँचा। 2यहोवा उ समइ परमेस्सर क मनई क आदेस दिहस कि तू वेदी क खिलाफ बोल्यो। उ कहेस, “वेदी, यहोवा तोहसे कहत ह: ‘दाऊद क परिवार में एक पूत योसिय्याह नाउँ क पइदा होइ। इ सबइ याजक अब ऊँच जगहन पइ पूजा करत अहई। किन्तु वेदी, योसिय्याह ओन याजकन क तोह पइ रखी अउर उ ओनका मार डाइ। अब उ सबइ याजक तोह पइ सुगन्धि भारत हीं। किन्तु योसिय्याह तोह पइ नर-अस्थियन क बारी। तब तोहार उपयोग दुबारा नाहीं होइ सकी।’”

3परमेस्सर क मनई लोगन क नबुवत वाली प्रमाण दिहस कि इ सब घटित होइ। उ कहेस, “यहोवा जेकरे बारे में मोहसे कहेस ह ओकर प्रमाण इ अहइ। यहोवा कहेस, ‘इ वेदी टूकन टूकन में टूट जाइ अउर एकर राख जमीन पइ गिर पड़ी।’”

4राजा यारोबाम परमेस्सर क मनई स बतेल में वेदी क बरे दीन्ह सँदिसा सुनेस। उ वेदी स हाथ हींच लिहसे अउर मनई कइँती सकत किहस। उ कहेस, “इ मनई क बन्दी

बनाइ ल्या।" मुला राजा जब इ कहेस तउ ओकरे हाथे क लगवा मार गवा। उ ओका हलाइ नाहीं सका। 5वेदी क टूका-टूका होइ गएन। ओकर सारी राख भुईया पइ गिर पड़ी। इ प्रमाण रहा जउन कि परमेस्सर क मनई लोगन क दिहस। इ साबित किहस कि इ वचन परमेस्सर क तरफ स रहा। 6तब राजा यारोबाम परमेस्सर क मनई स कहेस, "मेहरबानी कइके यहोवा अपने परमेस्सर स मोरे बरे पराथना करई। यहोवा स याचना करई कि इ मोर भुजा स्वस्थ कइ देई।"

एह बरे "परमेस्सर क मनई" यहोवा क पराथना किहसे अउर राजा क भुजा स्वस्थ होइ गइ। इ वइसे ही होइ गइ जइसे पहिले रही। 7तब राजा परमेस्सर क मनई स कहेस, "मेहरबानी कइके मोरे संग घरे चलई। आवई अउर मोरे संग भोजन करई मई आप क एक टु भेंट देब।"

8किन्तु परमेस्सर क मनई राजा स कहेस, "मई आप क संग घरे नाहीं जाब। यदि आप मोका अपना आधा राज्ज भी देई तउ भी मई नाहीं जाब। मई इ ठउरे पइ न कछू खाब, न ही कछू पिअब। 9यहोवा आदेस दिहस ह कि मई न कछू खाऊँ अउर न ही पिऊँ अउर न ही उ मारग स जात्रा करऊँ जेकर उपयोग मई हिआँ आवत समइ किहसे।" 10एह बरे ओहसे अलग सइक स जात्रा किहस। उ उहइ सइक क उपयोग नाहीं किहस जेकर उपयोग उ बतेल क आवत समइ किहे रहा।

11बतेल नगर मँ एक टु बुढ़वा नबी रहत रहा। ओकर पूत आएन अउर उ पचे ओका बताएन कि परमेस्सर क मनई बतेल मँ का किहस। उ पचे अपने बाप स उ भी किहेन कि जउन परमेस्सर क मनई राजा यारोबाम स कहे रहा। 12बुढ़वा नबी कहेस, "जब उ चला तउ कउने सइक स गवा?" एह बरे पूतन अपने बाप क उ सइक देखाएन जेहसे यहूदा स आवइवाला परमेस्सर क मनई गवा रहा। 13बुढ़वा नबी अपने पूतन स अपने गदहे पइ काठी धरइ बरे कहेस। एह बरे उ पचे काठी गदहे पइ डान। तब नबी अपने गदहे पइ चल पड़ा।

14बुढ़वा नबी परमेस्सर क मनई क पाछे गवा। बुढ़वा नबी परमेस्सर क मनई क एक टु बाँजबृच्छ क खाले बइठे लखेस। बुढ़वा नबी पूछेस, "का आप उहइ परमेस्सर क मनई अहई जउन यहूदा स आएन ह?" परमेस्सर क मनई जवाब दिहस, "हाँ, मई ही अहई।"

15एह बरे बुढ़वा नबी कहेस, "मेहरबानी कइके घरे चलई अउर मोरे संग भोजन करई।"

16मुला परमेस्सर क मनई जवाब दिहस, "मई तोहरे संग घरे नाहीं जाइ सकत हऊँ। मई इ ठउरे पइ तोहरे संग खाइ पीइ नाहीं सकत। 17यहोवा मोहसे कहेस, 'तू उ ठउरे पइ कछू खाया पिआ नाहीं अउर तोहका उहइ सइकिया स वापस लउटब भी नाहीं अहइ जेहसे तू हुवाँ आया।'"

18तब बुढ़वा नबी कहेस, "किन्तु मई भी तोहरी तरह नबी हऊँ।" तब बुढ़वा नबी एक झूठ बोलेस। उ कहेस, "यहोवा क हिआँ स एक टु सरगदूत मोरे लगे आवा अउर यहोवा क सब्द मोरे स कहेस कि एका अपने घरे ले जा अउर एका हुआँ भोजन पानी करइ दया।"

19एह बरे परमेस्सर क मनई बुढ़वा नबी क घर गवा अउर ओकर संग खाएस-पियस। 20जब उ पचे मेज पइ बइठे रहेन तउ यहोवा बुढ़वा नबी स कहेस, 21अउर बुढ़वा नबी यहूदा क निवासी परमेस्सर क मनई क संग बातचीत किहसे। उ कहेस, "यहोवा कहेस कि तू ओकरी आग्या क पालन नाहीं किहा। तू उ नाहीं किहा जेकरे बरे यहोवा क आदेस रहा। 22यहोवा आदेस दिहे रहा कि तोहका इ जगह पइ कछू भी खाइ या पिअइ नाहीं चाही। किन्तु तू वापस लउट्या अउर तू खाया पिआ। एह बरे तोहार ल्हास तोहरे परिवार क कब्रगाह मँ नाहीं दफनावा जाइ।"

23परमेस्सर क मनई भोजन करब अउर पिअब खतम किहस। तब बुढ़वा नबी ओकरे बरे गदहे पइ काठी कसेस अउर उ चला गवा। 24घरे कइँती जात्रा करत समइ सइक पइ एक टु सेर हमला किहस अउर परमेस्सर क मनई क मार डाएस। नबी क ल्हास सइक पइ पड़ी रही। गदहा अउ सेर ल्हास क लगे खड़े रहेन। 25कछू दूसर मनई उ सइक स जात्रा करत रहेन। उ पचे ल्हास क लखेन अउर सेर क खड़ा पाएन। उ सबई मनई उ नगर क आएन जहाँ बुढ़वा नबी रहत रहा अउर हुवाँ उ बताएस जउन उ पचे सइक पइ लखे रहेन।

26बुढ़वा नबी उ मनई क धोखा दिहे रहा अउर ओका वापस लइ गवा रहा। उ जउन कछू भवा रहा उ सुनेस अउर उ कहेस, "उ परमेस्सर क मनई अहइ जउन यहोवा क आदेस क पालन नाहीं किहसे। एह बरे यहोवा ओका मारइ बरे एक टु सेर पठएस। यहोवा कहेस कि ओका इ करइ चाही।" 27तब नबी अपने पूतन स कहेस, "मोरे गदहे पइ काठी डाला।" एह बरे ओकर पूतन ओकरे गदहे पइ काठी डान। 28बुढ़वा नबी गवा अउर ओकरे ल्हासे क सइकिया पइ पड़ा पाएस। गदहा अउ सेर तब भी ओकरे लगे खड़ा रहेन। सेर ल्हास क नाहीं खाए रहा अउ गदहे क भी चोट नाहीं पहुँचाए रहा।

29बुढ़वा नबी ल्हास क अपने गदहे पाइ राखेस अउर उ ल्हास पइ रोइ बरे अउर ओका दफनाइ बरे नगर वापस लाएस।

30बुढ़वा नबी ओका अपने परिवार क कब्रगाह मँ दफनाएस। बुढ़वा नबी ओकरे बरे रोएस। बुढ़वा नबी कहेस, "ए मोरे भाई मई तोहरे बरे दुःखी हऊँ।" 31इ तरह बुढ़वा नबी ल्हास क दफनाएस। तब उ अपने पूतन स कहेस, "जब मई मरऊँ तउ मोका इहइ कब्र मँ दफनावा। मोरे हाइन क ओकरे हाइन क निचके रख्या। 32जउन बातन यहोवा ओकरे जरिये कहलवाएस ह उ सबइ निहचइ ही फुरइ घटित होइहीं। यहोवा ओकर उपयोग बतेल क बेदी अउ सोमरोन क दूसर नगरन मँ स्थित ऊँच जगहन क खिलाफ बोलइ बरे किहस।"

33एकर बाद भी राजा यारोबाम अपने बुरे कारनामन क नाहीं बदलेस। उ अलग अलग परिवार समूहन स लोगन क याजक बनइ बरे चुनत रहा। उ सबइ याजक ऊँच जगहन पइ सेवा करत रहेन। जउन कउनो याजक होइ चाहत रहा याजक बन जाइ दीन्ह रहा। 34इहइ पाप रहा जउन यारोबाम क साही खानदान क बरबादी अउ बिनासे क कारण बना।

यारोबाम क पूत मर जात ह

14 उ समइ यारोबाम क पूत अबिय्याह बहोत बीमार पड़ा। 2यारोबाम अपनी मेहरारु स कहेस, “सीलो जा। जा अउर अबिय्याह नबी स मिला। अहिय्याह उ मनई अहइ जउन कहे रहा कि मई इस्त्राएल क राजा बनब। अपना ओढ़ना अइसे पहिरा कि कउनो न समुझइ कि तू मोर मेहरारु अहा। 3नबी क दस रोटियन, कछू पुअन अउ सहद क एक ठु गगरी द्या। तब ओहसे पूछा कि हमरे पूत क का होइ। अहिय्याह नबी तोहका बताइ।”

4एह बरे राजा क मेहरारु उ किहस जउन उ कहेस। उ सीलो गइ। उ अहिय्याह नबी क घरे गइ। अहिय्याह बहोत बुढ़वा अउ आँधर होइ गवा। 5मुला यहोवा ओहसे कहेस, “यारोबाम क मेहरारु तोहसे आपन पूत क बारे में पूछइ बरे आवति अहइ। उ बीमार अहइ।” यहोवा अहिय्याह क बताएस कि ओका का कहइ चाही।

यारोबाम क मेहरारु आपन भेस बदल कइ अहिय्याह क घरे पहुँची काहेकि उ कोसिस करत रही कि लोग न जानई कि उ कउन अहइ। 6अहिय्याह ओकरे दुआरे पइ आवइ क अवाज अनकेस। एह बरे अहिय्याह कहेस, “यारोबाम क मेहरारु, हिआँ आवा। तू काहे इ जतन करति अहा कि लोग इ समुझई कि तू कउनो दूसर अहा? मोरे लगे तोहरे बरे कछू बुरी खबर अहई। 7वापस लउटा अउर यारोबाम स कहा कि यहोवा इस्त्राएल क परमेस्सर, जउन कहत ह, उ इ अहइ। यहोवा कहत ह, ‘यारोबाम, इस्त्राएल क सबहि लोगन में स मई तोहका चुनेउँ। मई तोहका अपने लोगन क सासक बनाएउँ। 8दाऊद क परिवार इस्त्राएल पइ सासन किहस, मुला मई ओनसे ओकर राज्ज क छीन के ओका तोहका दिहेउँ। मुला तू मोरे सेवक दाऊद क समान नाहीं अहा। उ मोरे आदेसन क हमेसा पालन किहस अउर मोर पूरा हिरदय स अनुसरण, उ सबइ काम कइके किहस जउन मोर नज़र म नीक रहा। 9किन्तु तू पहिले क सासक स जियादा घटिया पापन किहस ह। तू मोर अनुसरण करब बन्द कइ दिहा ह। तू मूरतियन अउर दूसर देवतन बनाया। इ मोका बहोत कोहाइ दिहस। तू आपन पीठ मोर तरफ घुमाइ दिहस ह। 10एह बरे यारोबाम, मई तोहरे परिवार पइ विपत्ति लिआउब। मई तोहरे परिवार क सबहि मनइयन क मार डाउब। मइ तोहरे परिवार क पूरी तरह वइसे ही बर्बाद करब जइसे आगी उपरी क बर्बाद करति ह। 11तोहरे परिवार क जउन कउनो नगर में मरी ओका कूकुर खइहीं अउर तोहरे परिवार क जउन कउनो मनई मइदान में मरी ओका पंछी खइहीं। यहोवा इ कहेस ह।”

12तब अहिय्याह नबी यारोबाम क पत्नी स लगातार बात करत रहा ह। उ कहेस, “अब तू घरे जा। जइसे ही तू अपने नगर में प्रवेस करब्या तोहार पूत मरी। 13सारा इस्त्राएल ओकरे बरे रोई अउर ओका दफनाइ। सिरिफ तोहार पूत ही यारोबाम क परिवार में अइसा व्यक्ति होइ जेका दफनावा जाइ। एकर कारण इ अहइ कि यारोबाम क परिवार में सिरिफ उहइ अइसा मनई अहइ जउन यहोवा, इस्त्राएल क परमेस्सर क खुस किहस ह। 14यहोवा इस्त्राएल क एक ठु नवा राजा बनाई। उ नवा राजा यारोबाम क परिवार क नस्त

करी। इ बहोत हाली होइ। 15तब यहोवा इस्त्राएल क पीटिहीं। इस्त्राएल क लोग बहोत डेराइ जइहीं। उ पचे उ तरह कैपिहीं जइसा जल में सरकण्डा डोलत ह। यहोवा इस्त्राएलियन क इ नीक पहुँटा स उखाइ देइ। इ उहइ भुईया अहइ जेका उ ओनके पुरखन क दिहे रहा। उ ओनका फरात नदी क दूसरी कइँती बिखेर देइ। इ होइ काहेकि यहोवा लोगन पइ कोहान अहइ। लोगन ओका तब गुस्सैल किहन जब उ पचे असेरा क पूजा क बरे खास खम्भन खड़ा किहेन। 16यारोबाम पाप किहस अउर तब यारोबाम इस्त्राएल क लोगन स पाप करवाएस। एह बरे यहोवा इस्त्राएल क लोगन क पराजित होइ दिहन।”

17यारोबाम क मेहरारु तिरजा क लउट गइ। जइसेन हि उ घरे में घुसी, लरिका मर गवा। 18पूरा इस्त्राएल ओका दफनाएस अउर ओकरे बरे उ रोएन। इ ठीक वइसे ही भवा जइसा यहोवा होइ क कहे रहा। यहोवा अपने सेवक अहिय्याह नबी क उपयोग इ सबइ बातन कहइ बरे किहस।

19राजा यारोबाम दूसर बहोतन स काम किहस। ओकर जुद्ध क लेखा जोखा, उ कइसे हुकूमत करत रहा, अउर ओकर दूसर कामन इ सब “इस्त्राएल क राजा लोगन क इतिहास” नाउँ क किताबे में लिखा भवा अहइ। 20यारोबाम बाईस बरिस तलक राजा क रूप में हुकूमत किहस। उ तब मरा अउर अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। ओकर पूत नादाब ओकरे पाछे नवा राजा भवा।

21उ समइ जब सुलैमान क लरिका रहुबियाम यहूदा क राजा बना, उ इक्कीस बरिस क रहा। रहुबियाम यरूसलेम नगर में सत्रह बरिस तलक हुकूमत किहस। इ उहइ नगर अहइ जेहमा यहोवा सम्मानित होब चुनेस। उ इस्त्राएल क सबहि दूसर नगरन में स इ नगर क चुनेस। रहुबियाम क नामा नाउँ क महतारी अम्मोन क रही।

22यहूदा क लोग पाप किहन अउ ओन कामन क किहन जेनका यहोवा बुरा कहे रहा। लोग अपने ऊपर यहोवा क गुस्सैल करइ बरे अउर बुरे काम किहन। उ सबइ लोग अपने पुरखन स भी बुरे रहेन। 23लोग ऊँच ठउर, पाथर क स्मारक अउर पवित्र खम्भन बनाएन। उ पचे ओनका हर एक पहाइ पइ अउ हर एक बृच्छ क खाले बनाएन। 24हुवौं भुईया पइ मन्दिर क देवदासन भी रहेन। लोग अनेक धिनाना करम करत रहेन अउर उ रास्ट्र क अनुसरण करत रहेन जेनका यहोवा भुईया तजइ बरे मज़बूर किहे रहेन। अउर परमेस्सर ओन लोगन स उ देस लइ लिहे रहा। अउर इस्त्राएल क लोगन क दइ दिहे रहा।

25रहुबियाम क राज्जकाल क पचाँ बरिस मिस्त्र क राजा सीसक यरूसलेम क खिलाफ लड़ा। 26सीसक यहोवा क मन्दिर अउ राजा क महल स खजानन लइ लिहस। उ ओन सुनहरी ढालन क भी लइ लिहस जेनका दाऊद अराम क राजा हददजर क अधिकारियन स लिहे रहा। दाऊद एन ढालन क यरूसलेम लइ गवा रहा। किन्तु सीसक सबहि सुनहरी ढालन लइ लिहस। 27एह बरे राजा रहुबियाम ओनके ठउर पइ रखइ बरे अनेक ढालन बनवाएस। किन्तु इ सबइ ढालन काँसे क रहिन, सोना क नाहीं। उ इ सबइ ढालन ओन मनइयन क दइ दिहस जउन महल क दुआरन क

रच्छा करत रहेन। 28जब कबहुँ राजा यहोवा क मन्दिर क जात रहा, रच्छकन ओकरे साथ हर दाई जात रहेन। उ सबइ ढालन लइ जात रहेन। जब उ पचे काम पूरा कइ लेत रहेन तब उ पचे रच्छक-कच्छ मँ ढालन क लटकाइ देत रहेन।

29राजा रहुबियाम जउन कछू किहेस उ सब, “यहूदा क राजा लोगन क इतिहास” नाउँ क किताबे मँ लिखा भवा अहइ। 30रहुबियाम अउ यारोबाम हमेसा ही एक दूसर क खिलाफ जुद्ध करत रहेन।

31रहुबियाम मरा अउ अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। ओका ओकरे पुरखन क संग दाऊद नगर मँ दफनावा गवा। (ओकर महतारी नामा एक अम्मोनी रही।) रहुबियाम क पूत अबिय्याम* ओकरे पाछे नवा राजा बनइ मँ कामयाब होइ गवा।

यहूदा क राजा अबिय्याम

15 नाबात क पूत यारोबाम इस्त्राएल पइ हुकूमत करत रहा। यारोबाम क राजकाल क अट्टारहवें बरिस, अबिय्याम यहूदा क नवा राजा बना। 2अबिय्याम तीन बरिस तलक यरूसलेम पइ हुकूमत किहेस। ओकर महतारी क नाउँ माका रहा। उ अबसालेम क बिटिया रहा।

3उ उ सबइ पाप किहेस जउन ओकर बाप ओकरे पहिले किहे रहा। अबिय्याम क हिरदय यहोवा आपन परमेस्सर क प्रति पूरा भक्तिवान नाही रहेन जइसा ओकर दादा दाऊद किहे रहा। 4दाऊद के वास्ते, यहोवा ओका यरूसलेम मँ एक ठू बंस दिहेस। उ दाऊद क बंसज क यरूसलेम पई सासन करइ द्या अउर एका सुरच्छित रखइ क प्रतिग्या किहेस। 5दाऊद हमेसा ही उचित करम किहेस जेनका यहोवा चाहत रहा। उ हमेसा ही यहोवा क आदेसन क पालन किहे रहा। सिरिफ एक दाई दाऊद यहोवा क आदेस नाही माने रहा जब दाऊद हिती ऊरिय्याह क खिलाफ पाप किहे रहा।

6रहुबियाम अउ यारोबाम हमेसा एक दूसर क खिलाफ जुद्ध लइत रहेन। 7जउन कछू दूसर काम अबिय्याम किहे रहा उ “यहूदा क राजा लोगन क इतिहास” नाउँ क किताबे मँ लिखा बाटइ।

उ सारे समइ मँ जब अबिय्याम राजा रहा, यारोबाम अउ अबिय्याम क खिलाफ जुद्ध चलत रहा। 8जब अबिय्याम मरा तउ दाऊद-नगर मँ दफनावा गवा। अबिय्याम क पूत “आसा” ओकरे पाछे नवा राजा भवा।

यहूदा क राजा आसा

9इस्त्राएल क ऊपर यारोबाम क राजा क रुप मँ सासन करइ क बीसवें बरिस मँ आसा यहूदा क राजा बना। 10आसा यरूसलेम मँ इकतालिस बरिस तलक सासन किहेस। ओकरे दादी क नाउँ माका रहा अउर माका अबसालेम क बिटिया रही।

11आसा अपने पुरखा दाऊद क तरह ओन करमन क किहेस जेनका यहोवा उचित ठहराएस। 12ओन दिनन हुवौँ मन्दिर क देवदासन रहेन। आसा ओन लोगन क देस तजइ बरे मजबूर किहेस। आसा ओन देव मूरतियन क भी दूर

अबिय्याम या अबिजाह।

किहेस जउन ओकरे पुरखन बनाए रहेन। 13आसा अपनी दादी माका क, रानी पद स हटाइ दिहेस। माका देवी असेरा क ओन भयंकर मूरतियन मँ स एक क बनाए रहा। आसा ओका काट डाएस अउर एका उ किद्रोन क घाटी मँ बारेस। 14आसा ऊँच ठउरन क बर्बाद नाही किहेस, किन्तु उ पूरी जिन्नगी भइ यहोवा क मनवइया रहा। 15आसा यहोवा क मन्दिर मँ सोना, चाँदी अउर उ चिजियन लाएन जउन उ अउर ओकर बाप अर्पित किहे रहेन।

16जब तलक राजा आसा यहूदा क राजा रहा, उ हमेसा ही इस्त्राएल क राजा बासा क खिलाफ जुद्ध करत रहा। 17बासा यहूदा क खिलाफ लइत रहा। बासा लोगन क, आसा क देस यहूदा स आवइ या जाइ स रोकइ चाहत रहा। एह बरे उ रामा नगर क बहोत मजबूत बनाइ दिहेस। 18एह बरे आसा यहोवा क मन्दिर अउर राजमहल क खजानन स सोना अउ चाँदी निकारेस। उ इ सोना-चाँदी अपने सेवकन क दिहेस अउर ओनका अराम क राजा बेन्हदद क लगे पठएस। बेन्हदद हेज्योन क पूत तब्रिमोन क पूत रहा। दमिस्क बेन्हदद क राजधानी नगर रहा। 19आसा इ सँदिसा पठएस, “मोरे बाप अउर तोहार बाप क बीच एक ठू सान्ति-सन्धि रही। अब मई तोहरे अउर अपने बीच एक ठू सान्ति-सन्धि करइ चाहत हुउँ। मई तोहरे लगे सोना-चाँदी क भेंट पठवत अहउँ। इस्त्राएल क राजा बासा क संग अपनी सन्धि तोड़ द्या। तब बासा मोरे देस क तजि देइ।”

20राजा बेन्हदद आसा क सँदिसा क अंगीकार किहेस। एह बरे उ इस्त्राएल क नगरन क खिलाफ लइइ बरे अपनी फउज पठएस। बेन्हदद इज्योन, दान, आबेल्चेत्माका अउ गलीली झील क चारिहुँ ओर क नगरन क हराइ दिहेस। उ सारे नप्ताली पहँटा क हराएस। 21बासा एन हमलन क बारे मँ सुनेस। एह बरे उ रामा क मजबूत बनाउब बन्द किहेस। उ उ नगर क तजि दिहेस अउर तिसाँ क लउट गवा। 22तब राजा आसा यहूदा क सबहिँ लोगन क मदद करइ क हुकूम दिहेस-कउनो मनई बिना मदद क नाही होइ। उ पचे रामा क गएन अउर उ पचे ओन पाथरन अउ काठन क उठाइ लिहन जेनकर उपयोग बासा नगर क मजबूत बनावइ बरे करत रहा। उ पचे ओन चिजियन क मिस्पा अउर बिन्यामीन प्रदेस मँ गोबा क लइ गएन। तब आसा ओन नगरन क बहोत मजबूत बनाएस।

23आसा क बारे मँ दूसर बातन व महान कारज जउन उ किहेस अउर नगरन जेनका उ बनाएस “यहूदा क राजा लोगन क इतिहास” नाउँ क किताबे मँ लिखा बाटइ। जब आसा बुढ़वा भवा तउ ओकरे गोड़े मँ एक रोग पइदा भवा। 24आसा मरा अउर ओका ओकर पुरखा दाऊद का नगर मँ दफनावा गवा। तब आसा क पूत यहोसापात ओकरे पाछे नवा राजा बना।

इस्त्राएल क राजा नादाब

25यहूदा पइ आसा क राजकाल क दूसर बरिस मँ यारोबाम क पूत नादाब इस्त्राएल क राजा भवा। नादाब इस्त्राएल पइ दुइ बरिस तलक हुकूमत किहेस। 26नादाब उ करम किहेस जेका यहोवा दुआरा बुरा समुझा जात रहा। उ

वइसे ही पाप किहस जइसे ओकर बाप यारोबाम इस्त्राएल क लोगन स पाप करवाइ क किहे रहा।

27बासा अहिय्याह क पूत रहा। उ पचे इस्साकार क परिवार समूह स रहेन। बासा राजा नादाब क मार डावइ क एक ठु योजना बनाएस। इ उ समइ रहा जब नादाब अउर सारा इस्त्राएल गिब्तोन नगर क खिलाफ जुद्ध में लडत रहेन। इ एक पलिस्ती नगर रहा। उ ठउरे पइ बासा नादाब क मार डाएस। 28इ यहूदा पइ आसा क राजकाल क तीसरे बरिस में भवा अउर बासा इस्त्राएल क अगला राजा बना।

इस्त्राएल क राजा बासा

29जब बासा नवा राजा बना तउ उ यारोबाम क परिवार क हर एक मनई क मार डाएस। बासा यारोबाम क परिवार में कउनो मनई क जिअत नाहीं बख्सेस। इ वइसे ही भावा जइसा होइ बरे यहोवा कहे रहा। यहोवा सीलो क आपन सेवक अहिय्याह क जरिये इ कहे रहा। 30इ भवा, काहेकि यारोबाम अनेक पाप किहे रहा अउर यारोबाम इस्त्राएल क लोगन स अनेक पाप कराए क कारण रहा। यारोबाम यहोवा इस्त्राएल क परमेस्सर क बहोत किरोधित कइ दिहे रहा।

31नादाब जउन दूसर काम किहेस उ सबइ "इस्त्राएल क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे में लिखा भवा अहइ। 32पूरे समइ, जब तलक बासा इस्त्राएल क सासक रहा, उ यहूदा क राजा आसा क बिरुद्ध जुद्ध में लडत रहा।

33अहिय्याह क पूत बासा, यहूदा पइ आसा क राजकाल क तीसरे बरिस में इस्त्राएल क राजा भवा रहा। बासा तिसाँ में चौबीस बरिस तलक राजा रहा। 34किन्तु बासा उ सबइ कारज किहस जेनका यहोवा बुरा बताए रहा। उ उ सबइ ही पाप किहेस जउन ओकर पुरखा यारोबाम किहे रहा। यारोबाम इस्त्राएल क लोगन स पाप कराए रहा।

16 तब यहोवा हनान क पूत येहू स बातन किहस। यहोवा राजा बासा क बिरुद्ध बातन कहत रहा। 2"मई तोहका धूरि-माटी स चुन कइ उठाएउँ। मई तोहका इस्त्राएल क लोगन क ऊपर राजा बनाएउँ। किन्तु तू यारोबाम क मारग क अनुसरण किहा ह। तू मोर लोगन, इस्त्राएलियन स पाप कराया ह। उ पचे अपने पापन स मोका गुस्सैल किहन ह। अएह बरे बासा, मई तोहका अउर तोहरे परिवार क बर्बाद करब। मई तोहरे संग उहइ करब जउन मई नाबात क पूत यारोबाम क परिवार क संग किहेउँ। 4तोहरे परिवार क लोग नगर क सड़कियन पइ मरिहीं अउर ओनके लहासन क कूकुर खइहीं। तोहरे परिवार क कछू लोग मइदानन में मरिहीं अउर ओनके लहासन क पंछी खइहीं।"

5बासा क बारे में दूसर बातन अउर जउन महान कारज उ किहेस सबहिं "इस्त्राएल क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे में लिखा अहइ। 6बासा मरा अउ तिसाँ में दफनावा गवा। ओकर पूत एला ओकरे पाछे नवा राजा बना।

7एह बरे यहोवा येहू नबी क एक सँदिसा दिहस। इ सँदिसा बासा अउ ओकरे परिवार क बिरुद्ध रहा। बासा उहइ करम किहे रहा जेका यहोवा बुरा करम ठेहराएस। एहसे यहोवा बहोत कोहाई गवा। बासा उहइ किहस यारोबाम क परिवार ओहसे पहिले किहे रहा। यहोवा एह बरे भी कोहान रहा कि बासा यारोबाम क समूवे परिवार क मार डाए रहा।

इस्त्राएल क राजा एला

8यहूदा पइ आसा क राजकाल क छब्बीसवें बरिस में एला इस्त्राएल क राजा भवा। एला बासा क पूत रहा। उ तिसाँ में दुई बरिस तलक हुकूमत किहस।

9एला राजा क अधिकारियन में स जिम्मी एक रहा। जिम्मी एला क आधे रथन क आदेस देत रहा। किन्तु जिम्मी एला क बिरुद्ध योजना बनाएस। राजा एला तिसाँ में रहा।

उ अर्सा, क घरे में दाखरस पिअत रहा अउर मदमस्त होत रहा। अर्सा तिसाँ क महल क अधिकारी रहा। 10जिम्मी उ घरे में गवा अउ उ राजा एला क मार डाएस। यहूदा पइ आसा क राजकाल क सताइसवें बरिस में इ भवा। तब एला क पाछे इस्त्राएल क नवा राजा जिम्मी भवा।

इस्त्राएल क राजा जिम्मी

11जब जिम्मी राजा भवा तउ उ बासा क पूरे परिवार क मार डाएस। उ बासा क परिवार में कउनो मनई क जिअत नाहीं रहइ दिहस। जिम्मी बासा क मीतन क भी मार डाएस। 12इ तरह जिम्मी बासा क पूरा परिवार क बर्बाद किहस। इ वइसे ही भवा जइसा यहोवा, येहू नबी क उपयोग बासा क खिलाफ कहइ क कहे रहा। 13इ बासा अउ ओकर पूत एला क सबहिं पापन क कारण भवा। उ पचे पाप किहे रहेन अउर इस्त्राएल क लोग स पाप कराए रहेन। यहोवा कोहान रहा काहेकि उ पचे बहोत स देवमूरतियन धरे रहेन।

14"इस्त्राएल क राजा लोगन क इतिहास" नाउँ क किताबे में दूसर सबहिं बातन लिखी अहइ जउन एला किहे रहा। 15यहूदा पइ आसा क राजकाल क सताइसवें बरिस में जिम्मी इस्त्राएल क राजा बना। जिम्मी तिसाँ में सात दिन सासन किहस। जउन कछू भवा, इ अहइ: इस्त्राएल क फउज गिब्तोन क पलिस्तियन क निचके डेरा डाए पड़ी रहिन। उ पचे जुद्ध बरे तइयार रहेन। 16पड़ाव में टिके लोग सुनेन कि जिम्मी राजा क खिलाफ गुप्त सइयन्त्र रचेस ह। अउर ओका मार डाएस। एह बरे सारे इस्त्राएल डेरा में, उ दिन ओम्मी क इस्त्राएल क राजा बनाएस। ओम्मी सेनापति रहा। 17एह बरे ओम्मी अउर सारे इस्त्राएल गिब्तोन क तजेन अउ तिसाँ पई हमला कइ किहन। 18जिम्मी लखेस कि नगर पइ अधिकार कइ लीन्ह गएस ह। एह बरे उ महल क भीतर गएन अउर जराइ सरू किहेन। उ महल अउ खुद क जराइ दिहस। अउर उ मरि गवा। 19इ तरह जिम्मी मरा काहेकि उ पाप किहे रहा। जिम्मी ओन कामन क किहेस जेनका यहोवा बुरा कहे रहा। उ वइसे ही पाप किहेस जइसे यारोबाम किहे रहा अउ यारोबाम इस्त्राएल क लोगन स पाप कराए रहा।

20“इस्त्राएल क राजा लोगन क इतिहास” नाउँ क किताबे में जिम्मी क गुप्त सड्यन्त्र अउ दूसर बातन लिखी अहई जउन उ राजा एला क बिरुद्ध किहे रहा।

इस्त्राएल क राजा ओम्री

21इस्त्राएली लोग दुइ दलन में बँट गए रहेन। आधे लोग गीनत क पूत तिब्नी क अनुसरण करत रहेन अउर ओका राजा बनावइ चाहत रहेन। दूसर आधे लोग ओम्री क अनुयायी रहेन। 22किन्तु ओम्री क अनुयायी गीनत क पूत तिब्नी क अनुयायियन स जियादा सक्तीसाली रहेन। एह बरे तिब्नी मारा गवा अउर ओम्री राजा भवा।

23यहूदा पइ आसा क राजकाल क इकतीसवें बरिस में ओम्री इस्त्राएल क राजा भवा। ओम्री इस्त्राएल पइ बारह बरिस तलक सासन किहस। ओन बरिसन में स छः बरिस तलक उ तिसा नगर में सासन किहस। 24किन्तु ओम्री सोमरोन क पहाड़ी क बेसहि लिहस। उ एका लगभग डेढ़ सौ पौण्ड चाँदी समेर स बेसहेस। ओम्री उ पहाड़ी पइ एक ठु नगर बनावस। बाद में, इ पहिले क मालिक समेर क नाउँ पइ सोमरोन पुकारा गएस।

25ओम्री उ सबइ काम किहस जेनका यहोवा बुरा घोसित किहे रहा। ओम्री ओन सबहि राजा लोगन स बुरा रहा जउन ओकरे पहिले होइ चुके रहेन। 26उ उ सबइ ही पापन किहेस जउन नबात क पूत यारोबाम किहे रहा। यारोबाम इस्त्राएल क लोगन स पाप कराए रहा। एह बरे उ पचे यहोवा, इस्त्राएल क परमेस्सर क बहोत किरोधित कइ दिहे रहेन। यहोवा कोहान रहा, काहेकि उ पचे बेकार क देवमूरतियन क पूजा करत रहेन।

27“इस्त्राएल क राजा लोगन क इतिहास” नाउँ क पुस्तक में ओम्री क बारे में दूसर बातन अउर ओकर किहे महान कारज लिखे गएन ह। 28ओम्री मरा अउ सोमरोन में दफनावा गवा। ओकर पूत अहाब ओकरे पाछे नवा राजा बना।”

इस्त्राएल क राजा अहाब

29यहूदा पइ आसा क राजकाल क अड़तीसवें बरिस में ओम्री क पूत अहाब इस्त्राएल क राजा बना। अहाब इस्त्राएल पइ सामरिया में बाईस बरिस तलक हुकूमत किहेस। 30अहाब उ सबइ काम किहेस जेनका यहोवा बुरा बताए रहा अउर अहाब ओन सबहि राजा लोगन स भी बुरा रहा जउन ओकरे पहिले भए रहेन। 31अहाब क बरे ऐतना काफी नाहीं रहा कि उ वइसे ही पापन करइ जइसे नबात क पूत यारोबाम किहे रहा, उ अहाब एतबाल क बिटिया ईजबेल स बियाह किहेस। एतबाल सीदोन क राजा रहा। तब अहाब बाल क सेवा अउर पूजा करब सुरू किहेस। 32अहाब बाल क पूजा करइ बरे सोमरोन में पूजा घर बनावस। उ पूजाघरे में एक वेदी रखेस। 33अहाब असेर क पूजा बरे एक बिसेस खम्भा भी खड़ा किहस। अहाब यहोवा, इस्त्राएल क परमेस्सर क किरोधित करइवाले बहोत स काम, ओन सबहि राजा स जियादा किहेस, जउन ओकरे पहिले रहेन।

34अहाब क राजकाल में बतेल क हीएल यरीहो नगर क दुबारा बनावस। जउने समइ हीएल नगर बनावइ क काम सुरु किहस, ओकर बड़ा पूत अबीराम मर गवा अउर जब हीएल नगर दुआर बनावस, ओकर सब स नान्ह पूत सगूब मर गवा। इ ठीक वइसे ही भवा जइसा यहोवा नून क पूत यहोसू स बातन करत भए कहे रहा।

एलिय्याह अउ अनावृष्टि क समइ

17 एलिय्याह गिलाद में तिसबी नगर क एक नबी रहा। एलिय्याह राजा अहाब स केहस, “मई यहोवा, इस्त्राएल क परमेस्सर क सेवा करत हउँ। ओकरी सक्ती पइ मई प्रतिग्या करत हउँ कि अगले कछू बरिसन में न हुवाँ बर्खा होइ अउर न ही ओस गिरी जब तलक मई ओकरे होइ क आदेस न देब।”

2तब यहोवा एलिय्याह स केहस, 3“इ जगह क तजि द्या अउर पूरब कइँती चला जा। करीत नाले क लगे छुप जा। इ नाला यरदन नदी क पूरब में अहइ। 4तू नाला स पानी पी सकत ह। मई कउअन क हुकुम दिहे अहउँ कि उ पचे तोहका उ जगह पइ भोजन पहेंचइहीं।” 5एह बरे एलिय्याह उहइ किहस जउन यहोवा करइ क केहस। उ यरदन नदी क पूरब करीत नाला क निचके रहइ चला गवा। 6हर एक भंसारे अउ साँझ क कौवन एलिय्याह क बरे भोजन लिआवत रहेन। एलिय्याह नाला स पानी पिअत रहा।

7बर्खा नाहीं भइ एह बरे कछू समइ उपरान्त नाला झुराइ गवा। 8तब यहोवा एलिय्याह स केहस, 9“सीदोन में सारपत क जा। हुँवइ रहा। उ जगह पइ एक ठु राँड़ मेहरारु रहत ह। मई ओका तोहका भोजन देइ क आदेस दिहेउँ ह।”

10एह बरे एलिय्याह सारपत पहेंचा। उ नगर-दुआर पइ पहेंचा अउर उ एक ठु मेहरारु क लखेस। ओकर भतार मर चुका रहा। उ मेहरारु ईधन बरे लकड़ियन एकट्ठी करत रही। एलिय्याह ओहसे केहस, “का तू एक ठु पियाला में थोड़ा पानी देबिउ जेका मई पी सकउँ?” 11उ मेहरारु ओकरे बरे पानी लिआवइ जात रही, तउ एलिय्यह केहस, “मेहरबानी कइके एकठु रोटी क टूका भी लिआवा।”

12उ मेहरारु जवाब दिहेस, “सच में मई यहोवा, तोहरे परमेस्सर क किरिया खाइके कहति हउँ कि मोरे लगे रोटी नाहीं अहइ। मोरे लगे बर्तन में मूठी भइ आटा अउर बर्तन में तनिक स जइतून क तेल अहइ। इ ठउरे पइ मई ईधन बरे दुइ चार लकड़ियन बटोरइ आइ रहिउँ। मई एका लइके घरे लउटब अउर आपन आखिरी भोजन बनावब। मई अउर मोर पूत दुइनउँ एका खइहीं अउर तब फिर पाछे में भूख स मर जइहीं।”

13एलिय्याह मेहरारु स केहस, “परसान जिन हवा। घरे लउटा अउर जइसा तू कहया, आपन भोजन बनाव। मुला तोहरे लगे जउन आटा अहइ ओकर पहिले एक ठु नान्ह रोटी बनाव। उ रोटी क मोरे लगे लिआवा। तब आपन अउ अपने पूत बरे पकावा। 14इस्त्राएल क परमेस्सर, यहोवा कहत ह, ‘उ आटे क बर्तन कबहुँ खाली नाहीं होइ। बर्तन में तेल हमेसा ही रही। अइसा तब तलक होत रही जउने दिन तलक यहोवा इ भुईँया पइ पानी नाहीं बरसावत।”

15एह बरे उ मेहरारु अपने घरे लउटी। उ उहइ किहस जउन एलिय्याह ओहसे करइ क कहे रहा। एलिय्याह, उ मेहरारु अउ ओकर पूत बहोत दिनन तलक पार्याप्त भोजन पावत रहेन। 16आटा क बर्तन अउ तेल क पीपा दुइनउँ कबहुँ खाली नाहीं भवा। इ वइसा ही भवा जइसा यहोवा होइ क कहे रहा। यहोवा एलिय्याह क जरिये बातन किहे रहा।

17कछू समइ पाछे उ मेहरारु क लरिका बीमार पड़ा। उ जियादा, अउर जियादा बीमार होता गवा। आखिर मँ लरिका साँस लेब बन्द कइ किहस। 18मेहरारु एलिय्याह स कहेस, “हे परमेस्सर क मनई, तू मोर बरे का किहेस ह? का तू मोका सारे पापन क सुमिरइ बरे हिआँ आवा अहा? का तू हिआँ मोरे पूत क मरवावइ आवा रहया?”

19एलिय्याह ओहसे कहेस, “आपन पूत मोका दया।” एलिय्याह ओकरे लरिके क ओहसे लिहस अउर सीढ़ियन स ऊपर लइ गवा। उ ओका उ कमरा मँ बिछउना पड़ ओलराएस जेहमाँ उ रुका भवा रहा। 20तब एलिय्याह पराथना किहेस, “हे यहोवा, मोर परमेस्सर, इ रँड मोका अपने घरे मँ ठहरावति अहइ। का तू ओकरे संग इ बुरा काम करब्या? का तू ओकरे पूत क मरइ देब्या?” 21तब एलिय्याह लरिका क ऊपर तीन दाई ओलरा। एलिय्याह एलिय्याह पराथना किहस, “हे यहोवा, मोर परमेस्सर। इ लरिका क फुन जीवित कर।”

22“यहोवा एलिय्याह क पराथना अंगीकार किहस। लरिका फुन साँस लेइ लाग। उ जिन्दा होइ गवा। 23एलिय्याह बच्चा क सीढ़ियन स खाले लइ गवा। एलिय्याह उ लरिका क ओकरी महतारी क दिहस अउर कहेस, “लखा, तोहार पूत जी उठा।”

24उ मेहरारु जवाब दिहस, “अब मोका बिस्सास हो गवा कि तू फुरइ परमेस्सर क हिआँ क मनई अहा। मई समुझ गइ हउँ कि फुरइ यहोवा तोहरे माध्यम स बोलत ह।”

एलिय्याह अउ बाल क नबी

18 अनावृस्टि क तीसरे बरिस यहोवा एलिय्याह स कहेस, “जा अउर राजा अहाब स मिला। मई हाली ही बर्खा पठउब।” 2एह बरे एलिय्याह अहाब क लगे गवा।

उ समइ सोमरोन मँ भोजन नाहीं रह गवा रहा।” 3एह बरे राजा अहाब ओबधाह स अपने लगे आवइ क कहेस। ओबधाह राजमहल क अधिकारी रहा। ओबधाह यहोवा क सच्चा अनुयायी रहा। 4एक दाई ईज़ेबेल यहोवा क सबहिं नबियन क जान स मारत रही। एह बरे ओबधाह सौ नबियन क लिहस अउर ओनका दुइ गुफन मँ छुपाएस। ओबद्याह एक गुफा मँ पचास नबी अउ दूसर गुफा मँ पचास नबी रखेस। तब ओबधाह ओनके बरे पानी अउ भोजन लिआएस। 5राजा अहाब ओबधाह स कहेस, “मोरे संग आवा। हम लोग इ प्रदेश क हर एक सोता अउर नाला क खोज करब। हम लोग पता लगाउब कि का हम अपने घोड़न अउ खच्चरन क जिअत रखइ बरे पर्याप्त घास कहीं पाइ सकित ह। तब हम क आपन कउनो जनावर खोउब नाहीं पड़ी।”

6हर एक मनई देस क एक ठु हीसा चुनेस जहाँ उ पचे पानी क खोज कइ सकई। तब दुइनउँ। मनई पूरे देस मँ घूमेन। अहाब एक दिसा मँ अकेले गवा। ओबधाह दूसर दिसा मँ अकेले गवा। 7जब ओबधाह जात्रा करत रहा तउ उ समइ उ एलिय्याह स मिला ओबधाह जब ओका लखेस एलिय्याह क पहचान लिहस। ओबधाह एलिय्याह क समन्वा प्रणाम करइ निहुरा उ केहेस, “एलिय्याह का सुआमी फुरइ आप अहइ?”

8एलिय्याह जवाब दिहस, “हाँ, मई ही हउँ। जा अउर आपन सुआमी राजा स कहा कि मई हिआँ अहउँ।”

9तब ओबधाह कहेस, “जदि मई ओहाब स कहब कि मई जानत हउँ कि तू कहाँ अहा, तउ उ मोका मार डाइ। मई तोहार कछू नाहीं बिगाड़ेउँ ह। तू काहे चाहत अहा कि मई मरि जाउँ? 10यहोवा, तोहरे परमेस्सर क जिन्नगी क किरिया खाइके कहत हउँ कि राजा तोहार खोज करइ बरे हरेक देस मँ मनइयन क भेज दिहस ह। जदि कउनो देस क राजा इ कहेस कि तू ओकरे देस मँ नाहीं अहा, तउ अहाब ओका इ किरिया खाइ क मजबूर किहस कि तू सच मुच मँ ओकरे देस मँ नाहीं अहा। 11अब तू चाहत अहा कि मई जाउँ अउर आपन सुआमी स कहउँ कि तू हुआँ अहा? 12जदि मई जाउँ अउर राजा अहाब स कहउँ कि तू हिआँ अहा, तउ यहोवा क आतिमा तोहका कउनो दूसर जगह पड़ पहोंचाइ सकत ह। राजा अहाब हिआँ आई अउर उ तोहका नाहीं पाइ सकी। तब उ मोका मार डाइ। मई यहोवा क अनुसरण तब स किहेउँ ह जब मई एक बालक रहा। 13तू सुन्या ह कि मई का किहे रहेउँ। ईज़ेबेल यहोवा क नबियन क मारत रही अउर मई सौ नबियन क गुफन मँ छुपाए रहेउँ। मई एक गुफा मँ पचास नबियन अउर दूसर गुफा मँ पचास नबियन क रखे रहेउँ। मई ओनके बरे अन्न-पानी लिआएउँ। 14अब तू चाहत अहा कि मई जाउँ अउर राजा स कहउँ कि तू हिआँ अहा। राजा मोका मार डाइ।”

15एलिय्याह जवाब दिहस, “जेतनी सर्वसत्कीमान यहोवा क सत्ता निहचित अहइ, ओतना ही निहचित इ अहइ कि मई आजु राजा क समन्वा खड़ा होउँ।”

16एह बरे ओबधाह राजा अहाब क लगे गवा। उ बताएस कि एलिय्याह हुवाँ अहइ। राजा अहाब एलिय्याह स भेंटइ गवा। 17जब अहाब एलिय्याह क लखेस तउ उ पूछेस, “का इ तू अहा? का तू ही उ मनई अहा जउन इस्त्राएल पड़ बिपत्ति का कारण अहा?”

18एलिय्याह जवाब दिहस, “मई इस्त्राएल पड़ बिपत्ति क कारण नाहीं अहउँ। तू अउर तोहरे बाप क परिवार इ सारी बिपत्ति क कारण अहा। जब तू यहोवा क आदेसन क पालन करब बन्द कइ दिहा अउर लबार देवतन क अनुसरण सुरु किहा। 19अब सारे इस्त्राएलियन क कर्ममल पवति पड़ मोहसे भेंटइ क कहा। उ ठउरे पड़ बाल क चार सौ पचास नबियन क भी लिआवा अउर लबार देबी असेरा क चार सौ नबियन क लिआवा। रानी ईज़ेबेल ओन नबियन क समर्थन करत ह।”

20एह बरे अहाब सबहिं इस्त्राएलियन अउर ओन नबियन क कर्ममल पवति पड़ बोलाएस। 21एलिय्याह सबहिं लोगन

क लगे आवा। उ कहेस, “आप लोग कब निर्णय करिहीं कि आप क केकर अनुरसण करब अहइ? जदि यहोवा सच्चा परमेस्सर अहइ तउ आप लोगन क ओकर अनुयायी होइ चाही। किन्तु जदि बाल फुरइ परमेस्सर अहइ तउ तोहका ओकर अनुयायी होइ चाही।”

लोग कछू भी नहीं कहेन। 22एह बरे एलिय्याह कहेस, “मइ हिआँ यहोवा क एकमात्र नबी हउँ। मई अकेला हउँ। किन्तु हिआँ बाल क चार सौ पचास नबी अहई। 23एह बरे दुइ ठु बर्धा लिआवा। बाल क नबी क एक ठु बर्धा लेइ द्या। ओनका ओका मारइ द्या अउर ओकर टूकन करइ द्या अउर तब ओनका, मास क लकड़ी पइ धरइ द्या। किन्तु उ पचे आगी लगाउब सुरु न करई। तब मई उहइ काम दूपरे बर्धा क लइके करब अउर मई आगी लगाउब सुरु नहीं करब। 24बाल क नबी! बाल स पराथना करिहीं अउर मई यहोवा स पराथना करब। जउन ईस्सर पराथना क अंगीकार करइ अउर अपने काठे क बारब सुरु कइ देइ, उहइ सच्चा परमेस्सर अहइ।”

सबहि लोग अंगीकार किहेन कि इ उचित बिचार अहइ।

25तब एलिय्याह बाल का नबियन स कहेस, “तू बड़की गनती में अहा। एह बरे तू लोग पहल करा। एक ठु बर्धा क चुना अउर ओका तइयार करा। आपन देवता क समन्वा पूजा किहेस किन्तु आगी लगाउब सुरु जिन करा।”

26एह बरे नबियन उ बर्धा क लिहन जउन ओनका दीन्ह गवा। उ पचे ओकर तइयार किहन। उ पचे दुपहर तलक बाल स पराथना किहन। उ पचे पराथना किहन, “बाल, कृपा कइके हम क जवाब द्या।” किन्तु कउनो अवाज नहीं आइ। कउनो कउन जवाब नहीं दिहस। नबी उ वेदी क चारिहुँ कइँती नाचत रहेन जेका उ पचे बनाए रहेन। किन्तु आगी फुन भी नहीं लागी।

27दुपहरे क एलिय्याह ओनकर मसखरी उड़ाउब सुरु किहेस। एलिय्याह कहेस, “जदि बाल फुरइ देवता अहइ तउ सायद तोहका अउर जियादा जोर स पराथना करइ चाही। सायद उ सोचत रहा होइ या सायद उ बहोत व्यस्त होइ, या सायद उ कउनो जात्रा पइ निकरि गवा होइ। उ सोवत रहि सकत ह। सायद तू लोग अउर जियादा जोर स पराथना करा अउर जगावा।” 28उ पचे अउर जोर स पराथना किहन। उ पचे अपने क तरवार अउर भालन स काटेन-छेदेन। (इ ओनकर पूजा क पद्धति रही) उ पचे अपने क ऐतना काटेन कि ओनके ऊपर खून बहइ लाग। 29तीसर पहर बीत गवा। किन्तु तब तलक आगी नहीं लागी। नबी साँझ क बलि-भेंट क समइ तलक लगातार गवॉरू भविस्साबाणी करत रहेन। किन्तु तब तलक भी बाल कउनो जवाब नहीं दिहस। कउनो अवाज नहीं आइ। कउनो भी नहीं सुनत रहा।

30तब एलिय्याह सबहि लोगन स कहेस, “अब मोरे लगे आवा।” एह बरे सबहि लोग एलिय्याह क चारिहुँ कइँती बटुर गएन। यहोवा क वेदी उखाड़ दीन्ह गइ। एह बरे एलिय्याह एका जमाएस। 31एलिय्याह बारह पाथर प्राप्त किहस। हर एक बारह परिवार समूहन बरे एक ठु पाथर रहा। एन बारह परिवार समूहन क नाउँ याकूब जेका यहोवा

इस्त्राएल नाउँ दिह रहा, क बारह पूतन क नाउँ पइ रहेन। 32एलिय्याह ओन पाथरन क उपयोग यहोवा क सम्मान देइ क बरे वेदी क निर्माण में किहस। एलिय्याह वेदी क चारिहुँ कइँती एक ठु नान्ह खाई खोदेस। इ ऐतनी चौड़ी अउर एतनी गहिर रही कि एहमाँ लगभग सात गैलन पानी आइ सकइ। 33तब एलिय्याह वेदी पइ काठ धरेस। उ बर्धा क टूकन में काटेस। उ टूकन क काठन पइ धरेस। 34तब एलिय्याह कहेस, “चार गगरियन क पानी स भरा। पानी क मास क टूकन अउ काठन पइ डवा।” तब एलिय्याह कहेस, “इहइ फुन करा।” तब उ कहेस, “एका तीसरी दाई करा।” 35पानी वेदी स बाहेर बहा अउर ओहसे खाई भर गइ।

36इ तीसर पहर क बलि भेंट क समइ रहा। एह बरे एलिय्याह नबी वेदी क लगे गवा अउर पराथना किहस, “हे यहोवा, इब्राहीम, इसहाक अउ इस्त्राएल क परमेस्सर, मई तोहसे याचना करत हुउँ कि तू प्रमाणित करा कि तू इस्त्राएल क परमेस्सर अहा अउर प्रमाणित करा कि मई तोहार सेवक अहउँ। एन लोगन दिखाइ द्या कि तू इ सब करइ क मोका आदेस दिहा ह। 37यहोवा मोर पराथना क जवाब द्या। एन लोगन क जानइ द्या कि हे यहोवा, तू असल में परमेस्सर अहा। तब लोग समुझिहीं कि तू ओनका अपने लगे वापस लिआवत अहा।”

38एह बरे यहोवा खाले आगी पठएस। आगी बलि, काठ, पाथरन अउ वेदी क चारिहुँ कइँती क भुईया क बार दिहस। आगी खाई क समूचा पानी भी झुराइ दिहस। 39सबहि लोग इ होत लखेन। लोग भुईया पइ प्रणाम करइ निहुरेन अउर कहइ लोगन, “यहोवा परमेस्सर अहइ। यहोवा परमेस्सर अहइ।”

40तब एलिय्याह कहेस, “बाल क नबियन क धइ ल्या। ओनमाँ स कउनो क बच निकरइ न द्या।” एह बरे लोग सबहि नबियन क धरेन। तब एलिय्याह ओन सबहि किसोन नाले तलक लइ गवा। उ जगह पइ उ सबहि नबियन क मार डाएस।

बर्धा फुन होत ह

41तब एलिय्याह राजा अहाब स कहेस, “अब जा, खा अउर पिआ। एक घनघोर बर्खा आवति अहइ।” 42एह बरे राजा अहाब भोजन करइ गवा। उहइ समइ एलिय्याह कर्मेल पवते क चोटी पइ चढ़ा। पर्वत क चोटी पइ एलिय्याह प्रणाम करइ निहुरा। उ अपने मूँड़ क अपने घुटरुअन क बीच रखेस। 43तब एलिय्याह अपने सेवक स कहेस, “समुद्र कइँती लखा।”

सेवक उ जगह तलक गवा जहाँ स उ समुद्र क लख सकइ। तब सेवक लउटके आवा अउर उ कहेस, “मई कछू नहीं लखेउँ।” एलिय्याह ओका फुन जाइ अउर लखइ क कहेस। इ सात दाई भवा। 44सातवीं दाई सेवक लउटके आवा अउर उ कहेस, “मई एक नान्ह बादर मनई क मूठी क बराबर लखेउँ ह। बादर समुद्र स आवत रहा।”

एलिय्याह सेवक स कहेस, “राजा, अहाब क लगे जा अउर ओहसे कहा कि उ आपन रथ तइयार कइ लेइ अउर

अब घर वापस जाइ। यदि उ अबहिं नार्हीं जाइ तउ बर्खा ओका रोक लेइ।”

45 थोड़े समइ क पाछे अकास काले मेघन स ढक गवा। तेज हवा चलइ लागिन अउर घनघोर बर्खा होइ लाग। अहाब अपने रथे में बइठा अउर थिज़ेल क वापस जाना करब सुरु कियेस। 46 एलिय्याह क भीतर यहोवा क ताकत आइ। एलिय्याह अपने ओढ़नन क अपने चारिहुँ कइती कसेस, जेहसे उ दउड़ सकइ। तब एलिय्याह थिज़ेल तलक क पूरे मारग पइ राजा अहाब स अगवा दउड़त रहा।

सिनाइ पर्वत पइ एलिय्याह

19 राजा अहाब ईज़ेबेल क उ सबइ बातन बताएस जउन एलिय्याह कहेस। अहाब ओका बताएस कि एलिय्याह कइसे सबहिं नबियन क एक ही तरवार स मउत क घाट उतारेस। 2 एह बरे ईज़ेबेल एलिय्याह क लगे एक ठु दूत पठएस। ईज़ेबेल कहेस, “मई प्रतिग्या करति हउँ कि काल्ह इ समइ स पहिले मई तोहका वइसे ही मारब जइसे तू नबियन क मारया ह। यदि मई सफल नार्हीं होतिउँ तउ देवता मोका मार डावई।”

3 जब एलिय्याह इ सुनेस तउ उ डेराइ गवा। एह बरे उ अपनी जान बचावइ क लिए पराइ गवा। उ अपने संग अपने सेवक क लइ गवा। उ पचे बेर्सेबा पहोंचेन जउन यहूदा में अहइ। एलिय्याह अपने सेवक क बेर्सेबा में तजेस। 4 तब एलिय्याह पूरे दिन रेगिस्तान में चला। एलिय्याह एक झाड़ी क खाले बइठा। उ कामना कियेस कि उ मरि जातइ। एलिय्याह कहेस, “यहोवा इ मोरे बरे बहोत अहइ। मोका मरइ दया। मई अपने पुरखन स नीक नार्हीं अहउँ।”

5 तब एलिय्याह बृच्छ क खाले ओलर गवा अउर सोइ गवा। एक ठु सरगदूत एलिय्याह क लगे आवा अउर उ ओका छुएस। सरगदूत कहेस, “उठा, खा।” 6 एलिय्याह चारिहुँ कइती लखेस अउर ओकर माथे क बगल में कोयले पइ पका एक ठु रोटी अउर पानी भरी गगरी अहइ। एलिय्याह खाएस अउ पीएस अउर तब उ फुन सोइ गवा।

7 पाछे, यहोवा क सरगदूत ओकरे लगे फुन आएस अउर ओका छुएस। सरगदूत कहेस, “उठा, खा।” यदि तू अइसा नार्हीं खाल्या तउ तू एतने जियादा सवित्साली नार्हीं होब्या, जेहसे तू लम्बी जात्रा कइ सका।” 8 एह बरे एलिय्याह उठा। उ खाएस अउर पीएस। भोजन ओका एतना सवित्साली बनाई दिहस कि उ चालीस दिन अउ रात जात्रा कइ सकइ। उ होरेब पर्वत तलक गवा जेका परमेस्सर क पर्वत कहा जात अहइ। 9 हुवाँ एलिय्याह एक ठु गुफा में घुसा अउ सारी रात ठहरा।

तब यहोवा एलिय्याह स बातन कियेस। यहोवा कहेस, “एलिय्याह, तू हिआँ काहे आया ह?”

10 एलिय्याह जवाब दिहस, “यहोवा सर्वसक्तिमान परमेस्सर, मई यहोवा बरे बहोत जोसीला रहा ह। यथासम्भव मई तोहार सेवा सब स उत्तम रूप में हमेसा ही कियेउँ ह। किन्तु इस्त्राएल क लोग तोहरे संग कीन्ह गइ समझौता क तोड़ेन ह। उ पचे तोर वेदियन क बर्बाद कियेन ह। उ पचे तोहरे नबियन क मार डाएन ह। मई एकमात्र अइसा नबी हँउ

जउन जिअत बचा हँउ अउर अब उ पचे मोका मार डावइ चाहत हीं।”

11 तब यहोवा एलिय्याह स कहेस, “जा, मोरे समन्वा पर्वत पइ खड़ा हवा। मई तोहरे बगल स निकरबा।” तब एक प्रचण्ड आँधी चली। आँधी पर्वतन क तोड़ गिराएस। इ यहोवा क समन्वा बिसाल चट्टानन क तोड़ डाएस। मुला उ आँधी यहोवा नार्हीं रहा। उ आँधी क पाछे भुईँडोल आवा। किन्तु उ भुईँडोल यहोवा नार्हीं रहा। 12 भुईँडोल क पाछे हुवाँ आगी रही। किन्तु उ आगी यहोवा नार्हीं रही। आगी क पाछे हुवाँ एक कोमल अउ फुसफुसाहट क स्वर सुनाई पड़ा।

13 जब एलिय्याह उ स्वर सुनेस तउ उ अपने अंगरखे स आपन मुँह ढाँपि लिहस। तब उ गवा अउर गुफा क दुआर पइ खड़ा भवा। तब एक वाणी ओहसे कहेस, “एलिय्याह, हिआँ तू कहाँ अहा?”

14 एलिय्याह जवाब दिहस, “यहोवा सर्वसक्तिमान परमेस्सर, मई यहोवा बरे बहोत जियादा जोसीला रहा ह। मई यथासम्भव सब स उत्तम सेवा तोहका अर्पित कियेउँ ह। मुला इस्त्राएल क लोग तोहरे संग कीन्ह गइ आपन करार तोड़ेन ह। उ पचे तोहार वेदियन बर्बाद कियेन। उ पचे तोहरे नबियन क मारेन। मई एकमात्र अइसा नबी हउँ जउन अबहिं तलक जिअत ह अउर अब उ पचे मोका मार डावइ क जतन करत अहइ।”

15 यहोवा कहेस, “उ सड़क पइ वापस लउट जा जउन दमिस्क क चारिहुँ कइती क रेगिस्तान तलक जात ह। दमिस्क में जा अउर हजाएल क अभिसेक अराम क राजा क रूप में अभिसेक करा। 16 ओकरे पाछे निमसी क पूत येहू क इस्त्राएल क राजा क रूप में अभिसेक करा। ओकर बाद आबेल महोला क सापात क पूत एलीसा क अभिसेक करा। उ तोहरे जगह पइ नबी बनी। 17 हजाएल अनेक बुरे लोगन क मार डाइ। येहू कउनो क भी मार डाइ जउन हजाएल क तरवार स बच निकरत ह। अउर एलीस कउनो क भी मार डाइ जउन येहू क तरवार स बच निकरत ह। 18 एलिय्याह! इस्त्राएल में तू ही एक मात्र बिस्सासपात्र मनई नार्हीं अहा। उ सबइ मनई बहोत स लोगन क मार डइहीं, किन्तु ओकरे पाछे भी हुवाँ इस्त्राएल में सात हजार लोग अइसे होइहीं जउन बाल क कबहुँ प्रणाम नार्हीं कियेन। मई ओन सात हजार लोगन क जिअत रहइ देब, काहेकि ओन लोगन में स कउनो कबहुँ बाल क देवमूर्ति क चूमेस तलक नार्हीं।”

एलीसा एक ठु नबी बनत ह

19 एह बरे एलिय्याह उ जगह क तजेस अउर सापात क पूत एलीसा क खोज में निकरा। एलीसा बारह जोड़ा बर्धन स भुईँया क जोतत रहा अउर एलीसा खुद बारहवाँ जोड़ा स हल जोतत रहा जब एलिय्याह आपन अंगरखा* एलीसा क

अंगरखा इ बिसेस चोगा रहा। जेसे इ पता चलत रहा कि इ नबी अहा। एलीसा क इ अंगरखा को देइ स इ प्रगट होत ह कि एलीसा एल्लिया क जगह पइ नबी होइ गवा ह।

पहिराइ दिहस। 20एलीसा फउरन आपन बर्धन क छोड़ेस अउर एलिय्याह क पाछे दउड़ गवा। एलीसा कहेस, “मोका अपनी महतारी अउर बाप क चूमइ द्या अउर ओनसे बिदा लेइ द्या। फुन मई तोहरे पीछे चलब।” एलिय्याह जवाब दिहस, “हाँ तू अइसा कइ सकत ह। मई तोहका नाहीं रोकब।”

21तब एलीसा अपने परिवार क संग बिसेस भोजन किहस। एलीसा गवा अउर अपने बर्धन क मार डाएस। उ हरे क काठ क उपयोग आगी बारह इ बरे किहस। तब उ मास क पकाएस अउर लोगन में बाँट दिहस। लोग मास खाएन। तब एलीसा गवा अउर उ एलिय्याह क अनुसरण किहस। एलीसा एलिय्याह क सहायक बना।

बेन्हदद अउ अहाब जुद्ध को जात ह

20 बेन्हदद अराम क राजा रहा। उ आपन सारी फउज बटोरेस। ओकरे संग बतीस राजा रहेन। ओकरे लगे घोड़न अउ रथ रहेन। उ पचे सोमरोन पइ हमला किहन अउर ओकरे खिलाफ लड़ेन। 2राजा, नगर में इस्त्राएल क राजा अहाब क लगे दूत पठाएस। 3सूचना इ रही, “बेन्हदद कहत ह, ‘तोहका आपन सोना-चाँदी मोका देइ क पड़ी। तोहका आपन मेहररूअन अउ बच्चन भी मोका देइ क होइ।’”

4इस्त्राएल क राजा जवाब दिहस, “ऐ मोर सुआमी राजा! मई अंगीकार करत हउँ कि अब मई आप क मातहत हउँ अउर जउन कछू मोर अहइ उ आप क अहइ।”

5तब दूत अहाब क लगे वापस आवा। उ पचे कहेन, “बेन्हदद कहत ह, ‘मई पहिले ही तोहसे कहे रहेउँ कि तोहका सारा सोना-चाँदी तथा आपन मेहररूअन, बच्चन क मोका देइ क पड़ी। 6काल्ह मई अपने मनइयन क पठवत हउँ जउन महल में सब जगह अउर तोहरे मातहती में सासन करइवाले अउर अधिकारियन क घरन में खोज करिहीं। मोर मनई सबइ मुल्यवान वस्तुअन क लेइहीं अउर ओनका मोर लगे लइ आइहीं।’”

7एह बरे राजा अहाब अपने देस क सबहिं बुर्जुगन क एक बैठक बोलाएस। अहाब केहस, “लखा बेन्हदद परेसानी क कारण अहइ। पहिले उ मोहसे इ माँग किहस ह कि मई ओका आपन मेहररूअन, आपन बच्चन अउर आपन सोना-चाँदी दइ देउँ। मई ओका उ सबइ चिजियन देब अंगीकार कइ लिहेउँ अउर उ सब कछू लेइ चाहत ह।”

8किन्तु अग्रजन अउर सबहिं लोग कहेन, “ओकर आदेस न माना। उ न करा जेका करइ क उ कहत ह।”

9एह बरे अहाब बेन्हदद क सँदेसा पठाएस। अहाब कहेस, “मई उ कइ देब जउन तू पहिले कहे रह्या। किन्तु मई तोहार दूसरे आदेस क पालन नाहीं कइ सकत।”

राजा बेन्हदद क दूत सँदेसा राजा तलक लइ गएन। 10तब उ पचे बेन्हदद क दूसर सँदेसा क संग लउटेन। सँदेसा इ रहा, “मई सोमरोन क पूरी तरह बर्बाद करब। मई प्रतिग्या करत हउँ कि उ नगर क सबहिं चिजियन क बर्बाद कीन्ह जाइहीं। जदि मोरे हरे एक मनई उ नगर क एक मुट्ठी धूरि

भी आपन घरे लेइ जाइ बरे लेइ तउ उ ओन सबइ लोगन बरे प्रयाप्त नाहीं होब्या। परमेस्सर मोका बर्बाद करइ द्या जदि मई अइसा न करउँ।”

11राजा अहाब जवाब दिहस, “बेन्हदद स कहा कि उ मनइ क, जउन आपन कवच धारण किहे होइ, उ मनई क तरह डींग नाहीं डँकइ चाही जउन ओका उतारइ बरे लम्बी जिन्गी जितत ह।”

12राजा बेन्हदद अपने दूसर प्रसासकन क संग अपने तम्बू में दाखरस पान करत रहा। उहइ समइ दूतन आवा अउर उ राजा अहाब क सँदेसा दिहस। राजा बेन्हदद अपने मनइयन क नगर पइ हमला करइ बरे तैयार होइ क आदेस दिहस। एह बरे फउजी जुद्ध बरे अपनी जगह लेइ बरे बढेन।

13इहइ समइ, एक ठु नबी इस्त्राएल क राजा, अहाब क लगे पहुँचा। नबी कहेस, “राजा अहाब यहोवा तोहसे कहत ह, ‘का तू उ बड़की फउज क लखत अहा। मई, यहोवा, आज तोहका उ सेना क हरावइ देब। तब तू जनब्या कि मई यहोवा हउँ।’”

14अहाब कहेस, “ओनका पराजित करइ क बरे तू केकर उपयोग करब्या?”

नबी जवाब दिहस, “यहोवा कहत ह, ‘सरकारी अधिकारियन क युवक सहायक।’”

तब राजा पूछेस, “कउन सेना क अगुवाइ करब अउर जुद्ध सुरू करब?” नबी जवाब दिहस, “तू।”

15एह बरे अहाब सरकारी अधिकारियन क युवक सहायकन क बटोरेस। सब मिलाइके इ सबइ दुइ सौ बतीस युवक रहेन। तब राजा इस्त्राएल क सेना क एक संग बोलाएस। सारी गनती सात हजार रही।

16दुपहर क, राजा बेन्हदद अउ ओकर सहायक बतीस राजा अपने डेरा में दाखरस पान करत रहेन अउर मद मत्त होत रहेन। इहइ समइ राजा अहाब क हमला भवा। 17युवक सहायकन पहिले हमला किहन। बेन्हदद क मनइयन ओहसे कहेन कि फउजी सोमरोन स बाहरे निकरि आए अहइँ। 18एह बरे बेन्हदद कहेस, “उ पचे जुद्ध करइ बरे या सान्ति-सन्धि करइ बरे आवइ सकत ह। ओनका जिन्दा धइ ल्या।”

19राजा अहाब क युवक आक्रमण क पहल करत रहेन। इस्त्राएल क फउज ओनके पाछे चलत रही। 20इस्त्राएल क हर एक सैनिक उ मनइयन क मार डाएस जउन ओकरे खिलाफ आवा। एह बरे अराम क फउजियन पराब सुरू किहन। इस्त्राएल क फउज ओनकर पाछा किहस। राजा बेन्हदद अपने रथन क एक घोड़े पइ बैठिके भाग निकरा। 21राजा अहाब फउज क अगुवाइ किहस अउर आगे बढेस। उ अराम क फउज क सारे घोड़न अउ रथन क लइ लिहस। इ तरह राजा अहाब अरामियन सेना क भारी पराजय दिहस।

22तब नबी राजा अहाब क लगे पहुँचा, इस्त्राएल क राजा कहेस, “अराम क राजा बेन्हदद अगले बसन्त में तोहसे जुद्ध करइ बरे फुन आइ। एह बरे तोहका अब घरे लउटि जाइ चाही अउर अपनी फउज क पहिले स जियादा

सक्तीसाली बनवाइ चाही अउर ओका हराइ बरे उचित योजना बनावा।”

बेन्हदद फुन हमला करत ह

23राजा बेन्हदद क अधिकारी लोग ओहसे कहेन, “इस्त्राएल क देवता पर्वतीय देवता अहइ। हम लोग पर्वतीय पहुँटा में लड़े रहे। एह बरे इस्त्राएल क लोग बिजयी भएन। एह बरे हम लोग ओनसे समथर मइदान में जुद्ध करी। तब हम बिजयी पाउब। 24इ उहइ अहइ जेका तोहका करइ चाही। बत्तीस राजा लोगन क फउज क संचालन करइ क अनुमति न द्या। सेनापतियन क ही अपनी फउज क नेतृत्व करइ द्या।

25“अब तू उहइ क समान एक फउज बनावा जउन तू खो दिहस ह। उहइ फउज क तरह घोड़न अउर रथ ऐँकटठा करा जइसा तू पहिले रहा। तब हम लोग इस्त्राएलियन स समथर मइदान में जुद्ध करी। तब हम बिजय प्राप्त करब।” बेन्हदद ओनकी सलाह मान लिहस। उ उहइ किहस जउन उ पचे कहेन।

26एह बरे बसन्त में बेन्हदद अराम क लोगन क बटोरेस। उ इस्त्राएल क खिलाफ जुद्ध करइ अपेक गवा।

27इस्त्राएलियन भी जुद्ध क तइयारी किहन। इस्त्राएल क लोग अराम क सेना स लड़इ गएन। उ पचे अपने सिबिर अराम क सिबिर क समन्वा डएन। दुस्मन क तुलना में इस्त्राएली फउज बोकरियन क दुइ ठू नान्ह झुण्डन क समान देखाइ पड़त रहेन किन्तु अराम क फउज सारे छेत्र क ढाँपे रही।

28परमेस्सर क एक मनई इ सँदसा क संग इस्त्राएल क राजा क लगे आवा: “यहोवा कहेस ह, ‘अराम क लोग कहेन ह कि मई, यहोवा पर्वतन क परमेस्सर हुँ। उ पचे सोचत ही कि मई घाटियन क परमेस्सर भी नहीं हउँ। एह बरे, मई तोहका इ बिसाल सेना क हरावइ देब। तब तू समुझब्या कि मई यहोवा सब जगह हउँ।”

29फउजन सात दिन तलक एक दूसरे क आमने-सामने डेरा डए रहिन। सतएँ दिन जुद्ध सुरु भवा। इस्त्राएलियन एक दिन में अराम क एक लाख फउजियन क मार डएन। 30बचे भए फउजी अपेक नगर क भाग पराइ गएन। नगर प्राचीर ओन सताईस हजार फउजियन पड़ भहराइ पड़ी। बेन्हदद भी नगर क पराइ गवा। उ एक ठु कमरा में छुप गवा। 31ओकर अधिकारियन ओहसे कहेन, “हम लोग सुना ह कि इस्त्राएल क राजा लोग दया दिखावत ह। हम लोग मोरे ओढ़ना पहिरे अउर सिरे पड़ रस्सी डए। तब हम लोग इस्त्राएल क राजा क लगे चली होइ सकत ह कि उ हम क जिअत रहइ देइ।”

32उ पचे मोरे ओढ़ना पहिरेन अउर लसुरी मूँड़े पड़ डएन। उ पचे इस्त्राएल क राजा क लगे आएन। उ पचे कहेन, “तोहार सेवक बेन्हदद कहत ह, ‘कृपा कइके मोका जिअत रहइ द्या।’” अहाब जवाब दिहस, “का उ अबहिँ तलक जिअत अहइ? उ मोर भाई अहइ।”

33बेन्हदद क मनई राजा अहाब क सब्द में कछू सुराग सुनि क आसावादी रहेन जेहसे इ निहिचित होइ कि उ

बेन्हदद क नहीं मारी। जब अहाब बेन्हदद क आपन भाई कहेस तउ सलाहकारन तुरन्त कहेन, “हाँ, बेन्हदद आप क भाई अहइ।”

अहाब कहेस, “ओका मोरे लगे लिआवा।” एह बरे बेन्हदद राजा अहाब क लगे आवा। राजा अहाब अपने संग ओका अपने रथ में बइठइ क कहेस।

34बेन्हदद ओहसे कहेस, “अहाब मई ओन नगरन क तोहका दइ देब जेनका मोर बाप तोहरे बाप स लड़ लिहे रहेन अउर तू दमिस्क में वइसे ही दुकानन रखि सकत ह जइसे मोर बाप सोमरोन में रखे रहा।”

अहाब जवाब दिहस, “जदि तू एका अँगीकार करत ह तउ मई तोहका जाइ बरे अजाद करत हउँ।” एह बरे दुइनउँ राजा लोग एक ठु सान्ति-सन्धि किहन। तब राजा अहाब बेन्हदद क जाइ बरे अजाद कइ दिहस।

एब नबी अहाब क बिरुद्ध भविस्सवाणी करत ह

35नबियन में स एक दूसर नबी स कहेस, “मोह पड़ चोट करा।” उ ओहसे इ करइ बरे कहेस काहेकि यहोवा अइसा आदेस दिहे रहा। किन्तु दूसर नबी ओह पड़ चोट करइ स मना कइ दिहेस। 36एह बरे पहिला नबी कहेस, “तू यहोवा क आदेस क पालन नहीं किहा। एह बरे जब तू इ जगह क तजब्या, एक ठु सेर तोहका मार डाइ।” दूसर नबी उ जगह क तजेस अउर ओका एक सेर मार डएस।

37पहिला नबी दूसर मनई क लगे गवा अउर कहेस, “मोह पड़ चोट करा।”

उ मनई ओह पड़ चोट किहस। नबी क चोट आइ। 38एह बरे नबी अपने चेहरे पड़ एक ओढ़ना लपेट लिहस। इ तरह कउनो इ नहीं समुझ सकत रहा कि उ कउन अहइ। उ नबी गवा अउर उ सड़क क किनारे राजा क प्रतीच्छा सुरु किहस। 39राजा उ सड़क स निकरा अउर नबी ओहसे कहेस, “मई जुद्ध में लड़इ गवा रहेउँ। हमरे मनइयन में स एक मोरे लगे एक दुस्मन फउजी क लिआवा। उ मनई कहेस, ‘इ मनई क पहरेदारी करा। जदि उ भाग गवा, तउ एकरे जगह पड़ तोहका आपन जिन्नगी देइ क होइ या तोहका पचहत्तर पौण्ड चाँदी जुमनि में देइ क होइ।’ 40किन्तु मई ब्यस्त होइ गवा। एह बरे उ मनई भाग निकरा।”

इस्त्राएल क राजा कहेस, “तू कह्या ह कि तू फउजी क पराइ जाइ देइ क अपराधी अहा। एह बरे तोहका जवाब मालूम अहइ। तोहका उहइ करइ चाही जेका करइ क उ मनई कहेस ह।”

41तब नबी अपने मुँहना स ओढ़ना हटाएस। इस्त्राएल क राजा लखेस अउर इ जान लिहस कि उ नबियन में स एक अहइ। 42तब नबी राजा स कहेस, “यहोवा तोहसे इ कहत ह, ‘तू उ मनई क अजाद किहा जेका मई मर जाइ क कहेउँ। एह बरे ओकर जगह तू लेब्या, तू मर जाब्या अउर तोहार लोग दुस्मनन क जगह लेइहीं, तोहार लोग मरिहीं।”

43तब राजा समारिया अपने घरे लउट गवा। उ बहोत गुस्सा में अउ घबराया भवा रहा।

नाबोत क अंगूर क बाग

21 राजा अहाब क महल सोमरोन म रहा। महल क लगे एक ठु अंगूरन क बाग रहा। यिज़्रेल नाबोत नाउँ क मनई इ फलन क बाग क सुआमी रहा। 2 एक दिन अहाब नाबोत स कहेस, “अपना अंगूर क बाग मोका दइ द्या। मई एका सब्जियन क बाग बनावइ चाहत हउँ। तोहार बाग मोरे महल क लगे अहइ। मई एकरे बदले तोहका एहसे अच्छा अंगूर क बाग देब या, जदि तोर इच्छा होइ तउ मई एकरे मुख्य चुकाइके एका खरीद लेब।”

3 नाबोत जवाब दिहस, “मई आपन भुईया तोहका कबहूँ नाहीं देब। इ भुईया मोरे परिवार क बाटइ।”

4 एह बरे अहाब अपने घर गवा। उ नाबोत पइ किरोधित अउ बिगड़ा भवा रहा। उ इ बात क पसन्द नाहीं किहस जउन यिज़्रेल क मनई कहे रहा। (नाबोत कहे रहा, “मई अपने परिवार क भुईया तोहका नाहीं देब।”) अहाब अपने बिछउना पइ ओलर गवा। उ आपन मुंह मोड़ लिहस अउर खाइ स इन्कार कइ दिहस।

5 अहाब क मेहरारू ईज़ेबेल ओकरे लगे गइ। ईज़ेबेल ओहसे कहेस, ‘तू एतना उदास काहे अहा? तू खाइ स इन्कार काहे किहा ह?’

6 अहाब जवाब दिहस, “मई यिज़्रेल क नाबोत स ओकर भुईया माँगेउँ। मई ओहसे कहेउँ कि मई ओकर पूरी कीमत चुकाउब, या, जदि उ चाही तउ मई ओका दूसर बाग देब किन्तु नाबोत आपन बाग देइ स इन्कार कइ दिहस।”

7 ईज़ेबेल जवाब दिहस, “किन्तु तू तउ पूरे इस्त्राएल क राजा अहा अपने बिछउना स उठा। कछू खइया क खा, तू अपने क बेहतर महसूस करब्या। मई नाबोत क बाग तोहरे बरे लइ लेब।”

8 तब ईज़ेबेल कछू पत्र लिखेस। उ पत्रन पइ अहाब क हस्ताच्छर बनाएस। उ अहाब क मुहर पत्रज क बंद करइ बरे ओन पइ लगाएस। तब उ ओनका अग्रजन (प्रमुखन) अउर बिसेस मनइयन क लगे पठएस जउन उहइ नगर मँ रहत रहेन, जेहमँ नाबोत रहत रहा। 9 पत्र मँ इ लिखा रहा:

इ घोसणा करा कि एक इ एक उपवास क दिन होइ। तब नगर क सबहि लोगन क एक संग एक बइठक बोलावा। बइठक मँ, नाबोत क लोगन क समन्वा खास स्थान पइ बइठवा। 10 कउनो अइसे दर्ई बुरा मनइयन क हासिल करा जउन नाबोत क खिलाफ झूठा गवाही देइ। ओनका इ कहइ द्या उ पचे सुनेन कि नाबोत राजा अउ परमेस्सर क खिलाफ कछू बातन कहेस। तब नाबोत क नगर क बाहेर लइ जा अउर ओका पाथरन स मार डवा।

11 एह बरे यिज़्रेल क बुर्जुगन अउर महत्वपूर्ण मनइयन उ आदेस क पालन किहन जउन उ पत्र मँ लेखि के ओनका लगे भेजि रहेन। 12 प्रमुखन घोसणा किहन कि एक दिन अइसा होइ जब सबहि मनई कछू भी भोजन नाहीं करिहीं। उ दिन उ पचे सबहि लोगन क बइठक एक संग बोलाएन। उ पचे नाबोत क बिसेस ठउरे पइ लोगन क समन्वा रखेन।

13 तब दुइ बुरा मनइयन लोगन स कहेन कि उ पचे नाबोत क परमेस्सर अउ राजा क बिरुद्ध बातन करत सुनेन ह। एह बरे लोग नाबोत क नगर क बाहेर लइ गएन। तब उ पचे ओका पाथरन स मार डएन। 14 तब प्रमुखन एक सँदेसा ईज़ेबेल क पठएन। सँदेसा रहा: “नाबोत पाथरन स मार डवा गवा।” 15 जब ईज़ेबेल इ सुनेस तउ उ अहाब स कहेस, “नाबोत मर गवा। अब तू जाइ सकत ह अउर उ बाग क लइ सकत ह जेका उ तोहका बेचइ स इन्कार किहे रहा।” 16 जब अहाब सुनेस कि नाबोत मर गवा, उ अंगूर क बाग मँ ओह पइ कब्जा करइ बरे गवा।

17 इ समइ यहोवा एलिय्याह स बातन किहस। (एलिय्याह तिसबी क नबी रहा) यहोवा कहेस, 18 “इस्त्राएल क राजा अहाब क लगे सोमरोन क जा। अहाब नाबोत क अंगूरन क बाग मँ होइ। उ हुँवा पइ उ बाग पइ कब्जा करइ बरे होइ। 19 अहाब स कहा, मई यहोवा ओहसे कहत हउँ, ‘अहाब! तू नाबोत नाउँ क मार डया ह। अब तू ओकर भुईया लेत अहा। एह बरे मई तोहसे कहत हउँ, तू भी उहइ जगह पइ मरब्या जउने जगह पइ नाबोत मरा। जउन कूकुरन नाबोत क खून क चाटेन, उ सबइ ही तोहार खून उ जगह पइ चटिहीं।”

20 एह बरे एलिय्याह अहाब क लगे गवा। अहाब एलिय्याह क लखेस अउ कहेस, “तू मोका फुन पाइ लिहा ह। तू सदा मोरे खिलाफ अहा।”

एलिय्याह जवाब दिहस, “हौँ मई तोहका फुन पाइ लिहेउँ ह। तू सदा अपनी जिन्गी क उपयोग यहोवा क खिलाफ पाप करइ मँ किहा। 21 एह बरे यहोवा तोहसे कहत ह, ‘मई तोहका बर्बाद कइ देब। मई तोहका अउर तोहरे परिवार क हर एक मनसेधू निअंबर क मार डउब।

22 “तोहरे परिवार क उहइ दसा होइ जउन दसा नाबोत क पूत यारोबाम क परिवार क भइ अउर तोहार परिवार बासा क परिवार क तरह होइ। इ सबइ दुइनउँ पूरी तरह बर्बाद कइ दीन्ह गए रहेन। मई तोहारे संग उहइ करब काहेकि तू मोका गुस्सैल किहा ह। तू इस्त्राएल क लोगन स पाप कराया ह।’ 23 अउर यहोवा इ भी कहत ह, ‘तोहार मेहरारू ईज़ेबेल क ल्हास यिज़्रेल नगर मँ कूकुर खइहीं। 24 तोहार परिवार कउनो भी निअंबर क जउन नगर मँ मरी, कूकुर खइहीं जउन मनई मइदानन मँ मरी उ पंछियन क जरिये खा जाइ।”

25 ओलेना बुरे काम जेका यहोवा बुराई मँ सामिल करत ह कउनो भी मनई नाहीं किहेस ह जेतना अहाब किहेस ह। ओकर पत्नी ईज़ेबेल ओहसे इ सबइ काम कराएस ह। 26 अहाब बहोत भयंकर पाप किहेस ह जउन उ ओन काठे क देवमूरतियन क पूजेस ह। इ उहइ काम रहा जेका एमोरी लोग करत रहेन अउर यहोवा ओनसे पहँटा छोर लिहस अउर इस्त्राएल क लोगन क दइ दिहे रहा।

27 एलिय्याह क कथन क पूरा होइ पइ अहाब दुःखी भवा। उ अपने ओढ़नन क इ देखावइ बरे फार डएस कि ओका दुःख अहइ। तब उ सोक क बिसेस ओढ़ना पहिरेस। अहाब खाइ स इन्कार कइ दिहेस। उ ओनही बिसेस ओढ़नन क पहिरे भवा रहा। अहाब बहोत दुःखी अउ उदास रहा।

28यहोवा एलिय्याह, तिसबी क नबी स कहेस, 29“का तू लखया ह कि अहाब मोरे समन्वा विनम्र होइ गवा ह। एह बरे मई ओकरे जिन्गी क काल में ओह पइ विपत्तियन क नाहीं आवइ देब। मई तब तलक प्रतीच्छा करब जब तलक ओकर पूत राजा नाहीं बन जात। तब मई अहाब क परिवार पइ विपत्तियन आवइ देब।”

मीकायाह अहाब क चितउनी देत ह

22 अगले दुइ बरिस क भीतर इस्राएल अउ अराम क बीच सात्ति रही। 2तब तीसरे बरिस यहूदा क राजा यहोसापात इस्राएल क राजा अहाब स भेंटइ गवा।

3इ समइ अहाब अपने अधिकारियन स पूछेस, “तू पचे जानत ह कि अराम क राजा गिलाद में रामोत क हम स लइ लिहे रहा। हम लोग रामोत वापस लेइ क कछू भी जतन काहे नाहीं किहा? इ हम लोगन क नगर होइ चाही।” 4एह बरे अहाब यहोसापात स पूछेस, “का आप हमरे संग आउब अउर रामोत में अराम क फउज क खिलाफ जुद्ध करब?” भेंटइ बरे तैयार अहई।

यहोसापात जवाब दिहस, “हाँ, मई तोहार साथ देब। मोर फउजी अउर मोर घोड़न तोहरी फउज क संग भेंटइ बरे तैयार अहइ। 5किन्तु पहिले हम लोगन क यहोवा स सलाह लेइ चाही।”

6एह बरे अहाब नबियन क एक बैठक बोलाएस। उ समइ लगभग चार सौ नबी रहेन। अहाब नबियन स पूछेस, “का मई जाउँ अउर रामोत में अराम क फउज क खिलाफ जुद्ध करउँ? या मई कउनो दूसर अवसर क प्रतीच्छा करउँ?”

नबियन जवाब दिहन, “तोहका अबहिं जुद्ध करइ चाही। यहोवा तोहका विजय पावइ देइ।”

7किन्तु यहोसापात कहेस, “का हिआँ यहोवा क नबियन में स कउनो दूसर नबी अहइ? जदि कउनो अहइ तउ हम क ओहसे पूछइ चाही कि परमेस्सर का कहत ह।”

8राजा अहाब जवाब दिहस, “एक दूसर नबी अहइ। उ यिम्ला क पूत मीकायाह अहइ। किन्तु ओहसे मई घिना करत हउँ। जब कबहुँ उ यहोवा क बारे में बतावत ह, उ मोर बारे में कछू नीक नाहीं बल्कि बुरा कहत ह। उ सदा ही उहइ कहत ह जेका मई पसन्द नाहीं करत।”

यहोसापात कहेस, “राजा अहाब, तोहका इ सबइ बातन नाहीं कहइ चाही।”

9एह बरे राजा अहाब अपने अधिकारियन में एक स कहेस जा अउर मीकायाह क जल्दी खोज के लिआवा।

10उ समइ दुइनउँ राजा अपनी राजसी पोसाक पहिरे रहेन। उ पचे सिंहासने पइ बइठे रहेन। इ सोमरोन क दुआर क लगे निआव करइ क जगह पइ रहा। सबहिं नबी ओकरे समन्ना खड़े रहेन। उ सबइ भविस्सवाणी करत रहेन। 11नबियन में स एक सिदकिय्याह नाउँ क मनई रहा। इ कनान क पूत रहा। सिदकिय्याह कछू लोहा क सींगन बनाएस। तब उ अहाब स कहेस, “यहोवा कहत ह, ‘तू लोहा एन सींगन क उपयोग अराम क फउज क खिलाफ

लइइ में करब्या। तू ओनका हरउब्या अउर ओनका बर्बाद करब्या।” 12सबहिं दूसर नबियन ओकर समर्थन किहन जउन कछू सिदकिय्याह कहेस। नबियन कहेन, “तोहार फउज अबहिं कूच करइ। ओनका रामोत में अरम क सेना क संग जुद्ध करइ चाही। तू जुद्ध जितब्या। यहोवा तोहका विजय देइ।”

13जब इ होत रहा तबहिं अधिकारी मीकायाह क हेरइ गवा। अधिकारी मीकायाह क हेर निकारेस अउर ओहसे कहेस, “सबहिं दूसर नबियन कहेन ह कि राजा क जुद्ध जीतब तोहका भी इ कहइ चाही अउर तोहका राजा क बारे में अच्छी बातन क भविस्सवाणी करइ चाही।”

14किन्तु मीकायाह जवाब दिहस, “नाहीं! मई प्रतिग्या करत हउँ कि मई सिरिफ परमेस्सर क सक्ती क बारे में उहइ कहब जउन कहइ बरे यहोवा कहेस ह।”

15तब मीकायाह राजा अहाब क समन्वा खड़ा भवा। राजा ओहसे पूछेस, “मीकायाह, का मोका अउर राजा यहोसापात क अपनी फउजन एक कइ लेइ चाही? अउर का हम क अराम क फउज स रामोत में जुद्ध करइ बरे जाइ चाहीं?”

मीकायाह जवाब दिहस, “हाँ! तोहका जाइ चाही अउर ओनसे अबहिं जुद्ध करइ चाही। यहोवा तोहका विजय स आसिस देइ।”

16किन्तु अहाब पूछेस, “तू यहोवा क सक्ती स नाहीं बतावत अहा। तू अपनी निजी बात कहत अहा। एह बरे मोहसे फुर कहा। केतनी दाई मोका तोहसे कहइ क पड़ी? मोहसे उ कहा जउन यहोवा कहत ह।”

17एह बरे मीकायाह जवाब दिहस, “मई जउन कछू होइ, लखि सकत हउँ। इस्राएल क फउज पहाड़ियन में बिखर जाइ। उ पचे ओन भेड़न क तरह होइहीं जेनकर कउनो भी संचालक न होइ। इहइ यहोवा कहत ह: ‘एन मनइयन क अगुवाइ कउनो नाहीं करइ। ओनका घर जाइ चाही अउर जुद्ध नाहीं करइ चाही।’” 18जब अहाब यहोसापात स कहेस, “लख ल्या। मई तोहका बताए रहेउँ। इ नबी मोरे बारे में कबहुँ कउनो नीक बात नाहीं कहत। इ सदा उहइ बात कहत ह जेका मई सुनइ नाहीं चाहत।”

19किन्तु मीकायाह यहोवा क माध्यम बना कहत ही रहा। उ कहेस, “सुना! इ सबइ उ सबइ सब्द अहई जेनका यहोवा कहेस ह! मई यहोवा क सरग में अपने सिंहासने पइ बइठा लखेउँ। ओकर दूत ओकरे दाई अउर बाई ओर खड़ा रहेन।

20यहोवा कहेस, ‘तू पचन में स कउन राजा अहाब क चकमा दइ सकत ह? मई ओका रामोत में अराम क फउज क खिलाफ जुद्ध करइ क बरे जाइ देइ चाहत हउँ। तब उ मारा जाइ।’ अलग-अलग सरगदूतन अलग-अलग सुझाव दिहेन। 21तब एक तु सरगदूत यहोवा क लगे गवा अउर उ कहेस, ‘मई ओका चकमा देब।’ 22यहोवा पूछेस, ‘तू राजा अहाब क चकमा कइसे देब्या?’ सरगदूत जवाब दिहस, ‘मई ओकर सबइ नबियन क मुँह में झूठ बोलइवाला आत्मा होइ जाब।’ मई नबियन क अहाब स झूठ बोलाउब नबियन क सँदेसन झूठ होइहीं।’ एह बरे यहोवा कहेस, ‘बहोत अच्छा। जा अउर राजा अहाब क चकमा द्या। तू सफल होब्या।’”

23मीकायाह अपनी कथा पूरी किहस। तब उ कहेस, “एह बरे हिआँ इ सब भवा। यहोवा तोहरे नबियन स तोहका लबार बोलवाइ दिहस ह। यहोवा खुद निर्णय लिहस ह कि तोह पड़ बड़की परेसानी लिआवइ।”

24तब सिदकिय्याह नबी मीकायाह क लगे गवा। सिदकिय्याह मीकायाह क मुँह पड़ मारेस। सिदकिय्याह कहेस, “का तू फुरइ पतियात अहा कि यहोवा क सक्ती मोका तजि दिहस ह अउर तोहरे माध्यम स बात करत अहइ।”

25मीकायाह जवाब दिहस, “हाली ही बिपद आइ। उ समइ तू पराब्या अउर एक छोटके कमरे में छिपब्या अउर तब तू समुझब्या कि मई फुर कहत हउँ।”

26तब राजा अहाब अपने अधिकारियन में स एक क मीकायाह क बन्दी बनावइ क आदेस दिहस। राजा अहाब कहेस, “एका बन्दी बनाइ ल्या अउर एका नगर क प्रसासक आमोन अउर राजकुमार योआस क लगे लइ जा। 27ओनसे कहा कि मीकायाह क बन्दीघर में डाइ द्या। ओका खाइ क सिरिफ रोटी अउर पानी द्या। ओका हुवाँ तब तलक राखा जब तलक मई जुद्ध स घरे न आइ जाउँ।”

28मीकायाह जोर स कहेस, “आप सबहिं लोग सुनई जउन मई कहत हउँ। राजा अहाब, जदि तू जुद्ध स घरे जिअत लउटि अउब्या, तउ एकर अरथ होइ कि यहोवा मोर जरिया स नाही बोले रहा।”

29तब राजा अहाब अउ राजा यहोसापात जुद्ध में अराम क फउज स जुद्ध करइ गएन। इ गिलाद नाउँ क पहुँटा में रहा। 30अहाब यहोसापात स कहेस, “हम जुद्ध क तैयारी करब। मई अइसे ओढ़ना पहिरब जउन मोका अइसा रुप देइहीं कि मई अइसा लगब कि मई राजा नाही अहउँ। किन्तु तू अपने बिसेस ओढ़ना पहिरा जेहसे तू अइसे लगा कि तू राजा अहा।” इ तरह इस्राएल क राजा जुद्ध क सुरुआत उ मनई क तरह ओढ़ना पहिरके किहन जउन राजा न होइ।

31अराम क राजा क लगे बत्तीस रथ-सेनापति रहेन। उ राजा एन बत्तीस रथ-सेनापतियन क आदेस दिहस कि उ पचे इस्राएल क राजा क खोज निकारइँ अउर ओका मार डाई। उ कहेस कि इस्राएल क राजा क इलावा कउनो क संग जिन लड़ा चाहे उ महत्वपूर्ण अहइ या नाही।” 32एह बरे जुद्ध क बीच सेनापतियन राजा यहोसापात क लखेन। सेनापतियन समुझेन कि उहइ इस्राएल क राजा अहइ। एह बरे उ पचे ओका मारइ गएन। यहोसापात चिचिआब सुरू किहस। 33सेनापतियन समुझ लिहन कि उ राजा अहाब नाही अहइ। एह बरे उ पचे ओका नाही मारेन। 34मुला एक ठु फउजी हवा में बाण छोड़ेस, उ कउनो खास मनई क आपन लस्य नाही बनावत रहा। किन्तु ओकर बाण इस्राएल क राजा अहाब क जाइ लगा। बाण राजा क उ छोटी जगह में भेदेस, जउन तने क हीसा ओकरे कवच स नाही ढका रहा। एह बरे राजा अहाब अपने सारथी स कहेस, “मोका एक ठु बाग भेद दिहस ह। इ छेत्र स रथे क बाहेर लइ चला। हम क जुद्ध स दूर निकरि जाइ चाही।”

35फउज लगातार जुद्ध करत रहिन। राजा अहाब अपने रथे में ठहरा। उ रथ क टेक क सहारा निहरा भवा रहा। उ

अराम क फउज क लखत रहा। ओकर खून खाले बहत रहा अउर उ रथ क तले क ढाँपि लिहस। पाछे, साँझ क राजा मर गवा। 36साँझ क समइ इस्राएल क फउज क सबहिं मनसेधुअन अपने नगर अउर प्रदेस वापस लउटइ क आदेस दीन्ह गवा।

37एह बरे राजा अहाब इ तरह मरा। कछू मनई ओकरे लहास क सोमरोन लइ आएन। उ पचे ओका हुँवइ दफनाइ दिहन। 38लोग अहाब क रथे क सोमरोन में एक तालाब में धोएन, जहाँ रंडियन नहावत ही। कूकुर राजा अहाब क खून क ओकर रथ स चाटेन। इ सबइ बातन वइसे वइसे ही भइज जइसा यहोवा होइ क कहे रहा।

39अपने राजकाल में अहाब जउन कछू किहस उ “इस्राएल क राजा लोगन क इतिहास” नाउँ क किताबे में लिखा अहइ। उहइ किताब में राजा अपने महल क जियादा सुन्नर बनावइ बरे जउने हाथी-दाँत क उपयोग किहे रहा, ओकरे बारे में कहा गवा ह अउर उ किताबे में ओन नगरन क बारे में लिखा गवा ह। जेका उ बनाए रहा। 40अहाब मरा, अउर अपने पुरखन क लगे दफनाइ दीन्ह गवा। ओकर पूत अहज्याह राजा बना।

यहूदा क राजा यहोसापात

41इस्राएल क राजा अहाब क चउथे बरिस। यहोसापात यहूदा क राजा भवा। यहोसापात आसा क पूत रहा। 42यहोसापात जब राजा भवा तब उ पैतीस बरिस क रहा। सिल्ली क बिटिया अजूबा यहोसापात क महतारी रही। उ यरूसलेम में पचीस बरिस तलक सासन किहे रहेन। 43यहोसापात नीक मनई रहा। उ उ सबइ चिजियन क किहेस जउन ओकर बाप किहे रहेन अउर ओका करइ में दृढ़ रहेन। उ उहइ किहेन जेका यहोवा नीक समुझत ह। किन्तु यहोसापात ओन जगहन क बर्बाद नाही किहस। लोग ओन जगहन पइ बलि-भेंट करब अउर सुगन्धि बारब जारी रखेन।

44यहोसापात इस्राएल क राजा क संग एक सान्ति-सन्धि किहेस। 45यहोसापात बहोत वीर रहा अउर उ कई जुद्ध लड़ा। जउन कछू उ किहेस उ, “यहूदा क राजा लोगन क इतिहास” नाउँ क किताबे में लिखा अहइ। 46यहोसापात मन्दिर क ओन पुरुस अउर स्त्री पत्नीरिया क मन्दिर स ज़बरदस्ती बाहेर निकारेस। ओन मनइयन ओन मन्दिर में तब सेवा किहे रहेन जब ओकर बाप आसा राजा रहा।

47इ समइ क बीच एदोम देस क कउनो राजा नाही रहा। उ देस एक ठु प्रसासक क जरिये सासित होत रहा। प्रसासक यहूदा क राजा क जरिये चुना जात रहा।

यहोसापात क समुद्री बेड़ा

48राजा यहोसापात अइसे समुद्री जहाजन क बनाएस जउन सामानन क ढोवत रहेन। उ चाहत रहेन कि ओकर जहाज ओपीर प्रदेस स सोना लिआवइ। किन्तु जहाजन ओकर ग्रह-बन्दरगाह एस्योनगेबेर में बर्बाद होइ गएन। 49इस्राएल क राजा अहज्याह यहोसापात क मदद देइ क न्योता दिहेन। अहज्याह यहोसापात स कहे रहा कि उ कछू अइसे मनइयन क अपने मनइयन क संग ल्या जउन जहाजी कामे में

होसियार अहड़ै।” किन्तु यहोसापात अहज्याह क मनइयन क अंगीकार करइ स इन्कार कइ दिहस।

50 यहोसापात मरा अउ अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। उ दाऊद नगर में अपने पुरखन क संग दफनावा गवा। तब ओकर पूत यहोराम राजा बना।

इस्राएल क राजा अहज्याह

51 अहज्याह अहाब क पूत रहा। उ इस्राएल क राजा यहोसापात क यहूदा पइ राजकाल क सत्रहवें बरिस में राजा बना। अहज्याह सोमरोन में दुइ बरिस राज्ज किहस।

52 अहज्याह यहोवा क बिरुद्ध पाप किहस। उ उ सबइ ही पाप किहस जउन ओकर बाप अहाब ओकर महतारी ईजेबेल अउ नबात क पूत यारोबाम किहे रहा। इ सबइ सबहिं सासक इस्राएल क लोगन क अउर जियादा पाप कईंती लइ गएन।

53 अहज्याह अपने स पहिले अपने बाप क समान लबार देवता बाल क पूजा अउर सेवा किहेन। एह बरे अहज्याह यहोवा, इस्राएल क परमेस्सर क बहोत जियादा किरोधित किहस। यहोवा अहज्याह पइ वइसा ही कोहाइ गवा जइसा ओकरे पहिले उ ओकर बाप पइ कोहान रहा।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center

Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center

All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online ad space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center

P.O. Box 820648

Fort Worth, Texas 76182, USA

Telephone: 1-817-595-1664

Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE

E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: <http://www.wbtc.org>

Order online – To order a copy of our texts online, go to: <http://www.wbtc.org>

Current license agreement – This license is subject to change without notice. The current license can be found at: <http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm>

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from: <http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html>

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from: <http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html>